{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 27 अगस्त 2026
श्रावण शुक्ल 15 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 333
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	77,472.94
निफ्टी	24,207.75
सोना	1,50,100
चांदी	2,60,000
डॉलर	95.38

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

प्रलयकारी बाढ़ से नेपाल में तबाही, 90 की मौत और 150 भारतीयों सहित 700 लोग लापता

काठमांडू। एजेंसी।

नेपाल में 26 अगस्त को भोटे कोशी नदी ने ऐसा रौद्र रूप दिखाया कि हिमालय की संकरी घाटियां भी उसकी प्रचंड धारा के सामने बेबस नजर आईं। तिब्बत से निकलकर नेपाल पहुंचने वाली इस नदी में अचानक बढ़े जलप्रवाह ने सिंधुपाल्चोक जिले में भारी तबाही मचा दी। नदी का वेग इतना तेज था कि कई स्थानों पर पुल टूट गए, सड़कें और रास्ते बह गए तथा नदी किनारे बसे इलाकों में भारी नुकसान हुआ। उफनती धारा अपने साथ चट्टानें, पेड़ और मलबा बहाती हुई आगे बढ़ती रही। स्थानीय इलाकों से सामने आए दृश्यों में नदी का पानी काला-भूरा और मटमैला दिखाई दे रहा है तथा ऊंची-ऊंची लहरें संकरी घाटियों से होकर बेहद तेजी से गुजर रही हैं।

अब तक करीब 90 लोगों की मौत की खबर है, जबकि लगभग 700 लोग लापता बताए जा रहे हैं। इन लापता लोगों में लगभग 150 भारतीय पर्यटक शामिल होने की जानकारी मिली है। राहत और बचाव अभियान के बीच तबाही का वास्तविक आंकड़ा और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

स्थिति की गंभीरता को देखकर बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान शुरू किया है, जिसमें 15 हेलीकॉप्टर लगाए गए हैं। बाढ़ के तेज बहाव में कई वाहन और अन्य सामान बह गए हैं। कुल 13 जलविद्युत परियोजनाएं प्रभावित हुई हैं, जिनके बांध, विद्युतगृह, पहुंच मार्ग और अन्य बुनियादी ढांचे को व्यापक क्षति पहुंची है। काठमांडू ट्रैफिक पुलिस ने एहतियात के तौर पर काठमांडू से रसुवा, नुवाकोट, चितवन और धादिङ जाने वाले वाहनों की आवाजाही को रोक दिया है। बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। नेपाल सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल राजाराम बस्नेत ने बताया कि बुसी और तुसु जैसे प्रभावित इलाकों से 25 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। कुल 15 हेलीकॉप्टरों में से 7 नेपाली सेना के और 8 अन्य एजेंसियों के हैं, जो बचाव अभियान में लगे हैं। घायलों के उपचार के लिए मछली ट्रेनिंग कैंप में एक मेडिकल सेंटर स्थापित किया गया है, और प्रभावित क्षेत्रों में मेडिकल व बचाव टीमें तैनात की गई हैं। स्थानीय अधिकारियों और नदी के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को बाढ़ के खतरे को लेकर पहले ही अलर्ट कर दिया गया था। अधिकारियों का कहना है कि सेना और मेडिकल टीमें फिलहाल बचाव कार्य पर केंद्रित हैं, और मृतकों व घायलों की सटीक संख्या का आकलन अभी जारी है। व्यापक नुकसान का विस्तृत आकलन स्थलीय निरीक्षण के बाद ही किया जा सकेगा। इस बीच, नेपाल में आई इस बाढ़ के मद्देनजर बिहार में भी हाई अलर्ट जारी किया गया है। गंडक नदी में संभावित फ्लैश फ्लड के खतरे को देखते हुए मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में हुई बैठक में पश्चिमी और पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर और वैशाली जिलों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

विजय शाह विवाद-कांग्रेस ने राष्ट्रपति से की मध्य प्रदेश कैबिनेट को बर्खास्त करने की मांग

भोपाल। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह के खिलाफ भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में अभियोजन की मंजूरी न मिलने को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित पूरे मंत्रिमंडल को बर्खास्त करने की मांग की है। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राष्ट्रपति को भेजे पत्र में कहा कि राज्य सरकार का निर्णय एक बड़बोले मंत्री को राजनीतिक संरक्षण देने और उस व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, जिसमें सत्ता अपने राजनीतिक व्यक्ति को जवाबदेही से बचाने के लिए न्यायिक प्रक्रिया के सामने दीवार बनकर खड़ी हो रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ने सवाल उठाया कि जब सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अभियोजन की स्वीकृति मांगी है, तब क्या सत्ता में बैठे व्यक्ति कानून से ऊपर हैं। यह मांग मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद आई है, जिसमें आदिम जाति कल्याण मंत्री शाह के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी से संबंधित कोई प्रस्ताव नहीं आया। लोक निर्माण विभाग के मंत्री राकेश सिंह और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने भी इसकी पुष्टि की है कि मंत्रिमंडल में ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं आया था।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई कर मध्य प्रदेश सरकार को दो सप्ताह के भीतर शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में अभियोजन की स्वीकृति पर निर्णय लेने का निर्देश दिया था। इस मामले में अगली सुनवाई 31 अगस्त को होनी है, जिससे यह उम्मीद की जा रही थी कि मंत्रिमंडल की मंगलवार की बैठक में सरकार इस संबंध में कोई निर्णय ले सकती है।

कांग्रेस नेता पटवारी ने राष्ट्रपति को लिखे पत्र में मध्य प्रदेश के राजनीतिक इतिहास का एक अत्यंत शर्मनाक अध्याय करार दिया, जहां सवाल केवल शाह के आचरण का नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री और पूरे मंत्रिमंडल की संवैधानिक एवं नैतिक जवाबदेही का है। उन्होंने राष्ट्रपति से सेना एवं संविधान की सर्वोच्च संरक्षक के तौर पर अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करने का आग्रह किया। यह पूरा मामला मई 2025 का है, जब विजय शाह ने इंदौर के निकट महू के रायकुंडा गांव में कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर ऐसी टिप्पणी की थी, जिसे उनके धर्म और पहलगाम हमले के आतंकियों के समुदाय से जोड़कर देखा गया। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने इस टिप्पणी का स्वतः संज्ञान लिया था। उच्चतम न्यायालय ने शाह के बयानों की निंदा करते हुए मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था, जिसने अपनी रिपोर्ट दाखिल कर दी है।

खास खबर

टीएमसी की बड़ी कामयाबी- 20 बागी सांसदों की अयोग्यता की मांग तेज

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद सागरिका घोष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के उस फैसले का स्वागत किया है, जिसमें उन्होंने दल-बदल कानून के उल्लंघन के आरोप में 20 बागी सांसदों को नोटिस जारी किया है। टीएमसी सांसद घोष ने एक बड़ी कामयाबी करार देकर कहा कि आखिरकार दो महीने बाद स्पीकर कार्यालय ने कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि ये वहां सांसद हैं जो एक खास चुनाव चिह्न पर जीतने के बाद दूसरी पार्टी में शामिल हो गए हैं। उन्होंने इन सांसदों पर गद्दार होने का आरोप लगाकर कहा कि ये जनता के जनादेश के साथ धोखा कर रहे हैं। घोष ने संविधान की दसवीं अनुसूची का हवाला देकर इन्हें तत्काल अयोग्य घोषित करने की मांग की। उन्होंने स्पष्ट किया कि दसवीं अनुसूची के अनुसार, सांसद विलय नहीं कर सकते, केवल राजनीतिक दल ही ऐसा कर सकते हैं, इसलिए इन सांसदों ने संविधान और लोकतंत्र का उल्लंघन किया है। घोष ने कार्रवाई में हुई देरी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि स्पीकर के कार्यालय ने यह कदम तब उठाया जब टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में दखल दिया। जून में याचिका दायर होने के दो महीने बाद कार्रवाई होना, यह दर्शाता है कि यह दबाव का परिणाम है।

गिरिराज का ओवैसी को पलटवार, संविधान के हिसाब से रहना होगा भारत में

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने हिजाब विवाद पर एआईएमआईएम और सांसद प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को कड़ा जवाब देकर कहा है कि जो कोई भी भारत में रहना चाहता है, उस देश के संविधान का सख्ती से पालन करना होगा। ओवैसी ने शिक्षण संस्थानों में हिजाब पर रोक लगाने के इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर आपत्ति जाहिर की थी, जिस केंद्रीय मंत्री सिंह ने न्यायपालिका का अनादर बताया। केंद्रीय मंत्री सिंह ने ओवैसी के दावों पर सवाल उठाया कि अदालतों फैसला समुदाय के मामलों में दखल है। उन्होंने कहा कि यह समझना मुश्किल है कि ओवैसी खुद के बारे में क्या सोचते हैं, क्या वे संविधान का सम्मान करते हैं या उसके खिलाफ काम करते हैं? जब अदालतें उनकी पसंद के फैसले सुनाती हैं, तब वे स्वीकार करते हैं, लेकिन असहमत होने पर सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट का विरोध क्यों करते हैं? केंद्रीय मंत्री ने ओवैसी को चुनौती देकर कहा कि अगर वे सिर्फ शरिया कानून को ही प्राथमिकता देते हैं, तब देश भर के मुसलमानों को चोरी के मामलों में हाथ काटने के शरिया प्रावधान को लागू करना चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उस समय तब आईपीसी की धाराओं के तहत सुरक्षा मांगी जाती है, लेकिन अभी उन्हें बुरा लग रहा है? यह बयान ओवैसी द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश की कड़ी आलोचना करने और इस्लाम पर हमला बताने के बाद आया है।

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास का दावा- एमएमडीआर एक्ट से झारखंड को होगा फायदा

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने धनबाद में दावा किया कि केंद्र सरकार का हाल ही में संशोधित खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम (एमएमडीआर कानून) राज्य और देश दोनों के हितों को पूरा करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो)-कांग्रेस गठबंधन कानून को लेकर लोगों में भ्रम फैलाकर गुमराह करने का काम कर रहे है। पूर्व सीएम दास ने कहा कि यह अधिनियम अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाएगा और पारदर्शिता के साथ खनन को बढ़ावा देगा, इससे राज्य को अधिक राजस्व मिलेगा। उन्होंने बताया कि खनन क्षेत्र से प्राप्त कुल कर का 90 प्रतिशत हिस्सा राज्य को ही मिलता है और यह व्यवस्था जारी रहेगी। बीजेपी नेता दास ने खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए 2015 में शुरू किए डीएमएफटी फंड का जिक्र किया। उन्होंने राज्य सरकार पर केंद्र द्वारा स्वीकृत 34 कोयला ब्लॉकों में से सिर्फ चार को ही चालू करने को लेकर सवाल उठाया, जिसे उन्होंने राज्य की गंभीरता की कमी बताया। दूसरी ओर, कांग्रेस ने संशोधन का कड़ा विरोध किया है। झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुबोध कांत सहाय ने दावा किया था कि नए कानून से राज्य के खजाने को 14,000 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि इससे कई सामाजिक कल्याण योजनाएं, विशेषकर महिलाओं के लिए मइयां सम्मान योजना प्रभावित होंगी। कांग्रेस ने संसद में विधेयक पारित होने के विरोध में 27 अगस्त से चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है, उनका मानना है कि यह संशोधन खनिज अधिकारों पर राज्यों के कर लगाने के अधिकारों को सीमित करता है।

2027 में बनी सपा सरकार तो महिलाओं को मिलेंगे 40 हजार-अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले साल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए समाजवादी पार्टी ने अभी से घोषणाओं की झड़ी लगाना शुरू कर दिया है। पार्टी ने आधी आबादी को लुभाने के लिए कई लुभावनी घोषणाएँ की हैं। पार्टी मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि सत्ता में आने पर सपा 'स्त्री सम्मान समृद्धि योजना' लागू करेगी। इसके तहत महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये दिए जाएंगे।

पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी भाजपा की तुलना में अधिक महिलाओं को टिकट देगी। उन्होंने महिला आरक्षण कानून को लेकर भाजपा सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि कानून पारित होने के बावजूद इसे लागू करने में देरी क्यों की जा रही है। सपा प्रमुख ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी और आधी आबादी की प्रगति के बिना समाज का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। उन्होंने 'स्त्री सम्मान समृद्धि योजना' का जिक्र करते हुए कहा कि इसके तहत महिलाओं को प्रतिवर्ष 40 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। उन्होंने इसे महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देने की दिशा में कदम बताया।

सपा प्रमुख ने कहा कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में लौटती है तो इंटरमीडिएट पास करने वाली हर लड़की को लैपटॉप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि तकनीक तक पहुंच से बेटियों को शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। भाजपा के टैबलेट वितरण कार्यक्रम पर निशाना साधते हुए

यादव ने कहा कि केवल उपकरण बांटना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका सही तरीके से काम करना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने पर सपा सरकार बंद किए गए 26 हजार प्राथमिक विद्यालयों को फिर से खोलेगी। उनका कहना है कि इससे बेटियों को घर के नजदीक शिक्षा हासिल करने का अवसर मिलेगा और पढ़ाई के लिए दूर जाने से जुड़ी असुरक्षा कम होगी। उन्होंने कहा कि बेटियों को पढ़ाई के लिए अपना गांव छोड़ने की जरूरत नहीं होनी चाहिए।

उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पिछली सपा सरकार के दौरान शुरू की गई महिला हेल्पलाइन 1090 और डायल-100 का उल्लेख करते हुए महिला सुरक्षा के प्रति अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि सपा सरकार बनने पर महिलाओं की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सपा प्रमुख ने कहा कि भविष्य में लखनऊ के विश्वविद्यालय और कॉलेजों में पढ़ने वाली छात्रों को विशेष कार्ड के जरिए मेट्रो में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं के लिए पहले भी मुफ्त परिवहन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं।

उन्होंने उप्र की योगी सरकार की 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र की महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना पर तंज कसते हुए कहा कि सपा अपनी योजनाओं को 2027 के घोषणापत्र में शामिल करने की तैयारी कर रही थी, लेकिन ऐसा लगता है कि उनकी प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी भाजपा तक पहले ही पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से सरकार ने वरिष्ठ महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की घोषणा कर दी। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा का प्रस्तावित एजेंडा महिला सम्मान, आर्थिक सशक्तिकरण, शिक्षा, तकनीक और सुरक्षा पर केंद्रित होगा। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों को 2027 विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के व्यापक घोषणापत्र में शामिल किया जाएगा।

प्राचीन ग्रंथों से आधुनिक समाज को आंकना गलत-दिलीप मंडल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा मनुस्मृति पर की गई टिप्पणी ने देश में नई बहस छेड़ दी है, जिसमें अब बाइबिल का जिक्र होने लगा है। वरिष्ठ पत्रकार और लेखक ने अपनी पोस्ट के जरिए सवाल उठाया है कि अगर किसी प्राचीन धार्मिक ग्रंथ के आधार पर आज के हिंदुओं और उनके सामाजिक व्यवहार पर सवाल उठाया जा सकता है, तब यहीं कसौटी दूसरे धर्मों के पुराने ग्रंथों पर भी लागू होनी चाहिए। आज के समाज को हजारों साल पुराने ग्रंथों की हर बात से जोड़कर देखना अनुचित है।

अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए, पत्रकार ने बाइबिल के ओल्ड टेस्टामेंट के एक्सोडस अध्याय 21 के पद 7-8 का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि इन पदों में पिता द्वारा बेटी को दासी के रूप में बेचने से जुड़े नियम दिए हैं। हालांकि, उन्होंने तुरंत स्पष्ट किया कि आज के ईसाई इन प्राचीन धार्मिक कानूनों को हूबहू लागू नहीं करते, बल्कि उन्हें ऐतिहासिक संदर्भ में समझते हैं। इसी आधार पर उन्होंने मनुस्मृति को लेकर भी यही तर्क दिया कि उसे भी उसके ऐतिहासिक संदर्भ में देखा जाना चाहिए, न कि आधुनिक समाज के लिए सीधा नियम।

मंडल की यह पोस्ट राहुल गांधी के मनुस्मृति संबंधी बयान के बाद उपजी बहस के बीच आई है। मंडल पहले भी राहुल गांधी की उस सोच पर सवाल उठा चुके हैं, जिसमें मनुस्मृति को हिंदुओं की कुरान या बाइबिल जैसा माना जाता है। उन्होंने जोर दिया कि किसी पुराने ग्रंथ की हर बात को आज के समाज का नियम मानना सही नहीं है।

भाजपा के खिलाफ सीधी लड़ाई लड़ रहे राहुल गांधी, बाकी सब सहयोगी -इमरान मसूद

लखनऊ। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने समाज वादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें अखिलेश ने उत्तर प्रदेश में भाजपा के खिलाफ मुख्य मुकाबले को सपा बनाम भाजपा बताया था। कांग्रेस सांसद मसूद ने साफ किया कि देश में भाजपा के खिलाफ वैचारिक लड़ाई का नेतृत्व राहुल गांधी कर रहे हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दूसरी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि यह देश के बदलाव की लड़ाई है और इसमें सभी दल सहयोगी की भूमिका में हैं, लेकिन केंद्रीय नेतृत्व राहुल गांधी कर रहे हैं। उनका कहना था कि सब सहयोगी हैं, सब साथ में चल रहे हैं, लेकिन लड़ाई राहुल गांधी के नेतृत्व में ही लड़ी जा रही है।

कांग्रेस नेता मसूद ने अखिलेश के जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर को निजी हाथों में सौंपने के आरोपों का समर्थन कर कहा कि यह सरकार पुरानी संपत्तियों को बेचने और देश को ठेका पर चलाने में लगी है। उन्होंने नौकरियों में आरक्षण से बचने के लिए, ठेका पर भर्ती को बढ़ावा देने की योगी सरकार की मंशा पर सवाल उठाया, संयुक्त सचिव स्तर पर भी संविदा भर्ती का हवाला दिया। जेन-जी को टैबलेट देने के योगी सरकार के फैसले पर उन्होंने कहा कि यह सिर्फ लुभाना है, जबकि पिछले पांच साल में आईआईटी के 70 छात्रों की आत्महत्याएं देश की गंभीर स्थिति दिखाती हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के हिजाब को यूनिफॉर्म का हिस्सा न मानने के फैसले पर मसूद ने कहा कि इस फैसले को धर्म के बजाय संस्कृति के नजरिए से देखा जाना चाहिए, क्योंकि सिर ढकना भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। उन्होंने भाजपा सांसद कंगना रनौत द्वारा कृति सेनन के रक्षाबंधन विज्ञापन की आलोचना पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि कंगना पर दूसरों के कपड़ों पर अनावश्यक टिप्पणी करने का आरोप लगाया, जबकि उन्हें खुद के पहनावे पर ध्यान देना चाहिए।

चिराग पासवान ने बीपीएससी छात्रों के प्रदर्शन का किया समर्थन

पुलिस लाठीचार्ज की कड़ी निंदा

पटना। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने पटना में 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा में कथित अनियमितताओं के खिलाफ विरोध कर रहे उम्मीदवारों का समर्थन किया है। उन्होंने 26 अगस्त को प्रदर्शन स्थल का दौरा कर राजभवन व मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च कर रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा की गई लाठीचार्ज की कड़ी आलोचना की। केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि लाठीचार्ज की तस्वीरें देखकर उन्हें गहरा दुख हुआ और एक जिम्मेदार सहयोगी के तौर पर उन्होंने छात्रों की जायज मांगें बिहार सरकार तक पहुंचाना उनकी जिम्मेदारी थी। लोक जनशक्ति पार्टी प्रमुख पासवान ने छात्रों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर बीपीएससी, बेल्ट्रॉन और टीआरई-4 उम्मीदवारों की मांगों को मजबूती से रखा। उन्होंने कहा कि युवाओं की जायज मांगों का समाधान बातचीत और संवेदनशीलता से होना चाहिए। केंद्रीय मंत्री पासवान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया है कि छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार होगा और जल्द ही सकारात्मक समाधान निकाला जाएगा। इस बीच, पटना में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया, जब वे प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने भी शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अपील करते हुए कहा कि सरकार हर मुद्दे को सुनेगी और उसका समाधान करेगी।

शिवराज का पलटवार-कांग्रेस ने ही बिगाड़ा एक देश, एक चुनाव का सिस्टम

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस सांसद पी. चिदंबरम द्वारा एक देश, एक चुनाव के विरोध पर तीखा पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने तर्क दिया कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव पहले एक साथ ही होते थे, लेकिन तत्कालीन सत्ताधारी कांग्रेस ने असंवैधानिक तरीकों से व्यवस्था को बिगाड़ दिया। इससे पहले, चिदंबरम ने एक देश, एक चुनाव को संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन बताकर कहा था कि इस 2029 में लागू करना संभव नहीं होगा। उन्होंने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के समक्ष अपनी बात रखी थी।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि 1970 के दशक में विपक्ष की चुनी हुई सरकारों को गिराकर इस सुचारु व्यवस्था को खत्म किया गया था। उन्होंने कहा, लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव पहले एक साथ ही होते थे, ऐसा 1952, 1957, 1962 और 1967 में हुआ था। बाद में, कांग्रेस पार्टी ने असंवैधानिक साजिशें रचकर इस व्यवस्था को बिगाड़ दिया। उन्होंने चिदंबरम के किस अंतरात्मा की बात वाले बयान पर भी सवाल उठाए।

एक देश, एक चुनाव के प्रस्ताव का समर्थन कर केंद्रीय मंत्री ने बताया कि लॉ कमीशन ने 1983 और 2018 में, साथ ही पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च-स्तरीय समिति ने भी एक साथ चुनाव कराने की जरूरत पर ज़ोर दिया है। उन्होंने सवाल किया कि जब इन प्रतिष्ठित निकायों ने जरूरी बताया है, तब यह असंवैधानिक कैसे हो गया? यह प्रस्ताव लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने और उसके बाद 100 दिनों के भीतर अन्य चुनाव कराने का सुझाव देता है।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि देश भर में बार-बार होने वाले चुनावों से चुने हुए नेता विकास कार्यों पर पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं। उन्होंने दावा किया कि इससे सरकार और राजनीतिक दलों का खर्च भी बढ़ता है, और शिक्षक, पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारी जैसे जनसेवक चुनाव तैयारियों में ही लगे रहते हैं, जबकि उन्हें जनसेवा, कल्याण और विकास पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि एक देश, एक चुनाव राष्ट्रीय हित में है और मोटे तौर पर जनता के बीच भी इस पर व्यापक सहमति है।

कुछ ना कहना

सरकार की आमद मरहबा लबैक या रसूलल्लाह

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद मिलादुन्नबी का पर्व

पैग़ंबरे इस्लाम की यौमे पैदाईश पर विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन, शानो शौकत के साथ निकाला गया जुलूस ए मोहम्मदी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पैग़ंबरे इस्लाम हज़रत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाईश पर मनाया जाने वाला पर्व, जश्ने ईद मिलादुन्नबी बुधवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में मुस्लिम समाज द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां दिन भर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन हुए। मुस्लिम धर्मावलंबियों के सबसे बड़े पर्व में अल सुबह से ही इबादत का दौर शुरू हो गया।जहा घर घर खीर सहित अन्य मीठे पकवान बनाकर फातिहा दी गई।वही लोगो ने एक दूसरे को मिठाई बाटकर ईदमिलादुन्नबी नबी की मुबारकबाद दी।इसी कड़ी में हर साल की तरह इस साल भी नगर में जश्ने ईद मिलादुन्नबी का पर्व पूर्ण अकीदतो धार्मिक विधि-विधानो और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर सुबह 10 बजे जामा मस्जिद चौक में परचम कुशाई(झंडा फहराया) कि गई।जहां सलातो सलाम के बाद करीब 10=15 बजे इस्लामी नारो के साथ जुलूस ए मोहम्मदी शहर गस्त के लिए शानो शौकत के साथ रवाना हुआ। जहा जुलुस में शामिल गुलामे मुस्ताओ ने सरकार की आमद मरहबा लबैक या रसूलल्लाह की सदाए बुलन्द की।

अमनो अमान के संदेश के साथ रवाना हुआ जुलूस

जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर हर साल की तरह इस साल भी नगर की जामा मस्जिद से जुलूस ए मोहम्मदी निकाला गया। यह जुलूस जामा मस्जिद से अंजुमन शादी हाल, चांदनी चौक बैहर रोड मार्ग से शास्त्री चौक होते हुए मरारी मोहल्ला से देवी तलाब रोड वहां इतवारी बाजार अज्जु गनी के सामने से इतवारी बाजार के अंदर से डॉ. चतुर मोहता के सामने से मेंन रोड होते हुए काली पुतली चौक वहां जेल के सामने से जय स्तंभ चौक, वहां से बूढ़ी हॉस्पिटल के सामने से बस स्टैंड रानी अवन्ति चौक चौक पहुँचा।जहा तकरीर के माध्यम से सरकारें दो आलम की शान और उम्मते मुस्लिमा के बारे में बताया गया।उसके फौरन बाद यह जुलूस बैहर रोड रजा चौक से डॉ.खान गली से गुजरी होते हुए पुलिस क्वाटर के सामने से जामा मस्जिद चौक पहुँचा।जहां सलातो सलाम का नजराना पेश कर ,देश में अमन, चैन ,शांति और आपसी भाईचारे की दुआएं कर जुलूस ए मोहम्मदी का समापन किया गया।

जुलूस का जगह जगह हुआ स्वागत, मरहबा के नारों से गुंजा नगर

जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर निकाले गए इस जुलूस ए मोहम्मदी का जगह जगह स्वागत किया गया। वही जगह जगह मिठाइयां,हलवा,खीर,छुवारे सहित अन्य सामग्रियों का वितरण कर लोगो ने एक दूसरे को ईदमिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी।इस दौरान जुलूस में शामिल धर्मालंबियों द्वारा लगाए गए नारे सरकार की आमद मरहबा नारा ए तकबीर -अल्लाहो अकबर सहित अन्य इलामी नारो से शहर गूंज उठा।जहां जुलूस में शामिल धर्मालंबियों के साथ साथ नात खानों ने नात ए रसूल, सलातो सलाम सहित अन्य इस्लामी तरानों की प्रस्तुतियां दी,वही बच्चे व युवा हाथो में हरे झंडे लिए बुलंद नारो के साथ इस्लामी तरानों में मनमुग्द नजर आए, इसके अलावा जुलूस में शामिल अन्य लोगो को दरूद ए मोहम्मदी का जिक्र करते हुए देखा गया।जिन्होंने पैग़ंबरे इस्लाम हज़रत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश पर अपनी खुशी का इजहार करते हुए मोहम्मद साहब के पैगाम को जन जन तक पहुँचाया।

अमर शहीद आशीष शर्मा सहित नक्सल मुक्त बालाघाट बनाने वाले स्व.जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

जुलूस ए मोहम्मदी के दौरान एक और खूबसूरत नजारा नगर के चांदनी चौक के समीप देखने को मिला जहां नक्सली मुक्त बालाघाट बनाने में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीद आशीष शर्मा सहित अन्य वीर जवानों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान समस्त अमर जवानों के छायाचित्र पर फूलों की वर्षा की गई,तो वहीं जुलूस में शामिल अधिकारियों कर्मचारियों सहित अन्य ने बारी-बारी से उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें सलामी दी।इसके उपरांत जुलूस से मोहम्मदी चांदनी चौक से अपने गंतव्य की ओर आगे बढ़ा।उधर तो आयोजको के इस आयोजन की हर किसी ने सरहाना की,तो वहीं स्थानीय लोगों सहित अन्य राहगीरों ने भी इस दृश्य को अपने कैमरे में कैद किया।

अंजुमन शादी हाल में लुटाया गया लंगर

जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार सुबह से विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जहां ,मोहम्मदी जुलूस, व जगह जगह लंगर ए आम का आयोजन किया गया।इसी कड़ी में हर साल की तरह इस साल भी यंग रजा मेमन कमेटी की जानिब में अंजुमन शादी हाल में लंगर ए आम का आयोजन किया गया।जहां जुलूस के बाद शाम को लंगर का सिलसिला शुरू होकर देर रात तक चलता रहा।इसके अलावा नगर के विभिन्न मार्गों में भी जगह जगह धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन कर लंगर वितरित किया गया।

देर रात तक सजावट का लुत्फ उठाते नजर आए शहरवासी

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर नगर में की गई जगह-जगह सजावट का देर रात तक लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। जहां सजावट का मुख्य आकर्षण केंद्र बस स्टैंड व बैहर रोड बना रहा। जहां मुस्लिम बंधुओ द्वारा पूरी बैहर रोड को दुल्हन की तरह सजाया गया था, तो वहीं विभिन्न चौक चौराहों व मार्गों पर रंग बिरंगी लाइटिंग सजाई गई थी ,इसके अलावा मुख्य चौक चौराहों पर तरह-तरह के इस्लामिक चिन्हित आकृतियां बनाई गई, जिसका नगर वासियों ने जमकर लुफ्त उठाया ।तो वही जगह जगह लंगर के इंतजाम हुए इसके अलावा सुबह से लेकर देर रात तक खीर ,पुरी, हलवा सहित अन्य मिष्ठान सामग्रियों का जगह-जगह वितरण कर लोगों ने एक दूसरे को ईद मिलादुन्नबी की बधाइयां दी।

अंजुमन इस्लामिया कमेटी ने जताया प्रशासन का आभार

उधर उक्त पूरे आयोजन में शांतिपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और कदम-कदम पर सहयोग देने की बात कहते हुए, अंजुमन इस्लामिया कमेटी बालाघाट द्वारा पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया गया। इसके अलावा उन्होंने जुलूस में शामिल सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए इसी तरह आगामी समय में आयोजित होने वाले सभी त्योहारों को सामाजिक तौर पर मिलजुल कर आपसी भाईचारे अमन चैन शांति के साथ मनाने की बात गुजारिश की है।

24 मासूम बच्चों की मौत को लेकर आदिवासी समाज का आंदोलन व कैंडल मार्च आज

निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग, राष्ट्रपति व मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपेंगे ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। बैगा समाज के दूरस्थ अंचलों में 24 मासूम बच्चों की मौत के मामले को लेकर आदिवासी समाज लांजी ने आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। संगठन ने पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने के साथ स्वास्थ्य विभाग की कथित लापरवाही और भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई है। इसी क्रम में 27 अगस्त को दोपहर 3 बजे गोंडवाना सामुदायिक भवन, लांजी से कैंडल मार्च निकाला जाएगा। कैंडल मार्च के माध्यम से दिवंगत बच्चों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इसके बाद आदिवासी समाज की ओर से राष्ट्रपति एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम लांजी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। संगठन का कहना है कि बैगा बाहुल्य दूरस्थ क्षेत्रों में बच्चों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं, टीकाकरण, मलेरिया से बचाव, पर्याप्त पोषण, चिकित्सकीय सेवाएं और एंबुलेंस जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में कथित तौर पर गंभीर लापरवाही हुई है। संगठन ने मांग की है कि 24 बच्चों की मौत के वास्तविक कारणों की जांच कर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति स्पष्ट की जाए। आदिवासी समाज ने कहा कि लांजी एवं आसपास का क्षेत्र आदिवासी बहुल है। इसके बावजूद दूरस्थ वनांचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। संगठन ने दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी, पर्याप्त चिकित्सकीय स्टाफ, दवाओं, जांच सुविधाओं और आपातकालीन परिवहन की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ज्ञापन में 24 बच्चों की मौत की निष्पक्ष जांच, स्वास्थ्य विभाग की कथित लापरवाही एवं भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच तथा जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग प्रमुख रूप से शामिल रहेगी। आदिवासी समाज लांजी ने क्षेत्रवासियों से 27 अगस्त को होने वाले कैंडल मार्च में बड़ी संख्या में शामिल होकर दिवंगत बच्चों को श्रद्धांजलि देने और न्याय की मांग में सहभागिता करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 29 अगस्त को बालाघाट में मुख्यमंत्री जन विश्वास कार्यक्रम में शामिल होंगें

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत 29 अगस्त को बालाघाट के सांदीपनि विद्यालय में जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री के बालाघाट आगमन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 29 अगस्त को बालाघाट पहुंचेंगे। इसके बाद वे फील्ड विजिट के अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण

करेंगे। इसके पश्चात सांदीपनि विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय शिविर में विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनसंवाद, उद्यमियों से संवाद तथा युवा संवाद करेंगे। इसके साथ ही वे अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में चल रहे विकास कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा समाधान ऑनलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की भी सुनवाई की जाएगी। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री मीडिया संवाद भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कलेक्टर कुमार सत्यम ने आज 26 अगस्त को अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, विभागीय दायित्वों, सुरक्षा, यातायात, कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं सहित अन्य आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का समय पर निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्आदित्य मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जी.एस. धुर्वे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर परिषद बैहर की अभिनव पहल

पद्मेश न्यूज। बैहर। नगर परिषद बैहर अध्यक्ष श्रीमती यशवंती गुड्डा मरकाम के द्वारा एक नवाचार करते हुए नगर के सभी प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के 198 हितग्राहियों को 1 पे ? मां के नाम जो कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का देश की जनता जनार्दन से आव्हान है कि वे एक पेड़ लगाए उसी को आधार मानकर सभी को ना केवल पेड़ भेंट स्वरूप दिया गया और यह आग्रह भी किया गया कि जो पेड़ आपको लगाकर दिया जा रहा

है उसका संरक्षण और संवर्धन आपको करना है मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के द्वारा भी प्रदेश को हरा भरा बनाने के लिए सतत कार्य किए जा रहे है ऐसे ही प्रयास नगर परिषद बैहर भी करने का संकल्प लिया है और इसी के चलते नगर परिषद बैहर के समस्त प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के सभी हितग्राहियों के घर पर नगर परिषद पेड़ लगाने जा रही है जिसकी आज से शुरुआत किया गया है नगर परिषद बैहर के कर्मचारी सभी हितग्राहियों के घर जाकर पेड़ लगाएंगे और इसी प्रकार नगर परिषद बैहर के विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को भी पेड़ भेंट किए जाने का परिषद द्वारा संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि स्ठरूबैहर द्धस् अर्पित गुप्ता ,नगर परिषद बैहर अध्यक्ष श्रीमती यशवंती गुड्डा मरकाम, सांसद प्रतिनिधि और प्रदेश मंत्री भाजपा अनु ज जा मोर्चा मप्र गुड्डा मरकाम , मण्डल अध्यक्ष संकेत राठौर , पूर्व मण्डल अध्यक्ष अर्जुन जायसवाल , पूर्व जिला उपाध्यक्ष सुनील वधावन , पूर्व जिला उपाध्यक्ष प्रमोद नेमा , पूर्व पार्षद शिवनाथ यादव , महामंत्री सुरेश यादव , ष्द्धश हितेश हलमारें पार्षदगण अजीज खान , विनोद पांडव , शिवा रामटेके , बलदेव उइके , श्रीमति सुरपति यादव , श्रीमती शिमला मेरावी , श्रीमती हामिदा बेगम , मनोनीत पार्षद कालू कदम , अनु ज जा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष महेन्द्र उइके , रामचरण नागरे , इमाम बाबा , रमेश अजीत , अकबर भाई सब इंजीनियर वंदना मरकाम , सोनल साहू , ऊषा रैकवार जी, अमित चटर्जी , बैसाखू मेरावी , नंदकिशोर शांडिल्य , नरेन्द्र मराठे , बिज्जू रामटेके , गजेन्द्र मेरावी , कौशिकी उइके रमेश पटले सहित सभी कर्मचारीगण तथा भारी संख्या में नगर की जनता जनार्दन उपस्थित रहे। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती यशवंती गुड्डा मरकाम जी द्वारा किए जा रहे इस नवाचार की स्थानीय जनप्रतिनिधियो एवं पार्टी के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों ने जमकर प्रशंसा की और आशीर्वाद भी देते हुए कहा कि ऐसे ही समाज कल्याण एवं सेवा भाव से निरंतर जनसेवा के कार्य करते रहो।

ग्राम कायदी में जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी का शानदार आयोजन

परचम-कुशाई के बाद निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी, जगह-जगह हुआ इस्तकबाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पैग़म्बरे इस्लाम हज़रत मोहम्मद मुस्तफ़ा की यौमे पैदाइश के मुबारक मौक़े पर ग्राम कायदी में बुधवार को जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी का पर्व अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया। इस मौक़े पर गांव में दिनभर धार्मिक एवं मिलाद के कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुस्लिम समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए जश्न की खुशियां एक-दूसरे के साथ साझा कीं और मुल्क में अमन, सलामती तथा भाईचारे की दुआएं कीं। ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर अलसुबह से ही गांव में इबादत का सिलसिला शुरू हो गया था। लोगों ने अपने घरों में खीर सहित विभिन्न प्रकार के मीठे पकवान तैयार किए और फातिहा दिलाई। इसके बाद समाज के लोगों ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद पेश की। पूरे गांव में पर्व को लेकर खासा उत्साह और खुशनुमा माहौल नजर आया।

मस्जिद में हुई परचम कुशाई

कार्यक्रम के तहत सुबह करीब 10 बजे ग्राम कायदी की मस्जिद में परचम कुशाई की रस्म अदा की गई। परचम फहराए जाने के बाद जुलूस ए मोहम्मदी पूरी शानो शौकत और अकीदत के साथ रवाना हुआ। जुलूस में शामिल लोग इस्लामी नारों के साथ पैग़म्बरे इस्लाम हज़रत मोहम्मद की शान में नात और सलाम पेश करते हुए आगे बढ़े। जुलूस-ए-मोहम्मदी गांव की विभिन्न गलियों से होकर जोड़ापाट स्थित वारासिवनी-बालाघाट मुख्य मार्ग पर पहुंचा। इस दौरान रास्ते में लोगों द्वारा जुलूस का जगह-जगह इस्तकबाल किया गया। जुलूस में शामिल लोगों के लिए स्थानीय नागरिकों ने स्वागत की व्यवस्था की तथा पर्व की मुबारकबाद दी। जुलूस के दौरान आपसी भाईचारे, सौहार्द और अमन का संदेश भी

दिखाई दिया।मुख्य मार्ग से गुजरने के बाद जुलूस पुन: ग्राम कायदी की ओर रवाना हुआ और गांव की मस्जिद पहुंचकर धार्मिक कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने मुल्क की खुशहाली, अमन-चैन और आपसी भाईचारे के लिए दुआ की।

बड़ी संख्या में समाजजन हुए शामिल

ईद मिलादुन्नबी के इस आयोजन में मुस्लिम समाज के अध्यक्ष मोहम्मद करीम कुरैशी, उपाध्यक्ष शेख राजा खान एवं सचिव अब्दुल कादिर खान सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। कार्यक्रम में कलाम खान, अब्दुल नसीर खान, मोहम्मद आशिक कुरैशी, जुनैद खान, मोहसिन खान, शाहनवाज खान, अल्ताफ खान, आफताब खान, जीशान कुरैशी, इरफान खान, मोहसिन कुरैशी, सलाम खान, आबिद खान, जाबिद खान, यासीन खान, गुलाम खान, शब्बीर खान, जावेद खान, अबरार खान, राशिद खान, जलील खान, जिब्राइल कुरैशी, इमरान खान, मोहम्मद यूनुस, मोहम्मद मुस्तफा तुर्क एवं इसराइल खान सहित अन्य मुस्लिम समाजजन एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। समूचे आयोजन के दौरान गांव में धार्मिक उल्लास के साथ आपसी मोहब्बत, भाईचारे और सौहार्द का माहौल बना रहा। समाजजनों ने ईद मिलादुन्नबी के मुबारक अवसर पर पैग़म्बरे इस्लाम हज़रत मोहम्मद की तालीमात पर अमल करने तथा समाज में अमन और भाईचारे को मजबूत बनाने का संदेश दिया।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि खसरा नंबर 293/28 रकबा 0-014 हे. एवं खसरा नंबर 293/11/2 रकबा 0-017 हे. स्थित मौजा बालाघाट, तहसील व जिला बालाघाट मध्य प्रदेश विवादित है। उक्त सम्पत्ति के बारे में पंचम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड बालाघाट सुश्री निहारिका व्यास के न्यायालय में व्यवहार प्रकरण क्रमांक 143/2026 शीर्षक ओम प्रकाश गौतम, विशेष सिंह राजपूत एवं निशेष सिंह राजपूत विरुद्ध नितेश सिंह गौतम,रमन सिंह गौतम, श्रीमती मधुमति सिंह बैस व श्रीमती आरती सिंह परिहार , से लंबित है।जिसकी पेशी 15-09-2026 नियत है।

जानकारी मिली है कि प्रतिवादी गण उक्त विवादित भूमि का विक्रय करने की फिराक में है। यदि कोई व्यक्ति उक्त विवादित भूमि को क्रय करता है तो उसके विरुद्ध सिविल एवं दांडिक कार्यवाही की जायेगी और परिणाम की जिम्मेदारी खुद क्रेता, स्वयं की होगी।

हरि नाथ पाठक एडवोकेट अधिवक्ता,वादी गण।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम का उन्मुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बैहर । विकासखंड बैहर में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के अंतर्गत बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू की साप्ताहिक कक्षाओं के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ते हुए सतत एवं समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। पाठ्यक्रम के माध्यम से आर्थिक एवं सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण तथा भावी पीढ़ियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वर्तमान जरूरतों की पूर्ति पर जोर दिया जा रहा है। इसके केंद्र में न्यायसंगत एवं समावेशी समाज का निर्माण और जनभागीदारी है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य भगत सिंह नेताम एवं सांसद प्रतिनिधि सुरेंद्र मरकाम उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम शासन की महत्वपूर्ण पहल है। यह ग्रामीण क्षेत्रों में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ-साथ जनजागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। साथ ही, वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर भी मिल रहा है। कार्यक्रम के दौरान 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया गया तथा उपस्थितजनों ने नशामुक्ति की शपथ ली। जिला समन्वयक महेश पटले ने पाठ्यक्रम की रूपरेखा, उसकी बारीकियों, प्रभाव एवं महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में परामर्शदाता शिवनाथ यादव, सुरेश यादव, कुंदन मेरावी, मंजूलता चौधरी, भंवर सिंह मेरावी, राजेन्द्र बिसेन एवं आकांक्षा टेकाम सहित बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

राष्ट्रीय खेल दिवस पर खिलाड़ियों का होगा सम्मान समारोह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिला कबड्डी संघ बालाघाट द्वारा खिलाड़ियों के सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। 29 अगस्त को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी खिलाड़ी नीता इमरे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी।जिला कबड्डी संघ द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 29 अगस्त, शनिवार को मेजर ध्यानचंद की जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शाम 5 बजे भटेरा रोड़ स्थित एक होटल के सभागृह में सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में जिले के उन खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने वर्ष 2025-26 के दौरान राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व कर जिले का नाम रोशन किया है।जिला कबड्डी संघ ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी खिलाड़ियों से अपने मूल प्रमाण पत्र 27 अगस्त 2026 की शाम 5 बजे तक रमेश दीक्षित, रामकिशोर रहांगडाले, भीमराव ठाकरे, हेमलाल बड़गड़े अथवा उमेश सपाटे के पास आवश्यक रूप से जमा कराने की अपील की है।बताया गया कि इस सम्मान समारोह में जिला कबड्डी संघ की अध्यक्ष एवं विधायक बालाघाट अनुभा मुंजारे, कमलजीत छाबड़ा, जितेंद्र कोचर, डॉ. वेदप्रकाश लिल्हारे, पूरन सिंह भाटिया, सुरेश बागरेचा, कारो लिल्हारे, रामकिशोर रहांगडाले और राजेंद्र शिहिरे सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। संघ के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों एवं खेलप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।ज्ञात हो कि राष्ट्रीय खेल दिवस प्रतिवर्ष 29 अगस्त को हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

बाल गहन चिकित्सा इकाई से एक वर्षीय बालक को बिना बताए ले गए माता-पिता

छुट्टी की प्रक्रिया पूरी किए बिना अस्पताल से बच्चे को ले जाने की घटना, पहले भी सामने आ चुका है ऐसा मामला, अस्पताल प्रबंधन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहीद भगत सिंह शासकीय जिला अस्पताल बालाघाट की बाल गहन चिकित्सा इकाई (पीआईसीयू) से एक वर्षीय बालक को उसके माता-पिता बिना अस्पताल से छुट्टी कराए और बिना कर्मचारियों को सूचना दिए ही अपने साथ लेकर चले गए। हैरानी की बात यह है कि बालक के अस्पताल से चले जाने की जानकारी चिकित्सा इकाई के कर्मचारियों को तत्काल नहीं हो सकी। यह कोई पहली घटना नहीं है बल्कि इससे पूर्व भी इसी तरह का मामला सामने आ चुका है। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने अस्पताल की निगरानी एवं मरीजों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार जिले के बिरसा क्षेत्र के वनांचल गांवों में बीमारी फैलने के बाद बड़ी संख्या में बच्चे प्रभावित हुए हैं। इस बीमारी के चलते करीब दो दर्जन बच्चों की मौत होने की जानकारी सामने आई है। वहीं बीमार बच्चों को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। अब तक करीब सवा सौ बच्चों को अस्पताल में भर्ती कर उपचार के बाद स्वस्थ होने पर उनके घर भेजा जा चुका है। वर्तमान में भी आदिवासी अंचल के कई बच्चे शिशु वार्ड में भर्ती हैं जबकि गंभीर स्थिति वाले कुछ बच्चों को बाल गहन चिकित्सा इकाई में रखकर

उपचार दिया जा रहा है। इसी क्रम में 18 अगस्त को सुखचंद पिता अगनु बैगा एक वर्ष ग्राम महुआपानी बिरसा निवासी को शिशु वार्ड की बाल गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती किया गया था। यहां उसका उपचार चल रहा था। बताया गया कि 26 अगस्त की सुबह करीब 7 बजे बालक अपने बिस्तर पर नहीं मिला। जांच करने पर पता चला कि उसके माता-पिता उसे अस्पताल से विधिवत छुट्टी कराए बिना और संबंधित कर्मचारियों को सूचना दिए बिना ही अपने साथ लेकर चले गए।

पहले भी हो चुकी है ऐसी घटना

बाल गहन चिकित्सा इकाई से बच्चे को बिना सूचना दिए ले जाने की यह पहली घटना नहीं है। पूर्व में भी इसी तरह का मामला सामने आ चुका है। इसके बावजूद अस्पताल प्रबंधन द्वारा मरीजों, विशेषकर गंभीर अवस्था में भर्ती बच्चों की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पर्याप्त सतर्कता नहीं बरते जाने के आरोप लग रहे हैं।

गंभीर सवाल खड़े करती है घटना

अस्पताल में वनांचल क्षेत्रों से बड़ी संख्या में बीमार बच्चों को उपचार के लिए लाया जा रहा है। ऐसे में बाल गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती बच्चों की नियमित निगरानी और उनके परिजनों की आवाजाही पर नजर रखना बेहद महत्वपूर्ण है। यदि कोई बच्चा गंभीर अवस्था में भर्ती है और उसके परिजन बिना चिकित्सकीय अनुमति तथा बिना डिस्चार्ज प्रक्रिया पूरी किए उसे लेकर चले जाते हैं तो यह बच्चे के स्वास्थ्य के लिए भी जोखिमपूर्ण हो सकता है।इस घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर बाल गहन चिकित्सा इकाई जैसे संवेदनशील विभाग से भर्ती बच्चा बिना किसी कर्मचारी को जानकारी दिए अस्पताल परिसर से बाहर कैसे चला गया। पूर्व में ऐसी घटना होने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने क्या सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था में सुधार किया। इन सवालों के जवाब अस्पताल प्रबंधन की जिम्मेदारी तय करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।फिलहाल घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। जरूरत है कि ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए अस्पताल में भर्ती बच्चों की सुरक्षा, निगरानी और बिना अनुमति अस्पताल से ले जाए जाने की घटनाओं को रोकने के लिए ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बालाघाट से डेनमार्क, अमेरिका और यूएई भेजी जा रही राखी

अवकाश के दिनों में भी बहनों की राखियां पहुंचाने जुटा डाक विभाग, प्रतिदिन दो से ढाई हजार राखियों की हो रही बुकिंग व डिलीवरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह के पवित्र पर्व रक्षाबंधन को लेकर शहर का बाजार पूरी तरह सज गया है। श्रावण मास की पूर्णिमा पर 28 अगस्त को मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर्व के लिए बहनों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं और बाजारों में राखी खरीदने के लिए पहुंच रही हैं। इस बार राखियों की कीमतों में बीते वर्ष की तुलना में करीब 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है, लेकिन महंगाई का असर भाई-बहन के प्यार के इस पवित्र बंधन पर बेअसर नजर आ रहा है। बाजार में 10 रुपए से लेकर 300 रुपए तक की आकर्षक और विभिन्न डिजाइनों वाली राखियां उपलब्ध हैं।

अवकाश के दिनों में भी खुल रहा विभाग, भाइयों तक पहुँचा रहा बहनों की राखी

रक्षाबंधन को लेकर जहां बाजार में खरीदारी का उत्साह दिखाई दे रहा है, वहीं बहनों की राखियां समय पर उनके भाइयों तक पहुंच सकें, इसके लिए डाक विभाग भी विशेष सेवाएं दे रहा है। अवकाश के दिनों में भी पोस्ट ऑफिस में राखियों की बुकिंग, भेजने और वितरण का कार्य किया जा रहा है। बुधवार को अवकाश के बावजूद पोस्टमैन बहनों की राखियां भाइयों के घरों तक पहुंचाते नजर आए।

बच्चों के लिए कार्टून राखियों की खास मांग

रक्षाबंधन के बाजार में इस बार बच्चों के लिए विशेष आकर्षण देखने को मिल रहा है। दुकानदारों ने टीवी कार्टून पात्रों पर आधारित मोटू-पतलू, पांडा, छोटा भीम सहित अन्य आकर्षक डिजाइनों वाली राखियां मंगाई हैं। परिवार के साथ बाजार पहुंच रहे बच्चे इन राखियों को खासा पसंद कर रहे हैं।व्यापारियों के अनुसार बड़े भाइयों के लिए विभिन्न प्रकार की फैंसी और आकर्षक राखियां उपलब्ध हैं, वहीं बच्चों के लिए विशेष रूप से कार्टून डिजाइन वाली राखियां मंगाई गई हैं, जिनकी मांग भी अच्छी बनी हुई है।

सोने-चांदी की राखियों ने भी बढ़ाई बाजार की चमक

रक्षाबंधन के बड़े बाजार को देखते हुए ज्वेलर्स भी तैयारियों में जुटे हैं। कई ज्वेलरी दुकानों में सोने और चांदी की विशेष राखियां उपलब्ध कराई गई हैं। हालांकि इनकी कीमत सामान्य राखियों की तुलना में अधिक है, लेकिन खास और यादगार उपहार के रूप में इन राखियों को भी पसंद किया जा रहा है।कुल मिलाकर, कहे तो रक्षाबंधन को लेकर बालाघाट के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। महंगाई के बावजूद बहनों के उत्साह में कोई कमी नजर नहीं आ रही है और हर बहन अपने भाई के लिए पसंदीदा रक्षासूत्र खरीदने में जुटी हुई है।

उम्मीद नही थी कि छुट्टी के दिन भी मिलेगी सरकारी सेवा-यश

डाकघर बालाघाट में राखी पोस्ट करने पहुंचे युवक यश ने अवकाश के दिन भी पोस्ट ऑफिस द्वारा दी जा रही सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि इससे बहनों की राखियां समय पर उनके भाइयों तक पहुंच सकेंगी।उन्होंने बताया कि उन्हें उम्मीद नही थी कि अवकाश के दिन भी सरकारी से उन्हें मिल पाएगी।

विदेशों तक पहुच रही राखियां-पारधी

पोस्टमास्टर एल.एन. पारधी ने बताया कि रक्षाबंधन के मद्देनजर प्रतिदिन लगभग दो से ढाई हजार राखियों की बुकिंग और वितरण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बालाघाट से डेनमार्क, अमेरिका और यूएई के लिए भी राखियां बुक की गई हैं। बालाघाट संभाग में रक्षाबंधन के दौरान विशेष रूप से डाक विभाग अपनी सेवाएं दे रहा है और पोस्टकर्मी पूरी लगन के साथ राखियों की बुकिंग, प्रेषण और वितरण में जुटे हुए हैं।

दलदल बनी सड़क से ग्रामीण बेहाल, तीन शिकायतों के बाद भी नहीं हुई सुनवाई

समनापुर के ग्रामीण पहुंचे कलेक्टर कार्यालय, सड़क निर्माण की गुणवत्ता की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा विकासखंड के ग्राम समनापुर की बदहाल सड़क ग्रामीणों के लिए मुसीबत का सबब बन गई है। बारिश होते ही सड़क कीचड़ और दलदल में तब्दील हो जाती है, जिससे पैदल चलना तक मुश्किल हो रहा है। स्कूली बच्चे, मरीज और दोपहिया वाहन चालक सबसे ज्यादा परेशान हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि समनापुर में कुछ समय पूर्व सड़क का निर्माण कराया गया था, लेकिन वर्तमान में सड़क की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। बारिश के दौरान मार्ग पर कीचड़ और पानी जमा होने से आवागमन बाधित हो रहा है और दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है।उक्त समस्या के समाधान के लिए ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे और कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर सड़क निर्माण की जांच तथा जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सड़क निर्माण में अनियमितता का आरोप

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की है। उनका कहना है कि सड़क किस विभाग, योजना अथवा मद से बनाई गई है, इसकी जानकारी देने वाला कोई साइन बोर्ड भी मौके पर नहीं लगाया गया है। ग्रामीणों ने मांग की कि निर्माण से संबंधित पूरी जानकारी सार्वजनिक की जाए और मौके पर साइन बोर्ड लगाया जाए।ग्रामीणों का आरोप है कि यदि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही बरती गई है तो उसकी निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

तीन बार जनसुनवाई में शिकायत, फिर भी समाधान नहीं

ग्रामीणों के अनुसार सड़क की समस्या को लेकर वे अब तक तीन बार जनसुनवाई में शिकायत कर चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार शिकायत के बाद भी सड़क की स्थिति जस की तस बनी हुई है।ग्रामीणों ने कलेक्टर से मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को मौके पर भेजकर सड़क का निरीक्षण कराने की मांग की है। साथ ही सड़क निर्माण की गुणवत्ता और उपयोग किए गए मद की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई तथा जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की गई है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि इस बार प्रशासन उनकी लंबे समय से चली आ रही समस्या का संज्ञान लेकर दलदल में तब्दील सड़क से राहत दिलाने के लिए ठोस कार्रवाई करेगा।

स्कूल जाने वाले बच्चों और मरीजों की बढ़ी परेशानी-मेरावी

ग्रामीण महारसिंह मेरावी ने बताया कि खराब सड़क के कारण गांव के बच्चों को बारिश के दिनों में कीचड़ और दलदल से होकर स्कूल जाना पड़ता है। दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने का खतरा बना रहता है। वहीं अचानक किसी के बीमार होने पर मरीज को अस्पताल पहुंचाना भी चुनौती बन जाता है। कई बार खराब सड़क के कारण वाहन गांव तक पहुंचने में परेशान होते हैं, जिससे समय पर उपचार मिलने में भी दिक्कत हो सकती है।

संभागीय जांच दल ने कृषि आदान विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का किया आकस्मिक निरीक्षण

मोहगांव खुर्द, सिवनी कला, चिखला, गर्रा और लालबर्रा में दुकानों की जांच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप कृषि आदान सामग्री उपलब्ध कराने तथा कृषि सामग्री के विक्रय में नियमों के पालन की स्थिति का जायजा लेने के उद्देश्य से जबलपुर संभागीय जांच दल द्वारा आज 26 अगस्त को बालाघाट जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कृषि आदान विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। संभागीय जांच दल ने जिले के मोहगांव खुर्द, सिवनी कला, चिखला, गर्रा एवं लालबर्रा क्षेत्र में संचालित कृषि आदान विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कृषि सामग्री के भंडारण, विक्रय व्यवस्था तथा संबंधित अभिलेखों की उपलब्धता सहित निर्धारित नियमों के अनुरूप कृषि आदान सामग्री के विक्रय की स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण दल द्वारा कृषि आदान विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि सामग्री उपलब्ध कराई जाए तथा कृषि आदान के विक्रय से संबंधित सभी आवश्यक नियमों एवं प्रावधानों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। दल ने विक्रेताओं से आवश्यक दस्तावेज एवं अभिलेख भी देखे तथा कृषि आदान सामग्री के संबंध में आवश्यक जानकारी ली। आकस्मिक निरीक्षण के दौरान जबलपुर संभाग से श्रीमती प्रतिभा गौर, सहायक संचालक कृषि, अमित पांडे, श्रीमती स्मिता पटेल एवं श्री अहिरवार सहित बालाघाट जिले से सहायक संचालक कृषि श्री राजेश कुमार खोबरागड़े, श्रीमती प्रतिभा टेंभरे, एसएडीओ लांजी कुलदीप गणवीर एवं हिमांशु टेंभरे उपस्थित रहे। कृषि विभाग द्वारा इस प्रकार के निरीक्षणों का उद्देश्य जिले में कृषि आदान सामग्री के विक्रय की व्यवस्था को व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाए रखना तथा किसानों को निर्धारित गुणवत्ता एवं मानकों के अनुरूप कृषि सामग्री उपलब्ध कराना है। विभाग द्वारा कृषि आदान विक्रेताओं को नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन व अर्जित अवकाश प्रकरणों के शीघ्र निराकरण की मांग

मप्र सेवानिवृत्त शिक्षक संगठन एवं ऑल पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने सौपा ज्ञापन, 300 दिनों का अर्जित अवकाश स्वीकृत करने और पदाधिकारियों को परामर्शदात्री समिति में शामिल करने की लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश सेवानिवृत्त शिक्षक संगठन एवं ऑल पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन मध्यप्रदेश के पदाधिकारियों ने कर्मचारियों के लंबित पेंशन एवं अर्जित अवकाश प्रकरणों के समय-सीमा में निराकरण की मांग को लेकर जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं उप संचालक को मांगपत्र सौंपा है।संगठन के जिला अध्यक्ष एल.एल. मालवीय, सचिव सुरेश बोरगड, एल.एन. डहाटे एवं जिला अकादमिक सदस्य सुनील मेहरा सहित अन्य कर्मचारियों ने मांग पत्र प्रस्तुत कर पेंशन प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण कर भुगतान किए जाने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल ने मध्यप्रदेश वित्त विभाग, वल्लभ भवन के 8 मार्च 2018 के पत्र पर कार्रवाई करते हुए 300 दिनों का अर्जित अवकाश स्वीकृत करने तथा जिला परामर्शदात्री समिति की बैठकों में संगठन के पदाधिकारियों को शामिल किए जाने का भी अनुरोध किया।जिला अध्यक्ष एल.एल. मालवीय एवं अकादमिक सदस्य सुनील मेहरा ने बताया कि श्रीमती अनुराधा मालवीय, एएनएम, की सेवानिवृत्ति तिथि 30 अप्रैल 2022 के पश्चात उन्हें 259 दिनों के अर्जित अवकाश का लाभ मिलना था, लेकिन केवल 41 दिनों के अर्जित अवकाश का आदेश दिया गया। उन्होंने इस प्रकरण का शीघ्र निराकरण कर शेष राशि का भुगतान किए जाने की मांग की। पदाधिकारियो ने बताया कि जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने मांगपत्र का अवलोकन कर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया।साथ ही आगामी बैठक में संगठन के पदाधिकारियों को आमंत्रित किए जाने की बात भी कही है।

अधूरे एप्रोच पुल निर्माण से मानपुर-बोरी मार्ग पर बढ़ा संकट, बारिश में स्कूली बच्चें और ग्रामीण परेशान

विधायक के प्रयासों से मिली थी स्वीकृति, लेकिन समय पर काम पूरा न होने से आवागमन ठप, लोगों में प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त, अधुरे कार्य को जल्द पूर्ण करवाने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के तहसील कार्यालय से बोरी मार्ग पर सर्राटी नदी पर एप्रोच पुल का अधूरा निर्माण कार्य क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। करीब दो वर्ष पूर्व हुई मूसलाधार बारिश के दौरान पुल का एक हिस्सा बह गया था, जिससे मानपुर-बोरी और आसपास के दर्जनों गांवों का संपर्क प्रभावित हो गया था। वहीं पुल क्षतिग्रस्त होने से आवागमन में सभी को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। क्षेत्र के ग्रामीणों और स्कूली छात्र-छात्राओं को हो रही भारी परेशानियों को देखते हुए क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने शासन स्तर पर प्रयास कर एप्रोच पुल निर्माण की स्वीकृति करवाई थी। जिसके बाद प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग द्वारा विगत माह पूर्व निर्माण कार्य प्रारंभ करवाया गया था और यह एप्रोच पुल का निर्माण कार्य करोड़ों रूपयों की लागत से किया जा रहा है। लेकिन निर्माण कंपनी के द्वारा अधुरा निर्माण कर काम बंद कर दिया गया है। वहीं इस अधुरे निर्माण कार्य के बीच में ही इस मार्ग से आवागमन शुरू करवा दिया गया है। किन्तु गत दिवस से रूक-रूक कर निरंतर हो रही बारिश के कारण से जिस स्थान से एप्रोच पुल का निर्माण किया गया है और सड़क के कुछ हिस्सों में मिट्टी डाली गई है उक्त मिट्टी बहने लगी है। साथ ही कीचड एवं गड्डे होने से इस मार्ग से आने-जाने वाले दर्जनों ग्रामों के स्कूली बच्चों एवं ग्रामीणजनों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है और हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे क्षेत्रीयजनों में प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है।

बारिश के पहले पूरा होना था निर्माण कार्य

आपकों बता दे कि लालबर्रा तहसील पहुंच मार्ग से बोरी के बीच से सर्राटी नदी बहती है और नदी के ऊपर विगत वर्ष पूर्व करोड़ों रूपयों की लागत से पुल का निर्माण किया गया था। लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण दो वर्ष पूर्व तेज बारिश एवं नदी में बाढ़ आने से दो हिस्सों से पुल क्षतिग्रस्त होकर बह गया था। जिससे इस मार्ग से आवागमन बाधित हो गया था। उक्त समस्या को देखते हुए क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा क्षतिग्रस्त स्थान पर एप्रोच पुल निर्माण के लिए शासन से करोड़ों रूपयों की राशि स्वीकृत करवाई गई थी। वहीं स्वीकृति मिलने के बाद तय सीमा के अनुसार बारिश का मौसम शुरू होने से पहले ही एप्रोच पुल का निर्माण कार्य पूरा किया जाना था। लेकिन जिम्मेदार एजेंसियों द्वारा समय पर काम शुरू नहीं करवाया गया। नतीजा यह हुआ कि मानसून ने दस्तक दे दी और निर्माण कार्य बीच में ही अधूरा छोड़ दिया गया। वर्तमान में बारिश होने के कारण अधूरा निर्माण स्थल का कुछ हिस्सा कीचड़ एवं गड्डों में तब्दील हो चुका है और तेज बारिश एवं नदी में बाढ़ आने, तेज पानी के बहाव में निर्माण स्थल भी क्षतिग्रस्त हो सकता है। पुल का निर्माण अधूरा रहने के कारण सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों एवं राहगीरों का कहना है कि जब विधायक के प्रयासों से राशि स्वीकृत हो चुकी थी, तो जिम्मेदार विभाग ने समय रहते काम पूरा क्यों नहीं कराया। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन व संबंधित निर्माण एजेंसी से मांग की है कि बारिश के दौरान वैकल्पिक सुगम रास्ता बनाया जाये और मौसम खुलते ही अधूरे पड़े एप्रोच कार्य को गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द पूरा करवाये।

आवागमन में होती है परेशानी - त्रिवेणी

छात्रा कु. त्रिवेणी बिसेन ने बताया कि सर्राटी नदी में बन रहे एप्रोच पुल का निर्माण कार्य अधुरा किया गया है और पुल का कुछ हिस्सा बहुत खराब हो चुका है एवं कीचड़ होने से ट्यूशन एवं स्कूल जाते समय साइकिल कीचड़ में फिसल कर अनियंत्रित हो जाती है, कीचड़ एवं छिटे से कपड़े गंदे हो जाते है। जिसके चलते स्कूल समय पर नही पहुंच पाते है जिससे पढ़ाई भी प्रभावित होती है और कई बार गिरकर चोटिल भी हो चुके है। आवागमन में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अधुरे कार्य को जल्द किया जाये पूरा - संजय

राहगीर संजय बोरकर ने बताया कि एप्रोच पुल का निर्माण कार्य अधुरा किया गया है। बारिश होने के कारण जिस स्थान पर मिट्टी डाली गई है उक्त स्थान पर वाहन फंस रहे है और नदी में बाढ़ का पानी बढ़ता है तो स्थिति और भी भयानक हो सकती है। स्कूली बच्चे साइकिलों को चला नहीं पा रहे हैं, बल्कि ढकेलकर ले जाने को मजबूर हैं। श्री बोरकर ने बताया कि दिन के उजाले में जैसे-जैसे लोग निकल जाते हैं, लेकिन अंधेरे में यहां गंभीर दुर्घटना होने का अंदेशा बना रहता है। जब तक निर्माण कार्य पूरा नहीं होता, तब तक कम से कम रास्ते पर गुणवत्तापूर्ण मुरूम या गिट्टी डालकर आवागमन योग्य बनाया जाना चाहिए या फिर अधुरे कार्य को जल्द पूरा किया जाये।

बच्चों की सुरक्षा पर मंडरा रहा खतरा, जिम्मेदार मौन - रवि

समाजसेवी रवि अग्रवाल ने बताया कि तहसील कार्यालय से बोरी पहुंच मार्ग सर्राटी नदी पर बना पुल दो वर्ष पूर्व ढहकर बह गया था, जिसके बाद विधायक महोदया के प्रयास से एप्रोच पुल निर्माण की स्वीकृति मिली थी। लेकिन निर्माण कंपनी के द्वारा यह कार्य गुणवत्ताहीन के साथ ही अधुरा निर्माण किया गया है। जबकि इस मार्ग का उपयोग रोज़ाना बड़ी संख्या में स्कूली और कॉलेज पढ़ाई करने वाले ब%चें एवं ग्रामीणजन करते है। गुणवत्ताहीन व अधुरा कार्य होने से आये दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, लेकिन इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ऐसा लग रहा है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे या किसी की जान जाने का इंतजार कर रहा है? यदि शीघ्र ही ठोस कदम नहीं उठाये गये तो आक्रोशित विद्यार्थी और स्थानीय लोग पुल पर बैठकर चक्काजाम करने को मजबूर होंगे। श्री अग्रवाल ने बताया कि जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों के निरीक्षण के बावजूद कार्य की गुणवत्ता में कोई सुधार नही हुआ है, ठेकेदार द्वारा खानापूर्ति कर काम को अधुरा छोड़ दिया गया है। अगर कोई वीईपी नेताओं का दौरा होता है तो रातो-रात सड़क, पुल का निर्माण हो जाता है, लेकिन जिस मार्ग से दर्जनों ग्रामों के बच्चें एवं ग्रामीणजन आवागमन कर रहे है उस एप्रोच पुल का निर्माण कार्य नही हो पा रहा है जो समझ से परे लग रहा है।

परसवाड़ा विधायक के गनमैन सड़क दुर्घटना में घायल, जिला चिकित्सालय रिफर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा से सिवनी हाईवे मार्ग पर कंजई बंजारी माता मंदिर के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में परसवाड़ा विधायक मधु भगत के 42 वर्षीय गनमैन चरण वरकड़े गंभीर रूप से घायल हो गया है। जिसका लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है।

ट्रक ने मारी टक्कर, राहगीरों ने बचाई जान

प्राप्त जानकारी के अनुसार परसवाड़ा विधायक मधु भगत के गनमैन चरण वरकड़े 26 अगस्त की शाम अपनी मोटरसाइकिल से अकेले छिंदवाड़ा से बालाघाट की ओर आ रहे थे। इसी दौरान कंजई बंजारी माता मंदिर के आगे विपरीत दिशा (बालाघाट) की ओर से सिवनी की ओर जा रहे अज्ञात ट्रक चालक ने तेज रफ्तार व लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल को सामने से टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी ट्रक चालक मौके से ट्रक लेकर फरार हो गया। सड़क दुर्घटना घटित होने के तुरंत बाद मार्ग से गुजर रहे राहगीरों की भीड़ घटना स्थल पर एकत्र हो गई और लोगों ने तत्परता दिखाते हुए बाइक में फंसे घायल को निकाले और पुलिस को सूचना दी। वहीं घटना की जानकारी परसवाड़ा विधायक मधु भगत के बेटे सोमेल भगत को लगी तो वे भी घटना स्थल पहुंच गये। जिसके बाद राहगीरों की मदद से चरण वरकड़े को तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाकर भर्ती किया गया। इस सड़क हादसे में चरण वरकड़े के सिर, सीने और शरीर के आंतरिक हिस्सों में चोटें आई हैं। लालबर्रा अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया है।

विधायक के पुत्र पहुंचे घटना स्थल

घटना की सूचना मिलते ही परसवाड़ा विधायक मधु भगत के पुत्र सोमेल भगत भी तुरंत घटना स्थल और अस्पताल पहुंचे तथा घायल गनमैन का हाल-चाल जाना। फिलहाल पुलिस ने मामले की जानकारी लेकर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

बघोली के शिव मंदिर में गूंज रही श्री शिवमहापुराण कथा

पार्थिव शिवलिंग निर्माण और अभिषेक से धर्ममय हुआ माहौल, हवन-पूजन एवं रूद्राक्ष वितरण के साथ होगा समापन आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्रीय धार्मिक आस्था के प्रमुख केंद्र ग्राम पंचायत बघोली स्थित शिव मंदिर प्रांगण में सावन मास के पावन अवसर पर भक्ति की अनूठी गंगा बह रही है। गत 20 अगस्त से प्रारंभ हुए आठ दिवसीय संगीतमय श्री शिवमहापुराण कथा, सवालाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रूद्राभिषेक कार्यक्रम के आयोजन से समूचा क्षेत्र शिवमय हो गया है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे हैं। इस शिव महापुराण कथा कार्यक्रम में प्रतिदिन प्रात:काल कथा व्यास महंत हंसराज मिश्रा महाराज के सानिध्य में सवालाख पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण, विशेष पूजन एवं रूद्राभिषेक वैदिक मंत्रो%चार के साथ करवाया जा रहा है। जिसके बाद दोपहर 1 बजे से संगीतमय श्री शिवमहापुराण कथा का आयोजन हो रहा है। कथाव्यास महंत हंसराज मिश्रा जी द्वारा भगवान भोलेनाथ की विविध लीलाओं, महिमा एवं जीवनगाथाओं पर ओजस्वी तथा संगीतमय प्रवचन दिये जा रहे हैं। उनके सारगर्भित भजनों और भोलनाथ के महात्म्य के वर्णन से पूरा परिसर भक्ति रस में सराबोर है। वहीं क्षेत्र के श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। गत दिवस से जारी श्री शिवमहापुराण कथा के इस भव्य धार्मिक अनुष्ठान का विधिवत समापन 27 अगस्त को हवन-पूजन, महाप्रसादी वितरण एवं श्रध्दालुओं को रूद्राक्ष वितरण के साथ किया जायेगा। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि सावन मास के पावन अवसर पर गत 20 अगस्त से श्री शिवमहापुराण कथा जारी है और प्रतिदिन विविध धार्मिक कार्यक्रम संपन्न होने के साथ ही कथा व्यास हंसराज जी मिश्रा के द्वारा भगवान भोलेनाथ के जीवनगाथा एवं उनकी महत्ता पर संगीतमय प्रवचन दिया जा रहा है जिससे पुरे ग्राम में ज्ञान की गंगा बह रही है। साथ ही क्षेत्रीय श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। आगे बताया कि 27 अगस्त को हवन-पूजन, महाप्रसादी वितरण एवं रूद्राक्ष वितरण के साथ 8 दिवसीय श्री शिवमहापुराण कथा एवं पार्थिव शिवलिंग निर्माण, रूद्राभिषेक कार्यक्रम का समापन किया जायेगा। इस अवसर पर आयोजन समिति के द्वारा क्षेत्रीय धर्मप्रेमी जनता से अपील की है कि वे अंतिम दिन अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सवालाख पार्थिव पूजन, कथा श्रवण, हवन-पूजन एवं महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्यलाभ प्राप्त करें।

रजा मस्जिद में हर्षोल्लास से मनाया गया ईद-मिलादुन्नबी पर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। पैगम्बर मोहम्मद साहब के यौमे पैदाइश (जन्मदिवस) के अवसर पर मनाया जाने वाला पर्व जश्ने ईद-मिलादुन्नबी नगर एवं क्षेत्रीय ग्रामीण अंचलों में मुस्लिम समुदाय द्वारा अकीदत और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित रज़ा मस्जिद में 26 अगस्त को जश्ने ईद मिलादुन्नबी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मस्जिद से प्रात: 9.30 बजे मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा भव्य मोहम्मदी जुलूस निकाला गया। जुलूस के दौरान 'नारे तकबीर-अल्लाहू अकबर, नारे रिसालत-या रसूलल्लाह, पत्ता पत्ता फूल फूल या रसूल या रसूल और आमदे मुस्तफा मरहबा' सरकार की आमद मरहबा, मरहबा' जैसे धार्मिक नारों व सदाओं से माहौल धर्ममय बना रहा।

विभिन्न मार्गों से भ्रमण कर मस्जिद पहुंचा जुलूस

पैगम्बर मोहम्मद साहब के यौमे पैदाइश पर मनाये जाने वाले ईद-मिलादुन्नबी पर्व के अवसर पर बुधवार को प्रात: 9.30 बजे जुलूस रजा मस्जिद अमोली से प्रारंभ होकर बजरंग मंदिर, जनपद स्कूल, बस स्टैंड, मजार के पास, आमाटोला सहित नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से भ्रमण करता हुआ पुन: मस्जिद परिसर पहुंचा, जहां जुलूस का समापन किया गया। इस अवसर पर मार्ग में जगह-जगह अकीदतमंदों द्वारा जुलूस का आत्मीय स्वागत किया गया तथा मीठा शरबत, खीर एवं प्रसादी का वितरण किया गया। वहीं जुलूस पूरे नगर मुख्यालय का भ्रमण करने के बाद मस्जिद पहुंचने के पश्चात फातिया यामी और सलामे-सलामी का कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसके बाद विशाल 'लंगर-ए-आम' का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सुबह से लेकर देर रात तक मस्जिद परिसर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। रजा मस्जिद कमेटी अमोली के पदाधिकारियों ने ईद मिलादुन्नबी पर्व का महत्व बताते हुए कहा कि ईद-मिलादुन्नबी का यह पर्व पूरी दुनिया में अमन, शांति, प्रेम और आपसी भाईचारे का संदेश देता है। देश में हमेशा सौहार्द और भाईचारा बना रहे, यही इस पर्व की मुख्य भावना है। वहीं कार्यक्रम के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। पर्व के सफल आयोजन एवं सहयोग के लिए रजा मस्जिद कमेटी अमोली ने स्थानीय पुलिस प्रशासन व गणमान्य नागरिकों का आभार व्यक्त किया है। इस दौरान मस्जिद कमेटी के समस्त पदाधिकारी, समाज के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में बच्चें व मुस्लिम धर्मावलंबी उपस्थित रहे।

बाईपास से शहर तक की सड़कों को भी नव निर्माण में शामिल करें सरकार-मनोहर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। वरिष्ठ कांग्रेसी मनोहर अग्रवाल ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य में कहा कि मध्यप्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा बालाघाट-सिवनी मार्ग फोरलेन निर्माण हेतु अपनी स्वीकृति दे दी है। जिससे नागरिकों में सड़क निर्माण को लेकर आशा का संचार हुआ है लेकिन इस बाईपास परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें तीन बाईपास बनेंगे जो लालबर्रा, बरघाट एवं बोरी में बनाये जायेगें। श्री अग्रवाल ने इसी बाईपास निर्माण पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुख्य मार्ग बालाघाट से सिवनी तक निर्माण हो जायेगा किंतु जो सड़क निर्माण का पुराना हिस्सा छूटेगा उसका निर्माण कैसे होगा? तीनों ग्रामों के लोगो को मुख्य मार्ग तक पहुंचने में काफी दिक्कते होगी और यह खराब सड़क पर दुर्घटनाओं की आशंका फिर भी यथावत बनी रहेगी। श्री अग्रवाल ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि अभी सब कुछ प्राथमिक स्तर पर है, इसी स्तर पर आवश्यक संशोधन कर बाईपास से शहर को जोड़ने वाले हिस्से को भी योजना में शामिल कर बाईपास से शहर तक पहुंचने वाली सड़कों का भी नवीन निर्माण भी किया जाये अन्यथा तीनों ग्राम के लोग हमेशा परेशान होते रहेंगे।

शानो शौकत से निकला जुलूसे मोहम्मदी

हुजूर की आमद मरहबा के नारों से गुंजायमान हुआ नगर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पैगम्बरे इस्लाम सल्लाल्लाहो अलैहे वसल्लम की आमद यौमे पैदाइश का ईद उल मिलादुन्नबी का पाक और मुबारक पर्व वारासिवनी नगर में मुस्लिम समाज के द्वारा बेहद हर्षोल्लास, अदब और शानो शौकत के साथ मनाया गया। २६ अगस्त को आयोजित इस पवित्र अवसर पर पूरा नगर हुजूर की आमद मरहबा के गगनभेदी नारों और मिलाद उन नबी की रौनकों से सराबोर नजर आया। मुस्लिम कैलेंडर के अनुसार १२ रबी उल अव्वल शरीफके इस मुबारक दिन की शुरुआत अलसुबह फज्र की नमाज के बाद दुरुद ख्वानी और सुबह ९ बजे जामा मस्जिद परिसर में परचम कुशाई यानि ध्वजारोहण के साथ हुई। इसके उपरांत जामा मस्जिद में विशेष स्वागत समारोह आयोजित किया गया। जिसमें नगर के सम्मानित हाजियों, समाज के बुजुर्गों और जनप्रतिनिधियों का इस्तकबाल किया गया।

जुलूसे मोहम्मदी ने नगर में की गश्त

समारोह के पश्चात ख्वाजा गरीब नवाज मस्जिद से एक मुख्य जुलूस निकला जो जामा मस्जिद से निकलने वाले विशाल जुलूस ए मोहम्मदी में शामिल हुआ। यह मस्जिद से शुरू होकर जुलूस नहेरु चौक, जयस्तंभ चौक, बस स्टैंड, दीनदयाल चौक, बड़ी नहर और बीएसएनएल एक्सचेंज के सामने से होते हुए वार्ड क्रमांक २ स्थित मदरसे पहुंचा जहां लोगों ने गर्मजोशी से जुलूस की अगवानी की। इसके बाद जुलूस पुन दीनदयाल चौक, बस स्टैंड, जयस्तंभ चौक, नेहरू चौक, कटंगी रोड और सब्जी बाजार मार्ग से गुजरते हुए वार्ड नंबर ९,१०,११,१२ और १३ का भ्रमण करते हुए जामा मस्जिद ग्राउंड में समाप्त हुआ।

जगह.जगह पुष्पवर्षा शरबत से इस्तकबाल

जुलूस के पूरे रास्ते में नगरवासियों और मुस्लिम भाइयों के द्वारा विभिन्न चौराहों पर फूलों की पंखुडियां बरसाकर जुलूस का भव्य स्वागत किया गया। जैसे जयस्तंभ चौक, कॉलेज चौक,बीएसएनएल ऑफिस, पीडब्ल्यूडी ऑफिस और दीनदयाल चौक सहित कई प्रमुख स्थानों पर स्टॉल लगाकर जुलूस में शामिल अकीदतमंदों के लिए ठंडे शरबत,पानी,नाश्ते और खजूर का विशेष इंतजाम किया गया था।

वरिष्ठजनों और प्रशासनिक अधिकारियों का किया सम्मान

जामा मस्जिद में आयोजित स्वागत कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामयी मौजूदगी रही। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व सांसद के.डी देशमुख, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज दांदरे, संदीप मिश्रा, मोनू लिमजे, विक्रम देशमुख, समीर बिसेन सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों और समाज के हाजियों व बुजुर्गों का शॉल पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया।

पैगंबर साहब के इस आमद के मौके पर ५ दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया-इकबाल खान

जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष इकबाल खान ने जानकारी देते हुए बताया कि पैगंबर साहब के इस आमद के मौके पर जामा मस्जिद ग्राउंड में ५ दिवसीय विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। जुलूस के नगर भ्रमण के बाद जामा मस्जिद में नमाज अदा की गई जिसके उपरांत विशाल आम लंगर का वितरण किया गया। इस पांच दिवसीय आयोजन का समापन आगे बेहद भव्य और सौहार्दपूर्ण तरीके से किया जाएगा। आज से यह कार्यक्रम प्रारंभ हुआ है आगे बच्चे और महिलाओं के कार्यक्रम है ,१ सितंबर को इंटरनेशनल नाथ शकील आरफी का कार्यक्रम जलसे के रूप में रखा गया है।

पैगंबर साहब के जन्म का पर्व पूरे विश्व में धुमधाम से मनाया जाता है-प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की पैगंबर साहब के जन्म का यह पर्व पूरे विश्व में हर्षोल्लाह उसके साथ मनाया जाता है। हमारे नगर में भी हर वर्ष इस कार्यक्रम को बनाने का कार्य सामाजिक बंधुओं के द्वारा किया जा रहा है जो जमा मस्जिद प्रांगण में आयोजित किया गया है। यहां पर समाज के लोग जन्मदिन मनाने के लिए बड़ी संख्या में इकट्ठे हुए आप सभी को शुभकामनायें।

वारासिवनी की बेटी छवि बिसेन का राज्य स्तर पर शानदार प्रदर्शन

शासकीय माध्यमिक शाला कौलीवाड़ा में छात्रा व अभिभावक का हुआ सम्मान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शिक्षा नवाचार और वैज्ञानिक सोच के क्षेत्र में वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम कौलीवाड़ा की होनहार छात्रा ने पूरे बालाघाट जिले का मान पूरे प्रदेश में बढ़ाया है।

शासकीय माध्यमिक शाला कौलीवाड़ा की प्रतिभाशाली छात्रा छवि बिसेन ने राज्य स्तरीय विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी २०२५ -२६ में अपने उत्कृष्ट और नवाचारपूर्ण मॉडल के दम पर शानदार सफलता हासिल कर क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के उपरांत वापस लौटने पर विद्यालय परिसर में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन कर छात्रा छवि बिसेन एवं उनके पिता दुर्गाधन बिसेन का सम्मान किया गया। छवि बिसेन की यह सफलता उनकी निरंतर मेहनत, लगन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का सुखद परिणाम है। सर्वप्रथम छवि ने जनपद स्तर पर आयोजित प्रदर्शनी में अपना उत्कृष्ट मॉडल प्रस्तुत कर प्रथम स्थान हासिल कर ब्लॉक में सफलता के बाद उन्होंने जिला स्तरीय और तत्पश्चात संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भी अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया। तीनों कठिन चरणों को पार करने के उपरांत छवि का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ। राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन जिला नरसिंहपुर के सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय साईखेड़ा में संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में संपूर्ण मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए चुनिंदा विद्यार्थियों ने अपने अपने नवाचारपूर्ण मॉडल प्रदर्शित किए थे। इस कड़े मुकाबले के बीच शासकीय माध्यमिक शाला कौलीवाड़ा की छात्रा छवि बिसेन ने अपनी अद्भुत प्रतिभा का लोहा मनवाया। राज्य स्तर से गौरवमयी सफलता हासिल कर लौटने पर शासकीय माध्यमिक शाला कौलीवाड़ा में एक गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय परिवार एवं अतिथियों के द्वारा छात्रा छवि बिसेन तथा उनके मार्गदर्शक पिता दुर्गाधन बिसेन को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षक दुर्गा राहंगडाले, सरपंच प्रतिनिधि सुनील राणा, नेहरू गौतम, प्रभा इडपांचे सहित समस्त शाला परिवार, ग्रामीण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विधायक विवेक पटेल ने प्रदेश के लोक निर्माण विभाग के मंत्री राकेश सिंह से की मुलाकात

क्षेत्र के ग्राम कोस्त से बेनी मार्ग के चौड़ीकरण की रखी मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। क्षेत्र की जर्जर एवं टूटी सड़को के निर्माण व मरम्मत की मांग को लेकर क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल ने भोपाल निवास पहुंचकर प्रदेश में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह से मुलाकात कर वारासिवनी से ग्राम कोस्ते, मेंढ़की, डोंगरगांव, बेनी, रेंगटोला चौड़ीकरण मार्ग की मांग की। वहीं प्रदेश के केबिनेट मंत्री राकेश सिंह ने विधायक विवेक पटेल को आश्वत किया कि जनता की समस्याओं को देखते हुए इस मार्ग का निर्माण कार्य जल्द किया जाएगा ताकि क्षेत्र की

जनता को परेशानी ना हो । वहीं विधायक विवेक पटेल ने बताया कि लंबे समय से विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोस्ते, मेंढ़की, डोंगरमाली, बेनी, रेंगाटोला होते हुए जिला मुख्यालय बालाघाट पहुंचती है। यह सड़क काफी जर्जर हो चुकी है,वहीं क्षेत्र की आबादी बढ़ने के कारण इस मार्ग का चौडीकरण करना भी अत्यंत आवश्यक है। जनता की सुरक्षा को देखते इन मार्ग का निर्माण कार्य जल्द किया जाए। जनता को सुविधा और बेहतर सड़क व्यवस्था के लिए मेरा प्रयास जारी है, विधानसभा सत्र में भी मेरे द्वारा जर्जर सड़क का मुद्दा उठाया गया था। जब तक मैं विधायक हुं जनता की समस्याओं को सदन तक पहुंचाना मेरी जिम्मेदारी है। क्षेत्र में आजादी के बाद से कई ग्रामों में कच्ची सड़के है। जिससे बारिश के समय स्कूली छात्र.छात्राओं व ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। प्रदेश के केबिनेट मंत्री ने मुझे सड़क बनवाने आश्वस्त किया है।

मातृशक्ति के नेतृत्व में सेलोटपार में धूमधाम से निकाली भव्य कावड़ यात्रा

हर हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हुआ ग्राम, भक्तिमय हुआ वातावरण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सेलवटपार में बुधवार को असीम श्रद्धा, धार्मिक उत्साह और अटूट भक्ति के साथ भव्य कावड़ यात्रा का आयोजन हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस वर्ष की कावड़ यात्रा की सबसे अद्वितीय और सराहनीय बात यह रही कि पूरे कार्यक्रम का सफल संयोजन कमान और नेतृत्व गांव की मातृशक्ति यानी समस्त महिलाओं एवं बहनों के द्वारा किया गया। कावड़ यात्रा का शुभारंभ सुबह १० बजे भक्तिमय और ऊर्जावान माहौल में हुआ। यात्रा की शुरुआत गांव के आदिवासी टोला से हुई जहां सुबह से ही बड़ी संख्या में महिलायें, पुरुष, वरिष्ठजन और बच्चे एकत्रित होने लगे थे। श्रद्धालुओं ने पूर्ण विधि.विधान से कावड़ में पवित्र जल भरकर यात्रा का आगाज किया। यात्रा में सुरक्षा और उत्साह का अद्भुत मेल देखने को मिला। डीजे पर बज रहे भगवान भोलेनाथ के सुमधुर भक्ति गीतों और बोल बम व हर.हर महादेव के गगनभेदी जयकारों के साथ श्रद्धालु रास्ते भर झूमते नाचते नजर आए। यात्रा के दौरान सजाई गई भव्य और आकर्षक झांकियां पूरे गांव के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। आदिवासी टोला से प्रारंभ होकर यह यात्रा गांव के बीच टोला और मुख्य बस्ती क्षेत्र से गुजरी। पूरे भ्रमण मार्ग के दौरान जगह जगह ग्रामीणों और श्रद्धालुओं के द्वारा कावड़ यात्रियों का पुष्पवर्षा एवं जल पिलाकर स्वागत किया गया। गांव के युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने भी महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए इस पावन आयोजन में बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया और यात्रा की शोभा बढ़ाई। पूरे क्षेत्र का भ्रमण करने के पश्चात कावड़ यात्रा गांव स्थित भगवान भोलेनाथ के प्रांगण पहुंची। मंदिर प्रांगण में यात्रा का औपचारिक समापन हुआ जिसके बाद श्रद्धालुओं ने पूर्ण भक्तिभाव, नियम और निष्ठा के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक किया। श्रद्धालुओं ने महादेव से क्षेत्र की सुख समृद्धि, खुशहाली और जन कल्याण की मंगल कामना की। दिनभर चले इस आयोजन से संपूर्ण सेलवटपार ग्राम में भक्तिमय और सकारात्मक वातावरण बना रहा। जलाभिषेक के पश्चात श्रद्धालुओं ने महाप्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किया।

धार्मिक अनुष्ठान एवं कार्यक्रम कर ग्राम के लोगों को धर्म की राह पर चलने प्रेरित किया जा रहा-राही पांडे

सरपंच प्रतिनिधि राही पांडे ने बताया कि श्रावण मास के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य एवं दिव्य कावड़ यात्रा का आयोजन ग्राम में किया गया। जिसमें पहली बार मातृशक्ति को पूरे कार्यक्रम की कमान दी गई थी , जिसमें आदिवासी टोले से यह कावड़ यात्रा प्रारंभ की गई जिसने ग्राम के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण किया । जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों के द्वारा उपस्थिति दर्ज कराकर धर्म लाभ अर्जित किया गया। यह यात्रा पूरे ग्राम का भ्रमण करते हुए श्मशान घाट स्थित शिव मंदिर पहुंची जहां भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर पूजन अर्चन किया गया है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्राम में धर्ममय वातावरण निर्मित करना लोगों को गलत रास्ते पर जाने से रोकना है। इस प्रकार पूरे वर्ष भर ग्राम में धार्मिक अनुष्ठान एवं कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को धर्म पर चलने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तगण मौजूद रहे।

जवाहर नवोदय विद्यालय में १० दिवसीय राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रशिक्षण शिविर जारी, २८ अगस्त को होगा समापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में गत १८ अगस्त से १० दिवसीय राष्ट्रीय एथलेटिक्स खेल प्रतियोगिता शिविर का आयोजन सुचारू रूप से जारी है। इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में भोपाल रीजन के ५२ जिलों से चयनित कुल ८२ राष्ट्रीय स्तरीय खिलाडियों ३९ बालिकाएं एवं ४३ बालक ने हिस्सा लिया है। शिविर के दौरान खिलाडियों को एथलेटिक्स की विभिन्न ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धाओं के लिए गहन और उन्नत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण शिविर २८ अगस्त तक चलेगा। शिविर के समापन के पश्चात सभी प्रतिभागी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए गुजरात स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय सापुतारा जिला डांग अहमदाबाद रीजन के लिए रवाना होंगे जहां १ से ४ सितंबर तक राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। शिविर में खिलाड़ियों के शारीरिक सहनशक्ति और तकनीकी कौशल को सुधारने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रतिदिन सुबह और शाम नवोदय विद्यालय के खेल मैदान में

प्रशिक्षित शारीरिक शिक्षकों के द्वारा खिलाड़ियों को ट्रैक और फील्ड की बारीकियां सिखाई जा रही हैं। यह धीरेन्द्र पटेल उमरिया, रवि पाण्डेय सीधी ,अजवीर सिंह धार, संगीता पटवा अशोकनगर इन चारों प्रशिक्षकों की देखरेख में खिलाड़ी अपनी अपनी स्पर्धाओं का निरंतर अभ्यास कर रहे हैं। शिविर के दौरान एथलीट अपने खेल कौशल को निखारने के लिए जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं। प्रशिक्षण के उपरांत दल के प्रभारी रणवीर सिंह एवं संजीत कुमार बनिक सभी प्रतिभागी बच्चों को लेकर अहमदाबाद रीजन के लिए रवाना होंगे। विद्यालय प्रशासन और प्रशिक्षकों को पूरी उम्मीद है कि भोपाल रीजन के ये सभी होनहार खिलाड़ी गुजरात में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन करेंगे और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। प्रशिक्षक धीरेन्द्र पटेल ने बताया की जवाहर नवोदय विद्यालय में भोपाल रीजन के खिलाडियों के लिए शिविर आयोजित किया गया है जिसमें सभी प्रकार के खेलों की जानकारी देकर प्रैक्टिस करवाई जा रही है। इसमें ५२ जिलों के खिलाड़ी शामिल है जो अहमदाबाद रीजन के जवाहर नवोदय विद्यालय सापुतारा में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

कुम्हली में किसान गर्जना की बैठक संपन्न,जिम्मेदारी का हुआ वितरण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम कुम्हली में किसान गर्जना संगठन की बैठक आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से संगठन की ग्राम इकाई का गठन किया गया। इस बैठक का आयोजन जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे, ब्लॉक प्रभारी डेविड सेलोकर और ब्लॉक उपाध्यक्ष अजाब सिंह कृरपगये की विशेष उपस्थिति में की गयी। बैठक में क्षेत्र के किसानों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं की आवाज उठाने का संकल्प लिया गया। संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए ग्राम स्तरीय कार्यकारिणी का गठन कर पदाधिकारियों व सदस्यों की जिम्मेदारियां तय की गईं। जिसमें अध्यक्ष नानाजी माहुले ,प्रभारी डुलिसिंह मन्द्रेले, उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण तेलोकर, कुसनाजी माहुले ,सहदेव माहुले ,सचिव महेन्द्र माहुले ,सहसचिव जितेन्द्र माहुले ,कोषाध्यक्ष दिनिराम धुवारे ,कार्यकारिणी सदस्य भरतलाल बघेले ,पवन पंडेले ,अभिमन्यु चन्ने, निलु दमाहे और पोतनसाव धुवारे को संगठन का सदस्य नियुक्त कर

जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक के अंत में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने एकजुट होकर किसानों के हक के लिए संघर्ष करने तथा किसान गर्जना संगठन की नीतियों को जन जन तक पहुँचाने का निर्णय लिया।

सरकारी स्कूल सोशल मीडिया के लिए मंच नहीं हैं

आजकल सरकारी स्कूलों के प्रति लोगों का नज़रिया एक चलन बनता जा रहा है, और यह अच्छा नहीं है। फ़ोन, कैमरा और कैमरा-युक्त स्मार्टफोन होते ही लगभग कोई भी सरकारी स्कूल में जाकर शिक्षकों से सवाल पूछ सकता है, कक्षाओं की तस्वीरें खींच सकता है और कुछ ही मिनटों में पूरी शिक्षा व्यवस्था के बारे में अपनी राय बना सकता है। कभी-कभी, यह इरादा नेक होता है। नागरिकों को शिक्षा की गुणवत्ता, सार्वजनिक संस्थानों के कामकाज और बच्चों के भविष्य के बारे में चिंतित होने का पूरा अधिकार है। इसका मतलब यह है कि एक सीधा-सा सवाल अक्सर उठाया जाता है, लेकिन उस पर शायद ही कभी ध्यान दिया जाता है- निरीक्षण को लेकर यह उत्साह अक्सर सरकारी स्कूलों तक ही सीमित क्यों रहता है? कितनी बार स्वघोषित निरीक्षक बड़ी मुश्किल से और घड़ी की चुभती निगाहों से देखते हुए कुलीन निजी स्कूलों में घुसते हैं और वहाँ की फीस, बुनियादी ढाँचे, प्रवेश नीतियों, शिक्षकों के कार्यभार, परिवहन या अन्य किसी भी चीज़ के बारे में और भी अटपटे सवालों का सामना करते हैं? लोग महंगे निजी स्कूलों के गेट पर कैमरा लेकर घुस जाते हैं और शिक्षकों से सवाल पूछने लगते हैं। जवाब स्पष्ट है। हर निजी स्कूल की अपनी विशिष्ट प्रवेश प्रक्रिया, सुरक्षा, प्रशासन और फोटोग्राफी/रिकॉर्डिंग की सीमाएँ होती हैं। बिना अनुमति के किसी को भी कक्षाओं में घूमने की अनुमति नहीं दी जाएगी। दूसरी ओर, सरकारी स्कूलों में अक्सर खुला और सुलभ वातावरण होता है। वे समाज के कमजोर वर्गों और निम्न आर्थिक स्तर के बच्चों का पालन-पोषण करते हैं। वे खुले तो हैं, लेकिन नियमों से मुक्त नहीं हैं। हर पहुँच का मतलब पूर्ण अधिकार नहीं होता। सरकारी विद्यालयों के शिक्षक सरकार, विद्यालय प्रशासन, अभिभावकों, छात्रों और कानून के प्रति उत्तरदायी होते हैं। उन्हें उचित संस्थागत माध्यमों से अपने पेशेवर कर्तव्यों के संबंध में पूछताछ का अधिकार और दायित्व दोनों है। हालांकि, उचित निरीक्षण और अनौपचारिक निगरानी में स्पष्ट अंतर होता है। अधिकृत निरीक्षण प्रशासन के निर्धारित ढांचे के भीतर होता है। इसके लिए प्रक्रियाएं, रिकॉर्ड, जिम्मेदारियां और जवाबदेही आवश्यक हैं। किसी परिसर में मोबाइल फोन रखना और बिना अनुमति के शिक्षकों की रिकॉर्डिंग करना दिखावा हो सकता है, लेकिन दिखावा निरीक्षण नहीं है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि शैक्षणिक संस्थानों में पारदर्शिता और गरिमा की आवश्यकता है। यहां एक और बड़ा सवाल उठता है- शिक्षकों की गरिमा। शिक्षक कक्षाओं में बैठे सरकारी अधिकारी नहीं होते। वे विशेषज्ञ होते हैं जो बच्चों के बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास के लिए जिम्मेदार होते हैं। ऐसी प्रक्रियाएं होनी चाहिए जिनसे यह पता चल सके कि कोई शिक्षक अपने कर्तव्य में विफल हो रहा है, इसकी जांच की जाए और यदि शिक्षक वास्तव में विफल हो रहा है तो सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। हालांकि, आपको यह ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षकों को सार्वजनिक रूप से अपमानित करना, बिना अनुमति के उनकी रिकॉर्डिंग करना या सोशल मीडिया पर चुनिंदा वीडियो पोस्ट करना यह जरूरी नहीं दर्शाता कि इससे शिक्षा का स्तर बेहतर हो रहा है। इसके विपरीत, इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। यदि हर बातचीत सोशल मीडिया पर वायरल होने की संभावना बन जाए, तो शिक्षक छात्रों के साथ स्वाभाविक रूप से बातचीत करने की बजाय उनके द्वारा रिकॉर्ड किए जाने को लेकर अधिक चिंतित हो सकते हैं।

दुनियाँ में स्वास्थ्य क्रांति का नया अध्याय-महाराष्ट्र मॉडल

बीमारी से जंग अकेले नहीं-सरकार, अस्पताल और एनजीओस की साझेदारी -भारत के सभी राज्यों व पूरी दुनियाँ को अपनाने की जरूरत

वैश्विक स्तरपर इक्कीसवीं सदी में चिकित्सा विज्ञान ने ऐसी ऊँचाइयाँ हासिल कर ली हैं,जिनकी कल्पना कुछ दशक पहले तक असंभव मानी जाती थी। जटिल सर्जरी,अत्याधुनिक कैंसर उपचार, अंगप्रत्यारोपण रोबोटिक तकनीक और जीवनरक्षक दवाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन को नई उम्मीद दी है।लेकिन इसवैज्ञानिक उपलब्धि के समानांतर एक गंभीर मानवीय प्रश्न आज भी पूरी दुनियाँ के सामने खड़ा है,क्या इलाज उपलब्ध होने मात्र से स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित हो जाती है? यदि किसी गरीब परिवार को अस्पताल में उपचार तो मिल जाए, लेकिन इलाज के दौरान रहने, भोजन, परिवहन, कागजी प्रक्रिया और देखभाल के खर्च के कारण वह कर्ज में डूब जाए,तो क्या इसे पूर्ण स्वास्थ्य न्याय कहा जा सकता है? यही वह बिंदु है जहां दिनांक 23 अगस्त 2026 को महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर प्रस्तावित सरकार,धर्मादाय/निजी अस्पतालों और स्वयंसेवी संस्थाओं के बीच त्रिपक्षीय सामंजस्य करार का विचार महत्वपूर्ण हो जाता है।यह पहल केवल चिकित्सा खर्च को कम करने की अवधारणा नहीं है,बल्कि मरीज के साथ आने वाले परिवार की सामाजिक, आर्थिक और मानवीय सुरक्षा को स्वास्थ्य व्यवस्था का हिस्सा मानने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सोच प्रस्तुत करती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस मॉडल को भारत के हर राज्य केंद्र शासित प्रदेश ही नहीं दुनिया के हर देश ने अपनाना चाहिए क्योंकि विश्व स्तरपर स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाला निजी खर्च है।गरीब और निम्न-मध्यम आय वाले परिवारों के लिए गंभीर बीमारी केवल चिकित्सकीय संकट नहीं होती; वह आर्थिक संकट भी बन जाती है। किसी मरीज को कैंसर,हृदय रोग, किडनी की गंभीर बीमारी या किसी जटिल सर्जरी के लिए महानगर में जाना पड़े, तोअस्पताल का बिल केवल समस्या का एक हिस्सा होता है।परिवार को कई सप्ताह या महीनों तक किराये का कमरा, भोजन, स्थानीय परिवहन, जांचों के लिए आवाजाही और अन्य आवश्यकताओं पर खर्च करना पड़ सकता है। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले परिवारों के लिए यह बोझ और भी गंभीर हो जाता है। अनेक मामलों में मरीज के इलाज की व्यवस्था किसी सरकारी योजना या अस्पताल की रियायत से हो जाती है, लेकिन तीमारदारों की बुनियादी जरूरतें अनदेखी रह जाती हैं। यही वह खाली स्थान है जिसे महाराष्ट्र का त्रिपक्षीय मॉडल भरने की सटीकता से कोशिश करता है। साथियों बात अगर हम इस मॉडल को समझने की करें तो इस मॉडल की मूल शक्ति इसकी त्रिपक्षीय संरचना में है। पहला स्तंभ राज्य सरकार है, जो नीति, वित्तीय सहायता, डिजिटल सत्यापन, निगरानी और जवाबदेही का ढांचा तैयार करती है।मुख्यमंत्री वैद्यकीय सहाय्यता कक्ष जैसे तंत्र का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को सरकारी चिकित्सा सहायता तक पहुंचाने में मदद करना है।दूसरा स्तंभ धर्मादाय अथवा निजी अस्पताल हैं,जिनके पास विशेषज्ञ चिकित्सक, आधुनिक उपकरण, ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू और जटिल उपचार की क्षमता उपलब्ध है। तीसरा और सबसे मानवीय स्तंभ स्वयंसेवी संस्थाएं तथा चैरिटेबल संगठन (एनजीओस) हैं, जो मरीज और उसके परिवार को अस्पताल के बाहर की उन जरूरतों से जोड़ सकते हैं जिन्हें पारंपरिक स्वास्थ्य व्यवस्था अक्सर नजरअंदाज कर देती है। इस प्रकार सरकार की नीति, अस्पताल की चिकित्सा क्षमता और नागरिक समाज की मानवीय संवेदना एक साझा व्यवस्था में जुड़ती है। साथियों, इस मॉडल का सबसे महत्वपूर्ण नवाचार यह है कि स्वास्थ्य सेवा को केवल अस्पताल के भीतर होने वाली चिकित्सा प्रक्रिया नहीं माना जाता।किसी गरीब परिवार के लिए अस्पताल तक पहुंचना ही एक चुनौती हो सकता है। महानगर में पहुंचने के बाद सही विभाग ढूंढना, डॉक्टर तक पहुंचना,सरकारी सहायता के दस्तावेज तैयार करना,जांचों की तारीख समझना,दवाओं की व्यवस्था करना और रहने-खाने की समस्या से निपटना अलग- अलग कठिनाइयां हैं। यदि एक पंजीकृत और जवाबदेह एनजीओस मरीज के परिवार के लिए हेल्थ नेविगेटर की भूमिका निभाए,तो वह परिवार को व्यवस्था के भीतर रास्ता दिखा सकता है। इस व्यवस्था में विश्राम गृह, कम लागत या मुफ्त भोजन, स्थानीय परिवहन संबंधी सहायता, दस्तावेजी मार्गदर्शन और मानसिक संबल जैसी सेवाएं शामिल की जा सकती हैं। इससे उपचार की वास्तविक पहुंच केवल कागज पर नहीं, बल्कि जमीन पर मजबूत हो सकती है। साथियों इसे एक उदाहरण के रूप में ऐसा समझा जा सकता है कि कल्पना कीजिए कि महाराष्ट्र के किसी दूरस्थ गांव का एक गरीब परिवार अपने आठ वर्षीय बच्चे को लेकर मुंबई या पुणे के किसी बड़े अस्पताल पहुंचता है। बच्चे को गंभीर हृदय रोग है और लंबे उपचार की आवश्यकता है।पारंपरिक व्यवस्था में परिवार को इलाज की आर्थिक चिंता के साथ महानगर में रहने का संकट भी झेलना पड़ सकता है।लेकिन यदि एक प्रभावी त्रिपक्षीय प्रणाली पहले से सक्रिय हो,तो मरीज का सरकारी सहायता के लिए डिजिटल सत्यापन, अस्पताल में उपचार की उपलब्धता और परिवार के लिए सुरक्षित आवास एवं भोजन एक समन्वित प्रक्रिया का हिस्सा बन सकते हैं। इससे परिवार को अलग-अलग संस्थाओं के चक्कर लगाने के बजाय एकीकृत सहायता मिल सकती है। इस उदाहरण का सबसे बड़ा संदेश यह है कि स्वास्थ्य सुरक्षा का अर्थ केवल मरीज को ऑपरेशन टेबल तक पहुंचाना नहीं, बल्कि उसे उपचार की पूरी यात्रा सुरक्षित और गरिमापूर्ण तरीके से पूरी करने में सटिका से सक्षम बनाना है। साथियों, इस मॉडल का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम धर्मादाय अस्पतालों और सामाजिक संसाधनों का बेहतर उपयोग है।भारत के अनेक हिस्सों में ऐसे अस्पताल और ट्रस्ट मौजूद हैं जिन्हें सार्वजनिक हित, धर्मादाय गतिविधियों या रियायती सरकारी सुविधाओं के आधार पर सामाजिक दायित्व निभाने होते हैं। यदि गरीब मरीजों के लिएनिर्धारित सेवाओं की पारदर्शी निगरानी हो, डिजिटल रिकॉर्ड बनाए जाएं और पंजीकृत एनजीओस को सामाजिक ऑडिट तथा सहायता व्यवस्था में जिम्मेदार भूमिका दी जाए, तो उपलब्ध चिकित्सा संसाधनों का उपयोग अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।इसका अर्थ केवल अधिक मुफ्त बेड उपलब्ध कराना नहीं है;इसका अर्थ है कि जिस सामाजिक दायित्व के लिए संस्थागत सुविधाएं विकसित हुई हैं, उसका वास्तविक लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचे। साथियों तीसरा महत्वपूर्ण क्षेत्र बिचौलियों औरअनधिकृत दलालों की भूमिका को कम करना है।बड़े अस्पतालों के आसपास आने वाले ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर मरीज अक्सर जानकारी की कमी के कारण गलत लोगों के संपर्क में आ जाते हैं। उन्हें महंगी एम्बुलेंस,अनावश्यक जांच,संदिग्ध दवाओं अथवा गैरजरूरी सेवाओं के लिए भुगतान करना पड़ सकता है। यदि सरकारी सहायता, अस्पताल की सेवाएं और पंजीकृत एनजीओस की सहायता एक पारदर्शी डिजिटल प्रणाली से जुड़ी हों,तो मरीज के पास आधिकारिक जानकारी का विश्वसनीय स्रोत उपलब्ध होगा। इससे अनौपचारिक दलाली की गुंजाइश कम की जा सकती है। हालांकि यह तभी संभव होगा जब एनजीओस का चयन, वित्तीय पारदर्शिता शिकायत निवारण और स्वतंत्र ऑडिट भी उतनी ही मजबूती से लागू किए जाएं। साथियों, राष्ट्रीय स्तर पर इस मॉडल की उपयोगिता और भी व्यापक हो सकती है।भारत में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जैसी योजनाओं ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए अस्पताल उपचार की वित्तीय सुरक्षा को मजबूत किया है।लेकिन चिकित्सा बीमा या सरकारी उपचार सहायता और परिवार की गैर- चिकित्सकीय जरूरतें दो अलग -अलग प्रश्न हैं। इसलिए भविष्य की स्वास्थ्य नीति में उपचार खर्च के साथ पेशेंट एंड अटेंडेंट सपोर्ट सिस्टम को भी जोड़ा जा सकता है।उत्तर प्रदेश, बिहार,मध्य प्रदेश, राजस्थान,गुजरात,तमिलनाडु और अन्य राज्यों में यदि प्रमुख सरकारी,निजी और धर्मादाय अस्पतालों के साथ स्थानीय एनजीओस का सुव्यवस्थित नेटवर्क तैयार किया जाए, तो बड़े महानगरों की ओर होने वाले अनावश्यक मरीज पलायन को कम किया जा सकता है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध विशेषज्ञता का बेहतर उपयोग होगा और मरीजों को अपने राज्य में ही अधिक गरिमापूर्ण उपचार मिल सकेगा।

साथियो यह मॉडल महानगरीय स्वास्थ्य संस्थानों पर दबाव कम करने की दिशा में भी उपयोगी हो सकता है। भारत में कुछ राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों पर अत्यधिक मरीज भार रहता है। यदि राज्यों में क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, कार्डियक संस्थान,मेडिकल कॉलेज और सक्षम धर्मादाय अस्पतालों को एकीकृत रेफरल नेटवर्क से जोड़ा जाए तथा मरीजों और तीमारदारों के लिए सहायता केंद्र विकसित किए जाएं, तो स्वास्थ्य सेवाओं का विकेंद्रीकरण संभव है। इससे मरीजों को केवल इसलिए हजारों किलोमीटर दूर नहीं जाना पड़ेगा क्योंकि उनके स्थानीय स्वास्थ्य तंत्र में जानकारी और समन्वय की कमी है। साथियों, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस अवधारणा की संभावनाएं महत्वपूर्ण हैं।अमेरिका जैसी बीमा-प्रधान स्वास्थ्य व्यवस्था हो अथवा यूरोप की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियां,गंभीर बीमारी की स्थिति में मरीज के परिवार पर अप्रत्यक्ष आर्थिक और सामाजिक दबाव कहीं न कहीं मौजूद रहता है।विकसित देशों में भी कैंसर उपचार के दौरान परिवार के सदस्य को नौकरी से छुट्टी लेनी पड़ सकती है, परिवहन और आवास की समस्या हो सकती है तथा दीर्घकालिक देखभाल के कारण मानसिक तनाव बढ़ सकता है। विकासशील देशों में यह संकट और अधिक गहरा है, जहां स्वास्थ्य खर्च के साथ परिवहन, भोजन और आवास की लागत परिवार को गरीबी की ओर धकेल सकती है।इसलिए सरकार, चिकित्सा संस्थान और नागरिक समाज के बीच औपचारिक साझेदारी की अवधारणा वैश्विक स्वास्थ्य नीति में उपयोगी सिद्ध हो सकती है। साथियों,संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य-3 काव्यापक उद्देश्य सभी के लिए स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देना है।इस लक्ष्य की वास्तविक सफलता केवल अस्पतालों की संख्या या डॉक्टरों की उपलब्धता से नहीं मापी जा सकती।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

विकसित भारत की राह में जर्जर शिक्षा व्यवस्था सबसे बड़ा सवाल

भारत आज वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लेकर आगे ब? रहा है। एक शिक्षक, टूटती दीवारें और घटते सरकारी स्कूल-क्या शिक्षा के बिना 2047 का सपना पूरा होगा? दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में देश की प्रगति, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष उपलब्धियां, आधारभूत ढांचे का विस्तार और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव निश्चित रूप से गौरव का विषय हैं। लेकिन इसी चमकदार तस्वीर के पीछे यदि हम सरकारी स्कूलों की ओर देखें तो एक दूसरा भारत दिखाई देता है-ऐसा भारत जहां हजारों बच्चे आज भी पर्याप्त शिक्षकों, सुरक्षित भवन, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बिजली और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सवाल यह है कि जिस शिक्षा-व्यवस्था पर विकसित भारत की नींव रखी जानी है, उसकी बुनियाद ही कमजोर होगी तो 2047 का भारत कितना मजबूत होगा? सरकारी आंक? इस चिंता को और गंभीर बनाते हैं। यूडीआईएसई प्लस 2024-25 के अनुसार देश में 1,04,125 स्कूल ऐसे हैं जहां केवल एक शिक्षक कार्यरत है और इन स्कूलों में करीब 33.77 लाख विद्यार्थी पढ़ते हैं। यानी एक शिक्षक को कई कक्षाओं, अनेक विषयों और प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच बच्चों की शिक्षा संभालनी पढ़ रही है। यह केवल संख्या नहीं, बल्कि उन लाखों बच्चों के भविष्य की कहानी है, जिनके लिए सरकारी स्कूल शिक्षा का सबसे सुलभ और कई बार एकमात्र माध्यम हैं। विडंबना यह है कि उसी देश में हम विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी, आईआईएम, मेडिकल संस्थानों और अत्याधुनिक शिक्षण परिसरों की चर्चा करते हैं, लेकिन गांव के उस बच्चे की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं देते जो टूटी छत के नीचे बैठकर भविष्य के सपने देख रहा है। कहीं शिक्षक एक है और कक्षाएं पांच। कहीं विद्यालय भवन जर्जर है, कहीं पानी नहीं, कहीं शौचालय नहीं, कहीं बिजली और पंखे नहीं। हाल के महीनों में उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों में विद्यार्थियों को अधिक शिक्षक, बेहतर भोजन, पेयजल, पंखे और बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर सड़कों पर उतरना पड़ा। फतेहपुर में तो लगभग एक हजार विद्यार्थियों ने जर्जर कक्षाओं, रिसती छतों और सुरक्षित पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए प्रदर्शन किया। यह स्थिति केवल किसी एक राज्य अथवा किसी एक सरकार की विफलता नहीं है। यह वर्षों से चली आ रही उस प्रशासनिक सोच का परिणाम है जिसमें शिक्षा को प्राथमिकता तो भाषणों में दी गई, लेकिन उसकी गुणवत्ता और जवाबदेही को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में स्थान नहीं मिला। शिक्षा विभागों में अधिकारियों और कर्मचारियों की बड़ी व्यवस्था है, बजट है, योजनाएं हैं, समितियां हैं, निरीक्षण तंत्र है-फिर भी एक शिक्षक वाले एक लाख से अधिक स्कूल कैसे बने रहे? यह सवाल केवल सरकार से नहीं, पूरे प्रशासनिक तंत्र से पूछा जाना चाहिए। निश्चित रूप से तस्वीर पूरी तरह निराशाजनक भी नहीं है। यूडीआईएसई प्लस के अनुसार 2024-25 में देश में कुल 14.71 लाख स्कूल, करीब 24.69 करो? विद्यार्थी और एक करो? से अधिक शिक्षक हैं। सरकारी स्कूलों की संख्या 10.13 लाख है, जबकि निजी मान्यता प्राप्त स्कूल करीब 3.40 लाख हैं। सरकार के आंक? यह भी बताते हैं कि एकल-शिक्षक स्कूलों की संख्या 2023-24 के 1,10,971 से घटकर 2024-25 में 1,04,125 हुई है और कंप्यूटर सुविधा वाले स्कूलों का अनुपात 57.2 प्रतिशत से ब ?कर 64.7 प्रतिशत हुआ है। इन सुधारों को स्वीकार करना चाहिए, लेकिन इन्हें अंतिम उपलब्धि मान लेना आत्मसंतोष होगा। क्योंकि शिक्षा की असली कसौटी भवन, कंप्यूटर या आंकड़े नहीं, बच्चे की सीखने की क्षमता और उसके भविष्य का निर्माण है।

नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट एक और महत्वपूर्ण तस्वीर सामने रखती है। 2014-15 में देश में 11.07 लाख सरकारी स्कूल थे, जो 2024-25 में घटकर 10.13 लाख रह गए। इसके विपरीत निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों की संख्या 2.88 लाख से बढ़कर 3.39 लाख हो गई। यह परिवर्तन केवल स्कूलों की संख्या का उतार-चढ़ाव नहीं है, यह अभिभावकों की बदलती पसंद और सरकारी शिक्षा में घटते विश्वास का संकेत भी है। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि जब सरकार के पास भवन है, जमीन है, प्रशिक्षित शिक्षक हैं, वेतन देने की क्षमता है और विशाल प्रशासनिक तंत्र है, तब सरकारी स्कूल निजी स्कूलों से पीछे क्यों हैं? निजी स्कूलों की आलोचना करना आसान है, लेकिन यह भी देखना होगा कि अभिभावक अपनी सीमित आय में फीस देकर भी निजी स्कूल क्यों चुन रहे हैं। इसका उत्तर सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता, अनुशासन, नियमितता, अंग्रेजी एवं तकनीकी शिक्षा, अभिभावक संवाद और सीखने के वातावरण में छिपा है। एसीईआर के आंकड़े भी इस अंतर को रेखांकित करते हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 2024 में कक्षा 3 के बच्चों में कक्षा 2 स्तर का पाठ पढ़ पाने वालों का अनुपात सरकारी स्कूलों में 23.4 प्रतिशत था, जबकि निजी स्कूलों में 35.5 प्रतिशत। कक्षा 5 में भी सरकारी स्कूलों का आंक ?ा 44.8 प्रतिशत और निजी स्कूलों का 59.3 प्रतिशत रहा। यानी समस्या केवल स्कूल भवन की नहीं, सीखने के परिणामों की भी है। इसी के समानांतर उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तस्वीर भी चिंता पैदा करती है। पेपर लीक, परीक्षा में अनियमितता, भर्ती में देरी और युवाओं के आंदोलनों की खबरें लगातार सामने आती रही हैं। 2026 में परीक्षा संबंधी विवादों ने विद्यार्थियों और अभ्यर्थियों में असंतोष को व्यापक बनाया। इसका अर्थ यह है कि समस्या शिक्षा-व्यवस्था के निचले स्तर से लेकर उच्च स्तर तक फैली हुई है। प्राथमिक स्कूल में कमजोर नींव, माध्यमिक शिक्षा में गुणवत्ता का संकट और उच्च शिक्षा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता का सवाल-इन सबको अलग-अलग देखकर समाधान नहीं निकलेगा। सरकारी स्कूल वास्तव में भारत की सामाजिक समानता का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इन स्कूलों में ग्रामीण परिवारों, श्रमिकों, गरीबों, वंचित वर्गों और निम्न आय वाले परिवारों के बच्चे बड़ी संख्या में पढ़ते हैं। यदि इन विद्यालयों की गुणवत्ता गिरती है तो सबसे अधिक नुकसान उसी वर्ग को होता है जिसके पास महंगे निजी स्कूलों का विकल्प नहीं है। इसलिए सरकारी स्कूलों की बदहाली केवल शिक्षा का संकट नहीं, सामाजिक न्याय का संकट भी है। यहां एक कठोर लेकिन सार्थक सुझाव पर विचार होना चाहिए-क्या जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के बच्चों के लिए कुछ निश्चित परिस्थितियों में सरकारी स्कूलों में शिक्षा को प्रोत्साहित अथवा अनिवार्य करने जैसी व्यवस्था बनाई जा सकती है? जब नीति बनाने वाले परिवार स्वयं उसी व्यवस्था का अनुभव करेंगे, तब शायद स्कूल की टूटी खिड़की, बंद शौचालय, शिक्षक की कमी और खराब मिड-डे-मील केवल फाइल की टिप्पणी नहीं रहेंगे, बल्कि व्यक्तिगत अनुभव बन जाएंगे। शिक्षा को केवल मध्याह्न भोजन, छात्रवृत्ति, यूनिफॉर्म या मुफ्त पुस्तकों की योजनाओं तक सीमित नहीं किया जा सकता। ये आवश्यक हैं, लेकिन शिक्षा का उद्देश्य केवल बच्चे को स्कूल तक पहुंचाना नहीं, उसे ज्ञान, विवेक, कौशल, संस्कार और आत्मविश्वास से संपन्न नागरिक बनाना है। जिस बच्चे को आज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिलेगी, उससे कल विकसित भारत के निर्माण में प्रभावी योगदान की अपेक्षा कैसे की जा सकती है?

सरकार को अब घोषणाओं से आगे बढ़कर 'राष्ट्रीय सरकारी स्कूल कायाकल्प मिशन' जैसी व्यापक पहल पर विचार करना चाहिए। प्रत्येक स्कूल के लिए शिक्षक उपलब्धता, भवन की सुरक्षा, पेयजल, बिजली, डिजिटल सुविधा, शौचालय, पुस्तकालय, खेल मैदान और सीखने के परिणामों के स्पष्ट मानक तय हों। हर स्कूल का सार्वजनिक डैशबोर्ड हो और हर वर्ष यह बताया जाए कि कितने बच्चे पढ़ना, लिखना और गणित करना सीख पाए। शिक्षक नियुक्ति में पारदर्शिता हो और राजनीतिक हस्तक्षेप पर कठोर अंकुश लगे। स्कूल प्रबंधन समितियों को वास्तविक अधिकार दिए जाएं तथा जिला स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय हो। सबसे जरूरी है कि शिक्षा को राजनीति से ऊपर उठाया जाए। सरकार और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि सरकारी स्कूल किसी पार्टी के नहीं, भारत के भविष्य के स्कूल हैं। यदि किसी राजनीतिक दल को स्कूलों की बदहाली दिखाई देती है तो उसका स्वागत होना चाहिए, लेकिन मुद्दा राजनीतिक श्रेय का नहीं, बच्चों के भविष्य का होना चाहिए।

-ललित गर्ग

क्यों नहीं पढ़ रहे हैं? रुचि नहीं या हालात ने रोक दी राह, 8.7 करोड़ युवाओं की कहानी में छिपे हैं कई सवाल

-कांतिलाल मांडोत

भारत दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। ऐसे में युवाओं की शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास केवल सामाजिक मुद्दा नहीं, बल्कि देश के आर्थिक भविष्य से जुड़ा सवाल है। नीति आयोग की नई रिपोर्ट 'रीइमैजिनिंग स्किलिंग फॉर विकसित भारत @2047' में सामने आया आंकड़ा इसी चिंता को गहरा करता है। रिपोर्ट के मुताबिक 15 से 29 वर्ष की उम्र के करीब 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न नौकरी में हैं और न ही किसी तरह की ट्रेनिंग ले रहे हैं। यह संख्या रिपोर्ट में शामिल कुल आबादी का करीब 11 प्रतिशत है। हालांकि इसमें नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को शामिल नहीं किया गया है। इस आंकड़े को केवल बेरोजगारी के नजरिए से देखना आसान है, लेकिन इसके पीछे की वास्तविकता कहीं अधिक जटिल है। सवाल यह नहीं है कि 8.7 करोड़ युवा पढ़ाई क्यों नहीं कर रहे या नौकरी से क्यों दूर हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या वे पढ़ना ही नहीं चाहते, या उनके सामने ऐसी परिस्थितियां हैं जिनके कारण पढ़ाई जारी रखना संभव नहीं है? क्या परिवार उन्हें शिक्षा दिलाने में रुचि नहीं रखते, या आर्थिक और सामाजिक मजबूरियां उन्हें कम उम्र में ही दूसरी जिम्मेदारियों की ओर धकेल देती हैं? इन सवालों का जवाब खोजे बिना भारत के कौशल विकास और विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करना मुश्किल होगा। रिपोर्ट के मुताबिक इस समूह के करीब 88 प्रतिशत लोग घरेलू कामों में लगे हैं। इसका अर्थ यह नहीं लगाया जा सकता कि ये युवा कोई काम नहीं कर रहे। खासकर घरों में जिम्मेदारियां निभाने वाले युवाओं का श्रम अक्सर औपचारिक अर्थव्यवस्था के आंकड़ों में दिखाई नहीं देता। खाना बनाना, छोटे भाई-बहनों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा, घर के दूसरे काम और परिवार की जिम्मेदारियां निभाना भी काम है, लेकिन इसके बदले उन्हें न वेतन मिलता है और न ही रोजगार का अनुभव प्रमाणित होता है। यही कारण है कि ऐसे युवाओं की स्थिति को केवल 'काम नहीं करने वाले' वर्ग के रूप में देखना वास्तविकता को अधूरा समझना होगा। इस तस्वीर में महिलाओं की स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। घरेलू जिम्मेदारियां, सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन की कमी, रोजगार के अवसरों तक सीमित पहुंच और सामाजिक अपेक्षाएं युवतियों की शिक्षा तथा रोजगार के रास्ते में बड़ी बाधाएं बन सकती हैं। कई परिवारों में लड़कों की पढ़ाई को भविष्य में कमाई से जोड़कर देखा जाता है, जबकि लड़कियों से घरेलू जिम्मेदारियां संभालने की अपेक्षा की जाती है। परिणाम यह होता है कि पढ़ाई बीच में छूट जाती है और कौशल प्रशिक्षण का अवसर भी नहीं मिल पाता। लेकिन समस्या केवल लड़कियों तक सीमित नहीं है। गरीब और निम्न आय वाले परिवारों में लड़कों के सामने भी पढ़ाई छोड़कर कमाने की मजबूरी हो सकती है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर हो तो किशोर या युवा से उम्मीद की जाती है कि वह दुकान, कारखाने, खेत, निर्माण स्थल या किसी छोटे व्यवसाय में हाथ बंटाए। ऐसे में पढ़ाई परिवार के लिए तत्काल जरूरत के सामने पीछे चली जाती है। परिवार यह सोच सकता है कि आज की कमाई ज्यादा जरूरी है, जबकि शिक्षा का लाभ कई साल बाद मिलेगा। यही सोच अनेक युवाओं को औपचारिक शिक्षा से दूर कर देती है। यह भी मानना गलत होगा कि हर युवा पढ़ाई से इसलिए दूर है क्योंकि उसकी पढ़ाई में रुचि नहीं है। शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी परेशानियां भी इसके पीछे हो सकती हैं। किसी विद्यार्थी को विषय कठिन लग सकता है, स्कूल या कॉलेज की दूरी अधिक हो सकती है, पढ़ाई का खर्च परिवार की क्षमता से बाहर हो सकता है या उसे पढ़ाई के बाद रोजगार मिलने का भरोसा न हो। यदि किसी युवा को यह दिखाई देता है कि उसके आसपास पढ़े-लिखे लोग भी नौकरी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तो उसके मन में शिक्षा की उपयोगिता को लेकर सवाल पैदा होना स्वाभाविक है। माता-पिता की भूमिका भी यहां निर्णायक है। कई परिवार शिक्षा का महत्व समझते हैं, लेकिन आर्थिक परिस्थितियों के कारण बच्चों को लगातार पढ़ा नहीं पाते। दूसरी ओर कुछ परिवारों में शिक्षा को लेकर जागरूकता की कमी भी हो सकती है। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में अभिभावकों को यह जानकारी नहीं होती कि सामान्य शिक्षा के साथ कौन-कौन से कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध हैं और उनसे रोजगार के कौन से रास्ते खुल सकते हैं। यदि परिवार को शिक्षा और कौशल को भविष्य की आय से जोड़कर समझाया जाए, तो बच्चों की पढ़ाई जारी रखने की संभावना बढ़ सकती है। एक और महत्वपूर्ण कारण शिक्षा और रोजगार के बीच का अंतर है। केवल डिग्री हासिल करना और रोजगार योग्य कौशल प्राप्त करना एक ही बात नहीं है। आज के रोजगार बाजार में तकनीकी ज्ञान, डिजिटल क्षमता, संवाद कौशल, व्यावसायिक प्रशिक्षण और व्यावहारिक अनुभव की जरूरत बढ़ रही है। यदि शिक्षा व्यवस्था इन जरूरतों से जुड़ नहीं पाती, तो युवा पढ़ाई पूरी करने के बाद भी रोजगार के लिए तैयार नहीं हो पाता। ऐसी स्थिति में परिवारों के बीच यह धारणा मजबूत हो सकती है कि पढ़ाई पर वर्षों खर्च करने के बजाय कोई काम सीखना ज्यादा उपयोगी है। यही कारण है कि कौशल विकास की नीतियों को केवल प्रशिक्षण केंद्र खोलने तक सीमित नहीं रखा जा सकता। उन युवाओं तक पहुंचना होगा जो पहले ही शिक्षा व्यवस्था से बाहर हो चुके हैं। उनके लिए लचीली शिक्षा, स्थानीय स्तर पर कौशल प्रशिक्षण, डिजिटल शिक्षा, अप्रेंटिसशिप और रोजगार से जुड़े प्रशिक्षण के अवसर बढ़ाने होंगे। प्रशिक्षण ऐसा होना चाहिए जिससे युवा यह समझ सके कि उसे सीखने के बाद वास्तविक रोजगार या आय का रास्ता कैसे मिलेगा। साथ ही, घरेलू काम में लगे युवाओं की स्थिति को भी नीतियों में पर्याप्त महत्व देना होगा। यदि कोई युवा लंबे समय से परिवार की जिम्मेदारियां निभा रहा है, तो उसके लिए नियमित कॉलेज जाना संभव नहीं हो सकता। ऐसे युवाओं के लिए घर के आसपास या डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षण, कम अवधि के पाठ्यक्रम और स्थानीय रोजगार के अवसर उपयोगी हो सकते हैं। महिलाओं के लिए सुरक्षित परिवहन, छात्रावास, बाल देखभाल जैसी सुविधाएं भी शिक्षा और रोजगार की राह आसान कर सकती हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि 8.7 करोड़ युवाओं को एक ही नजर से नहीं देखा जा सकता। इनमें कुछ ऐसे होंगे जो पढ़ाई में रुचि नहीं रखते, कुछ आर्थिक मजबूरी में पढ़ाई छोड़ चुके होंगे, कुछ परिवार की जिम्मेदारियों में फंसे होंगे, कुछ रोजगार के अवसरों से दूर होंगे और कुछ ऐसे भी होंगे जिन्हें सही मार्गदर्शन ही नहीं मिला। इसलिए समाधान भी एक जैसा नहीं हो सकता। भारत के सामने आज केवल युवाओं को शिक्षित करने की चुनौती नहीं है, बल्कि उन्हें शिक्षा, कौशल और सम्मानजनक रोजगार से जोड़ने की चुनौती है। जिस देश में करोड़ों युवा कामकाजी उम्र में प्रवेश कर रहे हों, वहां हर युवा की क्षमता महत्वपूर्ण है। किसी युवा का पढ़ाई से बाहर होना केवल उसके व्यक्तिगत भविष्य का नुकसान नहीं, बल्कि देश की उत्पादक क्षमता का भी नुकसान है। इसलिए अब सवाल केवल यह नहीं होना चाहिए कि युवा क्यों नहीं पढ़ रहे हैं। सवाल यह होना चाहिए कि हमने उनके लिए पढ़ाई को कितना सुलभ, उपयोगी और रोजगार से जुड़ा बनाया है। यदि कोई बच्चा आर्थिक मजबूरी में स्कूल छोड़ता है, तो उसे दोष नहीं दिया जा सकता। यदि कोई युवती घरेलू जिम्मेदारियों के कारण प्रशिक्षण नहीं ले पाती, तो केवल उसकी इच्छा पर सवाल उठाना उचित नहीं होगा। और यदि कोई युवा शिक्षा में रुचि नहीं दिखाता, तो उसके कारणों को समझना भी उतना ही जरूरी है। विकसित भारत का सपना तभी मजबूत होगा जब देश के युवा केवल संख्या में बड़े न हों, बल्कि शिक्षा, कौशल और अवसरों से भी समृद्ध हों। 8.7 करोड़ युवाओं का आंकड़ा चेतावनी भी है और अवसर भी।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। माँग की सुस्तता से बुधवार को सोयाबीन में बाजार नरमी के रहे। खाद्य तेलों में सुस्तता रही। दलहनों में चना 6600 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहा। उड़द बाजार भी सुर्ख रहे। किराना जिंसों में शक्कर में फिसलन रही। बादाम में बाजार मजबूत रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सोयाबीन में पूछपरख हल्की चलने से नरमी का रूख है। सोयाबीन आज भी 100 रू. क्विंटल हल्का पड़ा। खाद्य तेलों में सुस्तता रही। दलहनों में चना 6600 रू. प्रति क्विटल पर बना रहा। उड़द बाजार सुर्खी पर रहे। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में फिसलन देखी गयी। बादाम गिरी में पूछपरख से बाजार बड़त पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5900-6200, खोपरा गोला 360-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3500-3800, मीडियम 4000-4200, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3500, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1050-1200, सिंगापुरी 980-1025, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300-3350, (160) 3800-3850, (200) 4300-4350, (250) 4700-4750,

तेल- सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1760, राजकोट तेलिया 2700, सोया साल्वेंट 1395-1400, सोया रिफाइंड 1450-1460, कपास्या 1630, धूलिया 1635, कड़ी 1635,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1700, मुम्बई पाम 1500, मुम्बई सोया 1485,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन-सरसो 8000-8200, रायडा 7000-7200, सोयाबीन 5900, टोली (महुआ बीज) 5500-5700, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6600, एवरेज 6500-6550, विशाल 6350-6400, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशा?यन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5900-5950, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9100-9300, उड़द गर्मी 8600-9000, ग्रेविटी क्लीन 9300-9700, हल्की 5000-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी पर ही रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 242500, चॉंदी (99) 242400, टंच 241600, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 158300,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.31 पर बंद हुआ आज सुबह रुपया 95.40 पर खुला था। कच्चे तेल में आई गिरावट से भी रुपया मजबूत हुआ है।

वहीं गत दिवस रुपया गिरावट पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सरकारी बैंकों के जरिये भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लगातार हस्तक्षेप से रुपये की गिरावट को अधिक बढ़ने से रोकने में मदद मिली। इससे एशियाई शेयर बाजारों में कमजोरी और ईरान को लेकर फिर बढ़ी भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद रुपया सीमित दायरे में रहा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान एफएमसीजी और ऑटो शेयरों के साथ ही आईटी में भी गिरावट रही जिससे भी बाजार धारणा कमजोर हुई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 183.15 अंक गिरकर 77,472.94 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.80 नीचे आकर 24,207.75 पर बंद हुआ। आज सुबह सेंसेक्स बढ़त के साथ 77,892.10 पर खुला। वहीं, निफ्टी अपने 7.40 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,341.95 पर खुला। व्यापक बाजार में भी मिश्रित कारोबार देखने को मिला, जहां निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में गिरावट रही। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी दर्ज की गई। निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी एफएमसीजी,

निफ्टी ऑटो और निफ्टी रियल्टी का प्रदर्शन भी खराब रहा। वहीं, निफ्टी मेटल, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सीमेंट का प्रदर्शन बेहतर रहा। आज कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी लाइफ और एसबीआई लाइफ के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही, जबकि भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, इंफोसिसि, एलएंडटी, नेस्ले इंडिया और श्रीराम फाइनेंस सबसे ज्यादा गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती घंटों में ही सेंसेक्स 240 अंक बढ़कर 77,900 के स्तर के करीब पहुंच गया जबकि निफ्टी 24,300 अंक ऊपर आया। दूसरी ओर एशिया-प्रशांत के ज्यादातर बाजार भी बढ़त पर रहे। जापान का निक्केई 225, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.02 फीसदी और हांगकांग का हैंग सेंग 0.95 फीसदी शामिल थे। इससे पहले, मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजारों में भी तेजी दर्ज की गई थी, जहां डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.30 फीसदी, एसएंडपी 500 0.32 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट 0.66 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए।

बीमा सेक्टर में कमीशन से लेकर बेचने तक के बदल सकते हैं नियम, बदलाव की है तैयारी

नई दिल्ली। एजेंसी। लाइफ इंश्योरेंस सेक्टर में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। आईआरडीएआई की नजर अब बीमा कंपनियों के कमीशन, बैंकों के जरिए पॉलिसी बेचने के तरीके और ग्राहकों को सही पॉलिसी देने जैसे मुद्दों पर है। अगर ये बदलाव होते हैं तो इसका असर एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी लाइफ, आईसीआईसीआई प्रोडेंटल लाइफ और एक्सिस मेक्स लाइफ जैसी कंपनियों पर पड़ सकता है। बीमा सेक्टर की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि प्रीमियम तो बढ़ रहा है, लेकिन पॉलिसी की संख्या नहीं। बता दें वित्त वर्ष 2020 से 2025 के बीच नई पॉलिसी की संख्या हर साल औसतन 1.3 फीसदी घटी। वहीं नई पॉलिसी से मिलने वाला प्रीमियम करीब 8.9 फीसदी सालाना बढ़ा। इस दौरान कंपनियों का कमीशन खर्च भी करीब 14.5 फीसदी सालाना बढ़ा है यानी कंपनियों की ग्रोथ ज्यादा ग्राहक जोड़ने के बजाय महंगी पॉलिसी बेचने से आ रही है। वित्त वर्ष 2025 में लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों ने करीब 60,800 करोड़ रुपए कमीशन दिया। अब इस बात पर चर्चा है कि एजेंट और डिस्ट्रीब्यूटर को मिलने वाले पैसे का तरीका बदला जाए। मतलब कमीशन का कुछ हिस्सा इस बात से जोड़ा जा सकता है कि ग्राहक कितने समय तक पॉलिसी चालू रखता है। इससे सिर्फ पॉलिसी बेचने के बजाय उसे लंबे समय तक जारी रखने पर भी जोर बढ़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक 13वें महीने तक औसतन करीब 73.6 फीसदी पॉलिसी जारी रहती हैं। 37वें महीने तक यह आंकड़ा घटकर करीब 58.5 फीसदी रह जाता है यानी बड़ी संख्या में लोग कुछ साल बाद पॉलिसी छोड़ देते हैं। इसकी वजह महंगा प्रीमियम या ग्राहक की जरूरत के हिसाब से सही पॉलिसी नहीं मिलना हो सकती है।

जुलाई में मॉनसून सुधार से खरीफ बोआई सामान्य के करीब, घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत दिखी

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून में सुधार होने से खरीफ बोआई को सामान्य के करीब लाने में मदद मिली। इससे कृषि क्षेत्र के लिए जोखिम आंशिक रूप से कम हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू अर्थव्यवस्था ने वैश्विक चुनौतियों के प्रति काफी मजबूती दिखाई है, जिसका संकेत घरेलू मांग में उछाल और विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों से मिलता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मॉनसून जून में सुस्त रहने के बाद जुलाई में काफी सक्रिय दिखा। ऐसे में देश भर के जलाशयों का भंडारण एक दशक के औसत के करीब और पिछले अल नीनो वर्ष 2023 के स्तर से ऊपर रहा। जून के आखिर में बारिश की कमी कुल मिलाकर 38 फीसदी थी जो घटकर जुलाई के अंत तक 13 फीसदी रह गई है। हालांकि यह स्पष्ट किया गया है कि इस रिपोर्ट में बताई गई बातें लेखकों की निजी राय हैं और वे आरबीआई की राय को नहीं दर्शाती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस वर्ष खरीफ बोआई की अस्थायी प्रगति 2023 के मुकाबले बेहतर रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगस्त से सितंबर के लिए देश भर में मॉनसून की बारिश सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई में मॉनसून की गतिविधियों में सुधार होने से खरीफ फसलों के रकबे में सुधार हुआ। सरकार ने आपूर्ति बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष के लिए खुले बाजार में बिक्री योजना (ओएमएसएस) की भी घोषणा की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वाहन और ट्रैक्टर बिक्री समेत कई संकेतकों से घरेलू मांग दमदार बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की वृहद आर्थिक बुनियादी स्थिति दमदार रहने से घरेलू अर्थव्यवस्था को सहारा मिला। पहली तिमाही में दिखी यह रफ्तार जुलाई में भी जारी रही।

मेष- आज कामकाज के मोर्चे पर कुछ चुनौतियां सामने आ सकती हैं। ऑफिस में बॉस के साथ बहस करना आपके प्रमोशन या छवि पर असर डाल सकता है, इसलिए अपनी बात रखते समय शब्दों पर खास ध्यान दें। राजनीति से जुड़े लोगों को किसी बड़े नेता से मुलाकात का मौका मिल सकता है। सेहत थोड़ी परेशान कर सकती है, इसलिए लापरवाही न करें।

वृषभ- आज आपको अपने जरूरी कामों पर पूरा ध्यान देना होगा, क्योंकि छोटी सी लापरवाही भी परेशानी बढ़ा सकती है। संतान को नौकरी के सिलसिले में दूर जाना पड़ सकता है, जिससे मन थोड़ा भावुक रहेगा। दोस्तों के साथ पार्टी या मिलना-जुलना हो सकता है और इससे मूड भी बेहतर होगा। हालांकि, परिवार का कोई पुराना मुद्दा फिर से चर्चा में आकर तनाव पैदा कर सकता है। कोशिश करें कि बात को ज्यादा न बढ़ने दें।

मिथुन- आज दूसरों के मामलों में जरूरत से ज्यादा दखल देने से बचना ही आपके लिए बेहतर रहेगा। अपने फैसले खुद लें और हर छोटी बात के लिए दूसरों पर निर्भर न रहें। कारोबार में चल रहा उतार-चढ़ाव धीरे-धीरे कम होने लगेगा। पिताजी की ओर से कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसे गंभीरता से निभाना होगा। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी, लेकिन बढ़ते खर्चों पर नजर रखना जरूरी है। संतान से किया वादा हर हाल में पूरा करें।

कर्क- आज का दिन थोड़ा उलझा हुआ रह सकता है। काम का दबाव बढ़ने से मन अशांत हो सकता है, लेकिन धैर्य और समझदारी से काम लेंगे तो स्थिति संभल जाएगी। संतान की पढ़ाई को लेकर चिंता हो सकती है। ऐसे में उनके शिक्षकों या मार्गदर्शकों से बातचीत करना फायदेमंद रहेगा। मां की सेहत को लेकर भी सतर्क रहने की जरूरत है। किसी परेशानी को टालने के बजाय समय पर उचित इलाज और सलाह लेना बेहतर होगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आप खर्चों को नियंत्रित करने की कोशिश करेंगे और विदेश से जुड़े किसी काम में अच्छी खबर मिल सकती है। किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिलेगा, जहां नए लोगों से संपर्क बन सकता है। नौकरी में जो परेशानियां पिछले कुछ समय से चल रही थीं, उन्हें दूर करने की आपकी कोशिश सफल हो सकती है।

कन्या- आज आर्थिक मामलों में राहत मिलने के मजबूत संकेत हैं। धन लाभ के साथ आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है और पैतृक संपत्ति से भी फायदा मिलने की संभावना है। भाई-बहनों का सहयोग आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। पुराने गिले-शिकवे छोड़कर रिश्तों को नई शुरुआत देना आपके लिए बेहतर रहेगा। हालांकि, किसी बात को लेकर मन में बेचैनी रह सकती है। खुद को व्यस्त रखने और सकारात्मक सोच बनाए रखने से स्थिति बेहतर होगी।

तुला- आज आपका मन सेवा, परोपकार और धार्मिक कार्यों की ओर आकर्षित रहेगा। पूजा-पाठ या किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होने का मौका मिल सकता है, जिससे मन को शांति मिलेगी। घर में भी धार्मिक माहौल बन सकता है। हालांकि, वैवाहिक जीवन में किसी बात को लेकर थोड़ी खटास पैदा हो सकती है। इसे बहस बनाने के बजाय शांत बातचीत से सुलझाने की कोशिश करें। संतान से किया हुआ वादा समय पर पूरा करना न भूलें।

वृश्चिक- आज प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई बड़ा फैसला आपके सामने आ सकता है और नई संपत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं। बैंक से संबंधित कोई जरूरी काम भी पूरा हो सकता है। किसी रिश्तेदार से मुलाकात लंबे समय बाद खुशी देगी। इस बीच अपने कीमती सामान और जरूरी दस्तावेजों को संभालकर रखें।

धनु- आज का दिन सकारात्मक रहेगा और आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आ सकते हैं। हालांकि, आसपास के लोगों को अच्छी तरह परखने के बाद ही किसी पर भरोसा करें। किसी काम को लेकर उलझन हो तो पिताजी की सलाह आपके लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है। यात्रा के दौरान कोई ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो आगे आपके काम आए।

मकर- आज आय में बढ़ोतरी के संकेत हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। हालांकि, पुरानी गलतियों से सीखना जरूरी है, ताकि वही स्थिति दोबारा न बने। किसी को उधार देने से फिलहाल बचें। शेयर बाजार में निवेश से लाभ की संभावना है, लेकिन जोखिम समझकर ही कदम उठाएं।

कुंभ- आज आपकी जरूरतें बढ़ने के साथ खर्च भी तेजी से बढ़ सकते हैं। इसलिए पहले से बजट बनाकर चलना आपके लिए बेहतर रहेगा। अगर आपने किसी को पैसा उधार दिया है तो उसकी वापसी में देरी हो सकती है, इसलिए फिलहाल उस रकम पर निर्भर रहने से बचें। अच्छी बात यह है कि आपकी समझदारी और रणनीति से विरोधियों की चाल नाकाम हो सकती है।

मीन- आज आपको सबसे पहले अपनी सेहत को प्राथमिकता देनी चाहिए। कामकाज में सफलता मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और आय बढ़ाने के नए रास्तों पर विचार कर सकते हैं। बचत को मजबूत करने के लिए कोई नई योजना भी बना सकते हैं। संतान से किया हुआ वादा पूरा करना आपके लिए जरूरी होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में लापरवाही से बचना चाहिए, क्योंकि आज ध्यान भटकने से मेहनत प्रभावित हो सकती है। अनुशासन और फोकस बनाए रखेंगे तो अच्छे परिणाम मिलेंगे।

शब्दजाल - 8362

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'करण' लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

नागरीकरण, श्रेणीकरण, प्रकरण, अभिकरण, शमीकरण, वाष्पीकरण, अधिकरण, अनुकरण, शहरीकरण, विद्युतीकरण

प्र	अ	मे	क	ना	ग	री	क	र	ण	गो
न	का	क	अ	इं	डे	ने	ग	श	मा	ला
अ	दा	र	भि	मा	ग	अ	द	ह	प	का
श्रे	ग	प्र	क	र	ण	नु	धि	री	लि	र
णी	अ	अ	र	न	न	क	ह	क	न	दे
क	ना	का	ण	व	प	र	त	र	र	बां
र	मा	ल	म	श	अ	ण	वा	ण	न	ण
न	न	भा	र	न	मी	स	ष्पी	ल	वि	ला
क	न	बा	अ	लं	का	क	क	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	र	अ	प	श
वि	द्यु	ती	क	र	ण	स	ण	ण	र	र

शब्दजाल - 8361 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

27 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

गुरुवार 2026 वर्ष का 239 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्दशी 09.09 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 02.16 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शोभन 07.56 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 09.09 बजे तदनन्तर विष्टि 21.33 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 10° 08' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872814 **जूलियन दिन** 2461279.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 13 **विशेष** यजुर्वेद उपाकर्म, श्रावण पूर्णिमा, हयग्रीव जयंती।

ग्रह	स्थिति
सूर्य	सिंह में
चंद्र	मकर में
मंगल	मिथुन में
बुध	सिंह में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कन्या	07.14 बजे से
तुला	09.24 बजे से
वृश्चिक	11.39 ब.से
धनु	13.55 बजे से
मकर	16.00 बजे से
कुंभ	17.47 बजे से
मीन	19.19 बजे से
मेष	20.50 बजे से
वृष	22.30 बजे से
मिथुन	00.28 बजे से
कर्क	02.42 बजे से
सिंह	04.58 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः धैर्य का पाठ

वासुदेव, बलदेव और सात्यकि अपने-अपने घोड़ों पर चढ़ कर वन विहार के लिए निकले। चलते हुए वे रास्ते से भटक गए और एक सघन वन में जा फंसे। उन्होंने वहीं किसी पेड़ के नीचे रात बिताने का निश्चय किया। तय हुआ कि तीनों बारी-बारी से पहरा देंगे ताकि सुरक्षा होती रहे और दो साथी सोते रह सकें। पहली बारी सात्यकि की थी। वे जागे बाकी दोनों सो गए। इतने में पेड़ पर से एक पिशाच उतरा और उन्हें मल्ल युद्ध के लिए ललकारने लगा। सात्यकि ने उसके कटु वचनों का वैसा ही उत्तर दिया और घूसों का जवाब लात से देते रहे। बड़ी देर तक मल्ल युद्ध होता रहा। सात्यकि को कई चोटें लगीं पर उन्होंने उस समय अपने साथियों से उस प्रसंग की चर्चा न कर, सो जाना ही उचित समझा। फिर बलदेव की बारी आई। पिशाच ने उन्हें भी चुनौती दी, जवाब में उसे वैसे ही गर्मागर्म उत्तर मिले। प्रेत का आकार और बल पहले की तरह ही बढ़ता रहा और बलदेव की बुरी दुर्गति हुई। लेकिन उस समय वह भी चुप रहे। अंत में वासुदेव की बारी आई। उन्हें भी चुनौती मिली। वह हंसते हुए लड़ने लगे और बीच-बीच में कहते रहे, 'बड़े मजेदार आदमी हो तुम। नींद और आलस्य से बचने के लिए मित्र जैसा उपहास कर रहे हो।' धीरे-धीरे पिशाच का बल घटता गया और आकार भी छोटा होने लगा। अंत में वह झींगुर जैसा छोटा रह गया। तब वासुदेव ने उसे कपड़े में बांध लिया। प्रातः नित्यकर्म से निपट कर जब चलने की तैयारी होने लगी तो सात्यकि और बलदेव ने पिशाच से मल्लयुद्ध होने की घटना सुनाई और चोटों के निशान भी दिखाए। आश्चर्यचकित साथियों को देख कर वासुदेव ने बताया, 'वह पिशाच और कोई नहीं, हमारा क्रोध ही था जो वैसा ही प्रत्युत्तर पाने पर बढ़ता है और दोगुना होता जाता है। लेकिन जब उसकी उपेक्षा की जाती है, तो वह दुर्बल और छोटा हो जाता है।'

फिल्म वर्ग पहेली - 7306

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उगंली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमृता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुम तुम तक तक तुम' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7305

बं	दि	नी		पु		गैं	ब	ल	र
ध		ल	ल	का	र		हा		वी
न	सी	म		र		प	र	वा	ना
	मा		श		सु	र		सु	
आ		आ	शि	क		दे	वी		ह
ह	मे	शा		ह	व	स		स	त्या
	ला		आ	र	जू		खे	ल	
बे		ला	वा		द	स		मा	या
खु			ग	जू		फ	र्ज		ग
दी	वा	ने		ली	ड	र		टी	ना

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7615

★★★ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7614 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8830

बाएँ से दाएँ

1. लाचार, बेबस-3
3. प्राण, जान-3
5. दुर्ग, फोर्ट-2
6. सद्पुरुष-2
8. कवायद-4
10. प्रतिघात, मुआवजा-3
12. कंठ, गला-3
13. लकड़ी-2
14. प्रथम मानव-2
15. धोखेबाज, कपटी-3
17. माजरा, घटना-3
19. कहासुनी, झंझट -4
21. संबोधन-2
23. चावल-2
24. रगड़ना, लगाना-3
25. वादा, प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे

1. लता, लतिका-2
2. चावल (अंग्रेजी-3)
3. हूर, अप्सरा-3
4. आकाश, व्योम-2
5. शायरी करनेवाला-3
7. योग्य, उपयुक्त-3
8. अदाकार, फनकार-4
9. घोड़ागाड़ी-2
12. बजरंगबली-4
15. माह, मास-3
16. जांघ, जंघा-2
18. धिक्कार, फटकार-3
19. मामूली, तुच्छ-3
20. बहने का भाव-3
22. संस्कृत में 'मेरा'-2
23. होश, आभास-2

शब्द पहेली -8829 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

तेज रफ्तार बाइक बिजली के पोल से टकराई, पोल टूटा-तीन लोग घायल

108 एंबुलेंस से घायलों को पहुंचाया सिविल अस्पताल

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी-बालाघाट मार्ग पर बुधवार दोपहर करीब 1:45 बजे इटोरा चौक के आगे तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से जा टकराई। हादसे में बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक क्रमांक एमपी 50 जेडसी 6740 का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया, वहीं बिजली का पोल भी क्षतिग्रस्त हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अखिलेश बोरकर पिता ज्योत प्रकाश बोरकर निवासी ग्राम दत्ता अपने दो अन्य साथियों के साथ बाइक से किरनापुर-दत्ता की ओर से लांजी स्थित कोटेश्वर मंदिर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। इटोरा चौक पार करने के बाद बालाघाट रोड पर पहुंचते ही बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से जा भिड़ी।

जोरदार टक्कर से मची अफरा-तफरी

बिजली के पोल से टकराते ही बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों की मदद की। दुर्घटना में बाइक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं बिजली का पोल भी टूट-फूटकर क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस की सहायता से तीनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया।

तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह

प्रथम दृष्टया हादसे की वजह बाइक की तेज रफ्तार और चालक का वाहन से नियंत्रण खोना सामने आ रहा है। एक ही बाइक पर तीन लोगों के सवार होने से भी दुर्घटना का जोखिम बढ़ गया। हालांकि हादसे के वास्तविक कारणों की जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और यातायात नियमों की अनदेखी को लेकर सवाल खड़े करता है। वाहन चालकों से अपील है कि वे निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं, हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें और दोपहिया वाहन पर निर्धारित संख्या में ही सवारी बैठाएं, ताकि सड़क हादसों पर अंकुश लगाया जा सके।

देवलगांव के प्रणय टेंभरे, प्रियांशी ठाकरे और निशा चौरे का मेडिकल कॉलेज में चयन, गांव में खुशी का माहौल

पद्मेश न्यूज। लांजी। तहसील लांजी के ग्राम देवलगांव के लिए यह गर्व और हर्ष का अवसर है। नीट-2026 में गांव के तीन प्रतिभावान विद्यार्थियों प्रणय टेंभरे, प्रियांशी ठाकरे और निशा चौरे ने सफलता हासिल कर मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए प्रवेश प्राप्त किया है। एक ही गांव से तीन विद्यार्थियों का मेडिकल शिक्षा के लिए चयन होना पूरे क्षेत्र में चर्चा और गौरव का विषय बना हुआ है।

प्रणय टेंभरे ने 536 अंक हासिल कर सिवनी मेडिकल कॉलेज में बनाई जगह

देवलगांव निवासी राजेश्वर टेंभरे के पुत्र प्रणय टेंभरे ने नीट-2026 में 720 में से 536 अंक प्राप्त किए और शासकीय मेडिकल कॉलेज, सिवनी में प्रवेश हासिल किया। प्रणय ने कक्षा 10वीं और 12वीं दोनों में 92-92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी स्कूली शिक्षा सेंट्रल एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल, उमरिया एवं प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल स्कूल, गोंदिया से हुई।

प्रियांशी ठाकरे ने भी बढ़ाया गांव का मान

कमल किशोर ठाकरे एवं पुष्पा ठाकरे की पुत्री प्रियांशी ठाकरे ने भी नीट-2026 उत्तीर्ण कर सुख सागर मेडिकल कॉलेज, जबलपुर में एमबीबीएस में प्रवेश प्राप्त किया। जवाहर नवोदय विद्यालय, वारासिवनी से शिक्षा प्राप्त करने वाली प्रियांशी ने 10वीं में 89.8 प्रतिशत तथा 12वीं में 83.4 प्रतिशत अंक हासिल किए थे।

निशा चौरे ने 410 अंक के साथ हासिल किया एमबीबीएस प्रवेश

प्रहलाद चौरे की पुत्री निशा चौरे ने नीट-2026 में 410 अंक प्राप्त कर इंडेक्स मेडिकल कॉलेज में प्रवेश प्राप्त किया। निशा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा बाल भाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय से प्राप्त की। उन्होंने 10वीं में 85 प्रतिशत और 12वीं में 82.6 प्रतिशत अंक हासिल किए।

तीनों की सफलता से गांव में उत्साह

एक ही गांव से तीन विद्यार्थियों का मेडिकल कॉलेज में चयन होना देवलगांव के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। तीनों विद्यार्थियों ने मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से यह साबित किया है कि ग्रामीण परिवेश में रहकर भी विद्यार्थी बड़े सपनों को साकार कर सकते हैं। तीनों की सफलता से गांव के अन्य विद्यार्थियों में भी उत्साह और नई प्रेरणा का संचार हुआ है। परिजनों, ग्रामीणों एवं शुभचिंतकों ने तीनों होनहार विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। देवलगांव के इन तीनों प्रतिभावान विद्यार्थियों की उपलब्धि निश्चित रूप से क्षेत्र की आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

संस्कृत सप्ताह का हुआ शुभारंभ

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लांजी में सात दिवसीय आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल (मध्यप्रदेश) द्वारा जारी आदेश के अनुपालन में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में मंगलवार, 25 अगस्त 2026 से सात दिवसीय

संस्कृत सप्ताह卐 कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। निर्धारित गतिविधियों एवं रूपरेखा के अनुसार आयोजित यह कार्यक्रम विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से प्रतिदिन जारी रहेगा तथा 31 अगस्त को इसका समापन होगा। कार्यक्रम के प्रथम दिवस संस्था के प्राचार्य डी.के. फुल्लारे द्वारा मां सरस्वती का विधिवत पूजन-अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों ने विद्यालय में उपस्थित विद्यार्थियों का तिलक लगाकर अभिनंदन करते हुए संस्कृत सप्ताह की शुभकामनाएं दीं। इसके पश्चात सोशल मीडिया के माध्यम से संस्कृत दिवस के अवसर पर विद्यालय स्तर पर 10 सुभाषित श्लोकों का सामूहिक पाठ किया गया। विद्यालय में अध्ययनरत संस्कृत विषय के विद्यार्थियों ने भी विभिन्न श्लोकों का स्वरबद्ध गायन प्रस्तुत कर कार्यक्रम को आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक बनाया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने संस्कृत भाषा के प्रति उनकी रुचि एवं उत्साह को प्रदर्शित किया। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य डी.के. फुल्लारे ने विद्यार्थियों को संस्कृत सप्ताह मनाने के उद्देश्य और महत्व से अवगत कराया। उन्होंने भारत में संस्कृत भाषा के गौरवपूर्ण इतिहास, उसकी समृद्ध परंपरा एवं भारतीय संस्कृति में उसके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान, संस्कृति, साहित्य और संस्कारों की महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों को संस्कृत के अध्ययन एवं प्रयोग के माध्यम से अपने व्यक्तिगत जीवन को सुसंस्कृत, अनुशासित एवं संस्कारवान बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के प्रभारी अंतराम फूंडे ने आयोजन का सफल संचालन करते हुए उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को संस्कृत सप्ताह के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की रूपरेखा से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिदिन संस्कृत भाषा एवं साहित्य से जुड़ने तथा संस्कृत के प्रति रुचि विकसित करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय में संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत आगामी दिनों में निर्धारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति जागरूकता, रुचि एवं अभिरुचि विकसित करने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और संस्कारों के प्रति जुड़ाव बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। सात दिवसीय यह आयोजन 31 अगस्त को विभिन्न गतिविधियों के साथ संपन्न होगा।

कोटेश्वर धुनी दरबार में गूंजा संगीतमय सुंदरकांड, भक्ति में डूबे श्रद्धालु

प्रदोष पर्व पर रात 8 बजे से 11.30 बजे तक चला धार्मिक आयोजन, सुंदरकांड पाठ, हवन-पूजन, आरती और महाप्रसाद में उमड़े श्रद्धालु

पद्मेश न्यूज। लांजी। ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व के प्रसिद्ध दादा कोटेश्वर धाम में सावन मास के पावन अवसर पर मंगलवार, 25 अगस्त को प्रदोष पर्व के उपलक्ष्य में धुनी दरबार में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन श्रद्धा, आस्था और धार्मिक उल्लास के साथ किया गया। रात 8 बजे प्रारंभ हुआ यह धार्मिक आयोजन रात 11.30 बजे तक चला। इस दौरान पूरा धुनी दरबार श्रीराम भक्ति, सुंदरकांड की चौपाइयों, भजनों और जयकारों से गुंजायमान रहा। प्रदोष पर्व की पावन संध्या बेला में आयोजित सुंदरकांड पाठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से सहभागिता की। संगीतमय सुंदरकांड पाठ के दौरान भजनों और भक्तिगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। जैसे-जैसे सुंदरकांड की चौपाइयों का पाठ आगे बढ़ता गया, वैसे-वैसे धुनी दरबार का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर होता गया। श्रद्धालु भगवान श्रीराम, माता जानकी और पवनपुत्र हनुमान की भक्ति में लीन नजर आए तथा समय-समय पर जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयघोष से पूरा परिसर गूंजता रहा। सावन मास और प्रदोष पर्व के इस पावन संयोग पर श्रद्धालुओं ने सुंदरकांड पाठ के साथ भगवान दादा कोटेश्वर महादेव की आराधना भी की। धार्मिक विधि-विधान के साथ पूजन संपन्न कराया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुति देकर क्षेत्र, परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि तथा

सर्वकल्याण की कामना की। सुंदरकांड पाठ एवं हवन-पूजन के पश्चात सामूहिक महाआरती का आयोजन किया गया। आरती के दौरान श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर भगवान श्रीराम एवं दादा कोटेश्वर महादेव के चरणों में श्रद्धा अर्पित की। घंटियों, शंखध्वनि और जयघोष के बीच हुई आरती से धुनी दरबार का वातावरण अत्यंत भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान से क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि एवं सभी के कल्याण की प्रार्थना की। महाआरती के पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं को महाप्रसाद का वितरण किया गया। भक्तों ने श्रद्धापूर्वक महाप्रसाद ग्रहण किया। इसके साथ ही रात करीब 11.30 बजे सुंदरकांड पाठ एवं धार्मिक आयोजन का विधिवत समापन हुआ। सावन मास के पावन अवसर पर दादा कोटेश्वर धाम के धुनी दरबार में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम ने देर रात तक श्रद्धालुओं को भक्ति और आध्यात्मिकता से जोड़े रखा। रात 8 बजे से शुरू होकर साढ़े तीन घंटे तक चले इस आयोजन में श्रद्धालुओं ने सुंदरकांड पाठ, भजन, हवन-पूजन, महाआरती और महाप्रसाद का पुण्यलाभ प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान हर-हर महादेव, जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयकारों से कोटेश्वर धाम का वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर पंडित विश्वनाथ तिवारी, नारायण दत्त छोटू खरगाल, नरेश डोलस, उमाकांत उपराड़े, सुनील मेहरबान, भूरू आदमने, राजेंद्र आसटकर, रजा मानकर, शालिकराम रामटेक्कर, विकास आसटकर, अमित मुरकुटे, मनोज किरनापुरे, साकेत आदमने, शिवम ठाकरे, संदीप रामटैक्कर, महेंद्र मस्के, गोपाल सिल्लारे, श्रीमती अंजू खरगाल, अनिल मेहरबान, मंजू मेहरबान, दिलीप कुमार ठाकरे, कमललता ठाकरे, श्रीमती अनीता आदमने, श्रीमती लक्ष्मी किरनापुरे, श्रीमती उषा डोलस, सोनाली आदमने, श्रीमती अनीता मुरकुटे, कु. निधी मुरकुटे, श्रीमती मंजू मेहरबान सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे। वहीं सुंदरकांड पाठ करने पहुंचे श्रद्धालुओं में मनोज, माखन एवं बल्लू पटेल सहित अन्य भक्तों ने भी अपनी सहभागिता निभाई।

30 दिन-30 गांव अखंड रामायण पाठ अभियान

टेडवा में अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का समापन, योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। लांजी। एकल अभियान संच के तत्वावधान में सावन मास के दौरान चलाए जा रहे 30 दिन-30 गांव अखंड रामायण पाठ अभियान के अंतर्गत ग्राम टेडवा के शिवाजी चौक परिसर में आयोजित दो दिवसीय अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का बुधवार को श्रद्धा, सेवा और जनजागरण के वातावरण में समापन हुआ। 25 अगस्त को शुरू हुए इस धार्मिक आयोजन का 26 अगस्त को विधि-विधान और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ समापन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, ग्राम समितियों, अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ समिति तथा अभिनंदन लाइफ फाउंडेशन का विशेष सहयोग रहा। आयोजन के दौरान धार्मिक कार्यक्रम के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण और संस्कारों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि श्रीरामचरितमानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि आदर्श जीवन, सामाजिक समरसता, सेवा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देने वाला ग्रंथ है। कार्यक्रम में बच्चों, युवाओं और ग्रामीणों ने योगाभ्यास किया। योग शिक्षक शैलेंद्र बड़ाई ने विभिन्न योग क्रियाओं के माध्यम से स्वस्थ जीवन जीने की कला समझाई और नियमित योग एवं व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने आइए योग करें, निरोग रहें का संदेश दिया। ग्रामीणों ने श्रीरामचरितमानस के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। बच्चों को नियमित अध्ययन, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है और शिक्षा हमारी सामूहिक

जिम्मेदारी है। पर्यावरण संरक्षण के तहत महिला मंडल, स्थानीय समितियों और ग्रामीणों ने गांव में 25 पौधों का रोपण किया। ग्रामीणों ने पौधों की बच्चों की तरह देखभाल करने का संकल्प लिया। हवन-यज्ञ और नव कन्या पूजन के बाद बच्चों को प्रसाद वितरित किया गया। ग्रामीणों से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करने तथा कपड़े और जूट के थैलों को अपनाकर गांव को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने की अपील की गई। महिला मंडल ने हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम आयोजित कर भारतीय संस्कृति, सेवा, संस्कार और पारिवारिक मूल्यों का संदेश दिया। महिलाओं ने परिवार में प्रेम, सहयोग और आदर्श व्यवहार बनाए रखने का संकल्प लिया। ग्रामीणों की सुविधा के लिए आयोजित स्वास्थ्य शिविर में केयर हॉस्पिटल गोंदिया की टीम और देवजी नेत्रालय ने स्वास्थ्य एवं आंखों की जांच की। शिविर में 156 लोगों की जांच कर दवाइयां वितरित की गईं। निःशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर में 98 लोगों की जांच हुई, जिनमें 20 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। उन्हें निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। समापन के बाद बच्चों ने सांस्कृतिक और शिक्षाप्रद प्रस्तुतियां देकर शिक्षा, संस्कार, स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। इसी अभियान के तहत 26 अगस्त को ग्राम भीमोडी में संगीतमय अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का शुभारंभ किया गया। 27 अगस्त को स्वास्थ्य शिविर, निःशुल्क मोतियाबिंद जांच, प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान और महाप्रसाद का आयोजन होगा।

गणेश बनवारी का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के वार्ड क्रमांक 13, आमगांव रोड निवासी गणेश बनवारी (60) का बीमारी के चलते बुधवार 26 अगस्त को शाम 5 बजे निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिजनों, रिश्तेदारों एवं परिचितों में शोक की लहर व्याप्त है। गणेश बनवारी अपने पीछे एक पुत्र एवं तीन पुत्रियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी अंतिम यात्रा गुरुवार 27 अगस्त को दोपहर 12 बजे निवास स्थान से निकाली जाकर अंतिम संस्कार लांजी स्थित कोटेश्वर मोक्षधाम में किया जाएगा। उनके निधन से परिवार एवं शुभचिंतकों में गहरा दुःख है। परिजनों एवं परिचितों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करने की कामना की है।

रक्षाबंधन 28 अगस्त को, सुबह 5.57 से 9.48 बजे तक राखी बांधने का शुभ मुहूर्त

पद्मेश न्यूज। लांजी। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन इस वर्ष 28 अगस्त, शुक्रवार को मनाया जाएगा। श्रावण मास की पूर्णिमा के अवसर पर मनाए जाने वाले इस पर्व को लेकर बाजारों में राखियों की खरीदारी शुरू हो गई है। बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनके सुख, समृद्धि और दीर्घायु की कामना करेंगी, वहीं भाई बहनों की रक्षा और हर परिस्थिति में साथ देने का संकल्प लेंगे। पंचांग के अनुसार इस वर्ष पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त को सुबह 9:08 बजे प्रारंभ होकर 28 अगस्त को सुबह 9:48 बजे समाप्त होगी। पूर्णिमा तिथि के दो दिनों में पड़ने के कारण रक्षाबंधन की तारीख को लेकर लोगों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भद्रा काल में राखी बांधना उचित नहीं माना जाता। इस वर्ष 28 अगस्त की सुबह तक भद्रा समाप्त हो चुकी होगी, इसलिए रक्षाबंधन का पर्व 28 अगस्त को मनाया जाएगा।

सुबह 5.57 से 9.48 बजे तक शुभ मुहूर्त

रक्षाबंधन के दिन राखी बांधने का शुभ समय सुबह 5:57 बजे से 9:48 बजे तक बताया गया है। इस दौरान बहनें भाई को तिलक लगाकर, अक्षत और आरती के साथ राखी बांध सकती हैं। शुभ मुहूर्त की अवधि करीब 3 घंटे 51 मिनट रहेगी। ये समय नई दिल्ली के पंचांग के अनुसार है; स्थानीय पंचांग के अनुसार कुछ मिनट का अंतर संभव है।

इस तरह करें रक्षाबंधन की पूजा

रक्षाबंधन के दिन बहनें पूजा की थाली में रोली, अक्षत, दीपक, मिठाई और राखी रखें। सर्वप्रथम भगवान का पूजन करने के बाद भाई को तिलक लगाएं और अक्षत लगाकर उसकी आरती उतारें। इसके बाद भाई की दाहिनी कलाई पर राखी बांधकर उसके सुखी, स्वस्थ और समृद्ध जीवन की कामना करें। भाई भी बहन को उपहार देकर उसके सम्मान, सुरक्षा और सुख में सदैव साथ देने का संकल्प लेता है। रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास और पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करने का अवसर है। समय के साथ इस पर्व का स्वरूप भी व्यापक हुआ है। अब बहनें दूर रहने वाले भाइयों को डाक अथवा अन्य माध्यमों से राखी भेजती हैं और वीडियो कॉल के माध्यम से भी पर्व की खुशियां साझा करती हैं।

बाजारों में बढ़ी रौनक

रक्षाबंधन को लेकर लांजी सहित आसपास के बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। दुकानों पर रंग-बिरंगी राखियां, बच्चों के लिए आकर्षक कार्टून राखियां, पारंपरिक रक्षासूत्र और उपहार सामग्री उपलब्ध है। मिठाई दुकानों पर भी पर्व को देखते हुए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। भाई-बहन के इस पवित्र रिश्ते को लेकर परिवारों में उत्साह का माहौल है। धार्मिक परंपरा के अनुसार रक्षाबंधन का मूल भाव एक-दूसरे के प्रति प्रेम, विश्वास और रक्षा का संकल्प है। यही भावना इस पर्व को विशेष बनाती है। इस वर्ष भी रक्षाबंधन पर घर-घर में पूजा-अर्चना, राखी बांधने और मिठाई खिलाने के साथ भाई-बहन के स्नेह का उत्सव मनाया जाएगा।

शिक्षक भर्ती-2025 के अभ्यर्थियों के बीच पहुंचे दिग्विजय सिंह

मांगें नहीं मानीं तो शिक्षक दिवस से करूंगा 24 घंटे की भूख हड़ताल

भोपाल। एजेंसी। शिक्षक भर्ती-2025 और रिक्त पदों को लेकर राजधानी भोपाल के नीलम पार्क में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों के बीच बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों की मांगों को जायज बताते हुए सरकार से जल्द समाधान की मांग की। चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानीं गईं तो शिक्षक दिवस से वे खुद 24 घंटे की भूख हड़ताल करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने कहा कि उनके जीवन में स्वास्थ्य और शिक्षा हमेशा सबसे महत्वपूर्ण विषय रहे हैं। उन्होंने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान शिक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए बड़ी संख्या में स्कूल खोले गए। उनके मुताबिक करीब 45 हजार नए स्कूल खोले गए थे। साथ ही शिक्षकों की भर्ती का अधिकार भोपाल से हटाकर स्थानीय स्तर पर दिया गया था। ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें। पूर्व मुख्यमंत्री के साथ पूर्व मंत्री पीसी शर्मा भी थे। इस दौरान महिला अभ्यर्थियों ने पूर्व मुख्यमंत्री को राखी भी बांधी। उन्होंने कहा कि उस समय शिक्षकों की भर्ती में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाती थी। सिंह ने वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था और सिलेबस में

बदलाव का असर उन शिक्षकों पर पड़ रहा है, जिन्होंने वर्षों तक पुराने सिलेबस के आधार पर पढ़ाया है और अब उन्हें नए सिलेबस के अनुसार परीक्षा देने के लिए कहा जा रहा है।

रिक्त पदों को लेकर उन्होंने सरकार से सवाल किया कि आखिर सरकार इन पदों पर भर्ती क्यों नहीं कर रही है? आरोप लगाया कि सरकार की प्राथमिकता शिक्षा और रोजगार देने के बजाय युवाओं को दूसरे मुद्दों में उलझाने की है।

सिंह ने भाजपा और आरएसएस पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में शिक्षा और रोजगार की जगह राजनीतिक और धार्मिक मुद्दों को प्राथमिकता दी जा रही है। राम मंदिर के चंदे को लेकर भी उन्होंने गंभीर आरोप लगाए और भाजपा तथा संघ से जुड़े संगठनों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। अपनी उम्र का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 80 साल की उम्र में भी वे खुद को नौजवान मानते हैं।

अभ्यर्थी बैठे हैं भूख हड़ताल पर

वर्ग-2 माध्यमिक और वर्ग-3 प्राथमिक शिक्षक भर्ती-2025 में पदवृद्धि की मांग को लेकर नीलम पार्क में अभ्यर्थियों का अनिश्चितकालीन धरना चल रहा है। एक दिन पहले अभ्यर्थी नरेंद्र राजपूत की अचानक तबीयत ज्यादा बिगड़ गई थी। इसके बाद अन्य अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन शुरू किया है।

21 अगस्त को भोपाल में कर चुके बड़ा प्रदर्शन

पदवृद्धि की मांग को लेकर प्रदेशभर के अभ्यर्थियों ने 21 अगस्त को भोपाल में प्रदर्शन किया था। डीपीआई के सामने ज्ञापन और प्रदर्शन के बाद रैली निकालकर नीलम पार्क पहुंचे और अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया। इस प्रदर्शन का बुधवार को छठवां दिन है। अभ्यर्थियों का कहना है कि इससे पहले भी नवंबर 2025 से जुलाई 2026 तक कई चरणों में आंदोलन किए गए, लेकिन उनकी मांग का समाधान नहीं हुआ। अब अभ्यर्थी सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं।

ऑपरेशन मुस्कान-नाबालिगों की तलाश में दूसरे राज्यों तक पहुंची एमपी पुलिस, 12 बालिकाएं दस्तयाब

भोपाल/इंदौर। एजेंसी। गुम और अपहृत नाबालिग बालिकाओं की तलाश में मध्यप्रदेश पुलिस ने अगस्त में प्रदेश से बाहर तक कार्रवाई कर 12 बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब किया। 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीमें तमिलनाडु, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली पहुंचीं। संबंधित राज्यों की पुलिस के सहयोग से बालिकाओं को दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया गया। उज्जैन की नागदा पुलिस तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर करीब दो हजार किलोमीटर दूर कोयंबटूर पहुंची और लापता नाबालिग बालिका को दस्तयाब कर आरोपी को गिरफ्तार किया। धार पुलिस ने बहला-फुसलाकर ले जाने और दुष्कर्म के मामले में गुजरात के अमरेली से बालिका को दस्तयाब कर आरोपी को गिरफ्तार किया। राजगढ़ पुलिस ने अपहृत बालिका को 72 घंटे में अहमदाबाद से दस्तयाब किया। छतरपुर पुलिस ने राजस्थान के जोधपुर और जयपुर से दो बालिकाओं को, जबकि कटनी पुलिस ने गुजरात के मोरवी और मुंबई से दो बालिकाओं को दस्तयाब किया। सिंगरौली पुलिस ने 16 वर्षीय बालिका को उत्तर प्रदेश के अनपरा और सीधी पुलिस ने करीब दो माह से लापता 16 वर्षीय बालिका को प्रतापगढ़ से दस्तयाब किया।

द्वारका पहुंची इंदौर पुलिस

इंदौर की तेजाजीनगर पुलिस ने गुजरात के द्वारका से गुम नाबालिग बालिका को दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया। अनूपपुर पुलिस ने गुजरात से 17 वर्षीय बालिका और दतिया पुलिस ने नई दिल्ली के कमला मार्केट थाना क्षेत्र से लापता बालिका को दस्तयाब किया। इन कार्रवाइयों में तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण, संभावित ठिकानों की पहचान और दूसरे राज्यों की पुलिस से समन्वय अहम रहा। पुलिस के अनुसार 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत जरूरत पड़ने पर प्रदेश से बाहर भी कार्रवाई जारी रहेगी।

रक्षाबंधन पर मनमाना किराया वसूला तो कार्रवाई, ओवरलोडिंग पर भी सख्ती

इंदौर। एजेंसी। रक्षाबंधन पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ के बीच परिवहन विभाग ने यात्री बसों में ओवरलोडिंग और निर्धारित किराए से अधिक वसूली के खिलाफ सख्ती की। रेडिसन चौराहा और स्टार चौराहा रोड क्षेत्र में की गई जांच में नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 1.24 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। बिना परमिट संचालित बस और बिना पंजीयन एक अन्य वाहन भी जब्त किया गया। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश और क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा के मार्गदर्शन में परिवहन निरीक्षक आकाश सिटोले ने कार्रवाई की। अभियान में क्षमता से अधिक यात्रियों का परिवहन करने वाले यात्री वाहनों की जांच की गई। संचालकों को ओवरलोडिंग से बचने और यात्रियों से निर्धारित किराए से अधिक वसूली नहीं करने के निर्देश दिए गए। जांच के दौरान बस क्रमांक बीआर 06 पीएच 1195 बिना वैध परमिट संचालित मिली, जिसे मौके पर जब्त कर लिया गया। एक अन्य बस बिना पंजीयन संचालित पाई गई, उसे भी जब्त किया गया। नियमों के उल्लंघन के मामलों में कुल 1,24,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। टीम ने बसों में अग्निशामक यंत्र, प्राथमिक उपचार पेटी और अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता भी जांची। संचालकों को निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए। परिवहन विभाग ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए ओवरलोडिंग, निर्धारित किराए से अधिक वसूली, बिना परमिट, बिना पंजीयन और सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

रेलवे में भर्ती केवल आरआरबी एवं आरआरसी के माध्यम से, नौकरी दिलाने के नाम पर धनराशि न दें

भोपाल। एजेंसी। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने युवाओं एवं अभिभावकों को सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे फर्जी रेलवे भर्ती विज्ञापनों से सावधान रहने की सलाह दी है। मंडल के संज्ञान में आया है कि विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रेलवे भर्ती के नाम से भ्रामक एवं फर्जी विज्ञापन प्रसारित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से बेरोजगार युवाओं को नौकरी का झांसा देकर आर्थिक ठगी का प्रयास किया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भारतीय रेलवे में सभी भर्तियां निर्धारित नियमों एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ केवल रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) तथा रेलवे भर्ती सेल (आरआरसी) के माध्यम से ही की जाती हैं। रेलवे द्वारा किसी भी पद पर प्रत्यक्ष भर्ती, बिना परीक्षा नियुक्ति अथवा किसी निजी एजेंसी के माध्यम से चयन की कोई व्यवस्था नहीं है। रेल प्रशासन ने बताया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे बिना परीक्षा भर्ती , डायरेक्ट जॉइनिंग , तुरंत नियुक्ति , सीमित योग्यता पर सरकारी नौकरी' अथवा निश्चित चयन' जैसे दावे पूरी तरह भ्रामक एवं फर्जी हैं। ऐसे विज्ञापनों में रेलवे का नाम, लोगो अथवा विभिन्न रेलवे स्टेशनों के नामों का अनधिकृत उपयोग कर युवाओं को गुमराह करने का प्रयास किया जाता है। इन विज्ञापनों का भारतीय रेलवे अथवा भोपाल मंडल से कोई संबंध नहीं है। भोपाल मंडल ने युवाओं से अपील की है कि वे किसी भी भर्ती संबंधी सूचना की सत्यता केवल आधिकारिक स्रोतों से ही जांचें तथा नौकरी दिलाने के नाम पर किसी व्यक्ति, संस्था या एजेंसी को धनराशि का भुगतान न करें। यदि किसी को इस प्रकार का संदिग्ध विज्ञापन प्राप्त होता है अथवा कोई व्यक्ति रेलवे में नौकरी

दिलाने का दावा करता है, तो इसकी सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 अथवा संबंधित अधिकारियों को दें। साथ ही ऐसे फर्जी विज्ञापनों की शिकायत संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी दर्ज कराएं। रेलवे भर्ती संबंधी सभी प्रामाणिक एवं अद्यतन जानकारी केवल भारतीय रेलवे, रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) तथा रेलवे भर्ती सेल (आरआरसी) की आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध होती है। रेल प्रशासन ने आमजन से आग्रह किया है कि भर्ती संबंधी जानकारी के लिए केवल अधिकृत माध्यमों पर ही विश्वास करें तथा किसी भी प्रकार के फर्जी प्रचार-प्रसार से सतर्क रहें।

अजय चंद्राकर का कांग्रेस पर तीखा हमला, बोले- ब्लॉक अध्यक्षों की ट्रेनिंग 'हार का मॉडल'

रायपुर। एजेंसी। आदिवासी कांग्रेस की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया के शामिल होने को लेकर वरिष्ठ भाजपा नेता और विधायक अजय चंद्राकर ने तंज कसा है। उन्होंने कांग्रेस के संगठनात्मक प्रशिक्षण, जल-जंगल-जमीन के मुद्दे, महंगाई, महतारी वंदन योजना और एयरपोर्ट निजीकरण समेत कई विषयों पर कांग्रेस को घेरा। विक्रांत भूरिया के छत्तीसगढ़ दौरे और आदिवासी कांग्रेस की बैठक में शामिल होने पर अजय चंद्राकर ने कहा कि उन्हें पहले मध्यप्रदेश की राजनीति में अपनी पहचान बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पहले से ही कई स्थापित आदिवासी नेता हैं और प्रदेश में भूपेश बघेल का भी मजबूत नेतृत्व है। चंद्राकर ने तंज कसते हुए कहा कि उनका छत्तीसगढ़ आना 'मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है' जैसा है। जल-जंगल-जमीन को खतरा होने के कांग्रेस के आरोपों पर चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश में सब कुछ सुरक्षित है। उन्होंने कांग्रेस से पूछा कि आखिर किस तरह से जल, जंगल और जमीन को खतरा है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक आरोप लगाने के बजाय यदि ठोस कारण बताए जाएंगे तो भाजपा बहस के लिए तैयार है। अजय चंद्राकर ने कहा कि बस्तरवासी अब स्वाभाविक जीवन जी रहे हैं और कुछ लोगों को यही बात परेशानी का कारण बन रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास और आदिवासी हितों से जुड़े मुद्दों पर तथ्यात्मक चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस द्वारा जिला अध्यक्षों के बाद अब ब्लॉक अध्यक्षों को प्रशिक्षण देने की तैयारी पर भी भाजपा विधायक ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जो लोग प्रशिक्षण देंगे, वे अपने-अपने क्षेत्रों में सफल नहीं रहे हैं। ऐसे में उनसे प्रशिक्षण लेने का क्या औचित्य है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के लिए सफलता का कोई मॉडल होना चाहिए। चंद्राकर ने राहुल गांधी और कर्नाटक कांग्रेस के संदर्भ में भी टिप्पणी करते हुए कहा कि जिस तरह की राजनीति का सार्वजनिक रूप से विरोध किया जाता है, बंद कमरे में उसी से मुलाकात की जाती है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर कांग्रेस छत्तीसगढ़ में किस मॉडल की ट्रेनिंग देने जा रही है। उन्होंने इसे 'हार का मॉडल' करार दिया। शक्कर की

बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस द्वारा भाजपा पर निशाना साधने और पोस्टर जारी करने के मामले में अजय चंद्राकर ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियां सबके सामने हैं और सरकार कीमतों को नियंत्रित करने के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को मनुस्मृति पढ़ने की सलाह देते हुए कहा कि सनातन धर्म के ग्रंथों को तोड़-मरोड़कर पेश नहीं किया जाना चाहिए। महतारी वंदन योजना की राशि जारी करने के कार्यक्रम के दौरान सांसद भोजराज नाग के नींबू काटने संबंधी वायरल बयान पर चंद्राकर ने कहा कि सावन और हरेली के समय तंत्र-मंत्र और विभिन्न धार्मिक मान्यताओं से जुड़ी आस्थाएं लोगों में रहती हैं। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति की आस्था को अलग-अलग नजरिए से देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर में किया गया कार्य किसी व्यक्ति के नुकसान या विनाश के लिए नहीं था। सांसद भोजराज नाग ने इसे बूढ़ादेव और महादेव से जुड़ी अपनी आस्था बताया था। वहीं रायपुर समेत देश के 11 एयरपोर्ट के निजीकरण पर पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज के बयान का जवाब देते हुए अजय चंद्राकर ने कांग्रेस पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसके शासनकाल में देश में कितना निजीकरण हुआ और आर्थिक उदारीकरण की नीतियों में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की क्या भूमिका रही। चंद्राकर ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस अब डॉ. मनमोहन सिंह की आर्थिक नीतियों का भी विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के भीतर का यही वैचारिक भ्रम उसके राजनीतिक नुकसान का कारण बन रहा है।

रक्षाबंधन से पहले 350 किलो मिठाई जब्त, कंपनी पैकिंग खोलकर बना रहे थे पेड़े

इंदौर। एजेंसी। रक्षाबंधन से पहले खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने बुधवार को हवा बंगला रोड स्थित एक प्रतिष्ठान पर कार्रवाई कर करीब 350 किलो मिठाई जब्त की। गुजरात से 10-10 किलो की कंपनी पैकिंग में आई मिठाई के पैकेट खोलकर उसे पेड़े के आकार में तैयार किया जा रहा था। बाद में इसे ट्रांसपेरेंट डिब्बों में बिना जरूरी डिक्लेरेशन के बिक्री के लिए पैक किया जा रहा था। विभाग ने मिठाई के चार नमूने जांच के लिए लिए हैं। प्रारंभिक निरीक्षण में मिठाई में मिल्क सॉलिड के साथ वेजिटेबल फैट के इस्तेमाल की जानकारी सामने आई। करीब 60 हजार रुपये कीमत की मिठाई को जांच रिपोर्ट आने तक जब्त रखा गया है।

कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन और अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा रक्षाबंधन के मद्देनजर मिठाई, नमकीन और अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत संयुक्त दल ने ऋषि नगर, हवा बंगला रोड स्थित मां भुवनेश्वरी एंटरप्राइजेज का निरीक्षण किया। मौके पर प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर निलेश राठौर मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान गुजरात स्थित श्री गोविंद स्वीट्स की 10-10 किलोग्राम की कंपनी पैकिंग वाली मिठाई मिली। विभाग के अनुसार प्रतिष्ठान में इन पैकेटों को खोलकर मिठाई को पेड़े के आकार में तैयार किया जा रहा था। इसके बाद इसे ट्रांसपेरेंट डिब्बों में पैक कर बिक्री के लिए रखा जा रहा था। इन डिब्बों पर आवश्यक डिक्लेरेशन नहीं पाया गया। प्रारंभिक निरीक्षण में मिठाई में मिल्क सॉलिड के साथ वेजिटेबल फैट के इस्तेमाल की जानकारी सामने आई। मौके से मिठाई के चार नमूने लिए गए।

तीन अन्य प्रतिष्ठानों से भी नमूने

रक्षाबंधन को देखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने अन्य प्रतिष्ठानों पर भी कार्रवाई की। विजय नगर स्थित जैन नमकीन से विभिन्न प्रकार के नमकीन के छह नमूने लिए गए। दिव्यराक कॉलोनी स्थित गोकुल प्रोडक्ट सप्लायर से मिठाई के तीन नमूने लिए गए। वहीं भगत सिंह नगर स्थित श्री कृष्णा दूध दही भंडार का निरीक्षण कर मावा और मावा कतली के नमूने लिए गए।

सभी नमूने खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। लैब रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने बताया कि रक्षाबंधन के दौरान मिठाई, नमकीन सहित अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण और नमूना कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

65 साल की वृद्धा को ठगो ने दो महीने तक रखा डिजिटल अरेस्ट

भोपाल। एजेंसी। साइबर ठगों ने 65 वर्षीय वृद्धा को करोड़ों के अवैध लेन-देन के मामले में फंसाने की धमकी देकर गिरफ्तारी का डर दिखाते हुए उन्हें दो महीने तक डिजीटल अरेस्ट करते हुए घर में ही कैद रखा। धमकियों से डरी बुजुर्ग महिला जालसाजो द्वारा पैसो की मांग किये जाने पर लगातार उन्हें रकम देती रही इसके लिये उन्होनें अपने सोने के जेवर तक गिरवी रख दिए। ठगों ने उनसे 22 लाख रुपए ऐंठ लिए। इसके बाद भी जब लगातार पैसों की मांग जारी रही, तब वृद्धा को अहसास हुआ की साइबर ठगो के जाल में फंस गई हैं। यह मामला भोपाल के कोलार क्षेत्र में सामने आया है। हालांकि पीडि़ता मूल रुप से आंध्र प्रदेश के गुंटूर (जिले के मुप्पला थाना क्षेत्र) की रहने वाली है, लेकिन भोपाल पुलिस ने प्रकरण की गंभीरता और वृद्धा की शारीरिक-मानसिक स्थिति को देखते हुए प्रकरण दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार 65 वर्षीया सुवर्णा लक्ष्मी बीते कई सालो से भोपाल के कोलार रोड स्थित कृष्णा कॉम्प्लेक्स (बीमा कुंज के पास) रह रही हैं। मई 2026 में जब वह अपने पैतृक निवास गुंटूर में थीं, उस समय उनके पास अनजान नंबर से वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को जांच एजेंसी का बड़ा अधिकारी बताते हुए कहा की सुवर्णा लक्ष्मी के केनरा बैंक खाते से एक एयरवेज कंपनी के संस्थापक के साथ करोड़ों रुपए का अवैध लेन-देन हुआ है। आरोपी कंपनी के संस्थापक के साथ ही उनके नाम पर भी अरेस्ट वारंट जारी हो चुका है। इसके बाद ठगों ने कानूनी कार्रवाई, गिरफ्तारी और जेल भेजने की धमकी दी। पीडि़ता ठगो की धमकियो से बुरी तरह डर गई, तब जालसाजो ने उन्हें कार्यवाही होने तक गुंटूर वाले घर में लगभग एक महीने तक डिजिटल अरेस्ट रखते हुए सर्विलांस पर रहने को कहा। वृद्धा से कहा गया कि वह अपने कमरे से बाहर न निकले और लगातार फोन पर बनी रहे। इसके बाद ठगों ने गिरफतारी से बचने और कार्यवाही के नाम पर मोटी रकम मांगी। घबराई वृद्धा ने ठगो से अपने जेवर गिरवी रखकर पैसा देने की बात कही। इसके बाद जैसे-तैसे महिला भोपाल स्थित अपने कोलार वाले मकान पहुंचीं। यहां उन्होंने बैंक लॉकर व घर में रखे अपने सोने के जेवर एक निजी बैंक में गिरवी रखकर गोल्ड लोन लिया। और जालसाजों के बताए खातों में 22 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। 22 लाख लेने के बाद भी ठगों ने और पैसे देने का दबाव बनाया तब पीडि़ता को अहसास हुआ कि वे साइबर ठगी का शिकार हो चुकी हैं। हालांकि मुख्य घटनाक्रम आंध्र प्रदेश में घटा था, फिर भी वृद्धा को भटकने से बचाने के लिए कोलार थाना पुलिस ने केस दर्ज कर फोन नंबरो और बैंक ट्रांजेक्शन डिटेल के आधार पर आगे की जॉच शुरु कर दी है।

एकात्म धाम में भव्य पंचायतन मंदिर का होगा शिलान्यास, मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे शुभारंभ

भोपाल। एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार 27 अगस्त को सुबह 6 बजे पवित्र नगरी ओंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम में भव्य पंचायतन मंदिर का शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव, भारत की संन्यास परंपरा के प्रतिनिधियों, षड्दर्शन संत मंडल के पूज्य संतों और विशिष्ट अतिथियों के साथ 45 पवित्र शिलाओं का पूजन कर मंदिर निर्माण का शुभारंभ करेंगे। शिला पूजन का वैदिक अनुष्ठान आंध्रप्रदेश के श्री वेंकटेश्वर वेद विज्ञान पीठम् धर्मगिरि के प्राचार्य के.एस.एस. अवधानी तथा दक्षिणाम्नाय श्री शारदा पीठम् कर्नाटक एवं श्री श्री गुरुकुल के आचार्यों द्वारा किया जाएगा।

विविध उपासना परंपराओं का समन्वय

पंचायतन पूजन का पुनरुद्धार जगतगुरु आदि शंकराचार्य ने विभिन्न उपासना पद्धतियों में समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से किया था। इसी दर्शन को अक्षुण्ण रखने के लिए एकात्म धाम में पंचायतन मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। सनातन परंपरा में पंचायतन पूजा के माध्यम से शिव, विष्णु, सूर्य, गणेश और शक्ति के विभिन्न स्वरूपों में एक ही परम ब्रह्म की उपासना का संदेश दिया जाता है।

भगवान शिव होंगे मुख्य देवता

प्राचीन पंचायतन शैली पर आधारित मंदिर के केंद्र में भगवान शिव का मुख्य देवालय होगा। चारों कोनों में भगवान विष्णु, सूर्य, गणेश और भगवती शक्ति के उप-देवालय होंगे। मुख्य देवालय का शिखर 'सोमतिलक' शैली का होगा, जबकि गर्भगृह सर्वतोभद्र शैली में निर्मित किया जाएगा। इसमें चारों दिशाओं से प्रवेश की व्यवस्था होगी। मंदिर परिसर में 100 नक्काशीदार स्तंभ और 8 लघु संवर्णा स्थापित किए जाएंगे। मुख्य मंडप में 26 फीट व्यास का विशाल कलात्मक गुंबद होगा। मंदिर 16 फीट ऊंचे आधार यानी 'जगति' पर निर्मित किया जा रहा है और संपूर्ण परिसर 121 कलशों से सुशोभित होगा। मंदिर निर्माण में करीब 80 हजार घन फीट नक्काशीदार गुलाबी बलुआ पत्थर का उपयोग किया जा रहा है। पारंपरिक नागर शैली में निर्मित यह मंदिर भारतीय स्थापत्य एवं मूर्तिकला की समृद्ध परंपरा का प्रतीक बनेगा। पंचायतन दर्शन का मूल संदेश है कि विभिन्न देव स्वरूप एक ही अनंत सत्ता के विविध रूप हैं। यह परंपरा शैव, वैष्णव, शाक्त, सौर और गाणपत्य उपासना पद्धतियों के बीच समरसता और एकात्मता का भाव स्थापित करती है।

स्थानांतरण में आए शिक्षक वेतन से वंचित

जबलपुर। एजेंसी। आयुक्त लोकशिक्षण संचालनालय भोपाल को मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन ने एक पत्र जारी कर पूरे प्रदेश में हर जिले में स्थानांतरित हुए शिक्षकों को अतिशीघ्र वेतन दिया जाए जिससे वे अपना जीवकोपार्जन सुचारूरूप से चला सकें। संघ ने बताया कि पूरे प्रदेश में अभी हाल ही में स्थानांतरित हो कर आए शिक्षकों ने जिन स्कूलों में उन्हे स्थानांतरित हो कर कार्यभार ग्रहण करने हेतु आदेशित किया गया था उन्होंने वहां कार्य भार ग्रहण कर लिया और लगभग दो माह बीत जाने के पश्चात भी उन्हे वेतन नहीं मिल रहा है जिससे वे शिक्षक परेशान है आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं जिससे उनमें रोष व्याप्त है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष-रॉबर्ट मार्टिन, राजेश सहारिया, हेमंत ठाकरे, दिनेश गोंड, सुरेन्द्र चैधरी, राकेश श्रीवास, लालजी प्रसाद, रऊफ खान, फिलिप अन्थोनी, राजकुमार यादव, संतोष चौधरी, दिपेश जैन, एनोस विक्टर, क्लेमेन्ट पायस, मनमोहन चौधरी, गुडविन चार्ल्स मनमोहन चौधरी, राकेश गुप्ता, उमेष सिंह ठाकुर, धनराज पिल्ले, सुनील झारिया, देवेन्द्र पटेल, मनीष मिश्रा, आशाराम झारिया, रामेश्वर प्रसाद दुबे, नीरज मरावी, गोपीशाह आदि ने आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय से मांग की है कि स्थानांतरित हो कर आए शिक्षकों का शीघ्र वेतन भुगतान किया जाए।

भारत ने दूसरे टेस्ट पर शिकंजा कसा, फालोऑन खेलते हुए श्रीलंका ने दूसरी पारी में बनाये 229/6

कोलंबो। एजेंसी।

भारतीय टीम ने यहां खेले जा रह दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में मेजबान श्रीलंकाई टीम पर शिकंजा कस दिया है। वर्षा बाधित इस मुकाबले में श्रीलंकाई टीम ने फॉलोऑन खेलते हुए अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 229 रन ही बनाये हैं। भारतीय टीम के पास पहली पारी के आधार पर 213 रनों की बढ़त थी। ऐसे में अब मेजबान टीम के पास केवल 16 रनों की बढ़त बची है। अब अंतिम दिन भारतीय टीम का लक्ष्य श्रीलंकाई पारी को समेट कर जीत दर्ज करना रहेगा। चौथे दिन दूसरी पारी में श्रीलंका की ओर से पासींदु सूरियाबंदारा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 92 रन की बेहतरीन पारी खेली। उनके अलावा, कामिंदु मेंडिस ने 55 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया, जबकि कामिल मिशारा ने 32 और धनंजय डी सिल्वा ने 23 रन बनाकर टीम को संकट से निकालने का प्रयास किया। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा। मानव सुतार ने भारत के लिए दूसरी पारी में अब

तक सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए हैं, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, सारांश जैन और रविंद्र जडेजा को एक-एक सफलता मिली। दिन का खेल समाप्त होने के समय तक केशरा 3 और सोनल 7 रन बनाकर मौजूद हैं, जिन पर अब टीम की सारी उम्मीदें टिकी हैं। बारिश के कारण भी आज खेल तय समय से पहले समाप्त हो गया।

गौरतलब है कि भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने श्रीलंका को फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर किया था। दरअसल भारतीय टीम ने पहली पारी 9 विकेट पर 503 रन पर घोषित कर दी थी। जिसके बाद खेलते हुए श्रीलंकाई टीम अपनी पहली पारी में 290 रनों पर सिमट गई थी, जिसमें सोनल दिनुशा ने सर्वाधिक 103 रन बनाए थे। हालांकि, उनकी यह शतकीय पारी टीम को फॉलोऑन से नहीं बचा सकी। भारत ने पहली पारी के आधार पर श्रीलंका पर 213 रनों की बड़ी बढ़त हासिल की थी, जिसके बाद गिल ने दोबारा बल्लेबाजी करवाने का फैसला लिया।

भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 9 विकेट पर 503 रन बनाकर पारी घोषित की थी। भारत की ओर से युवा बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने 117 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली थी, वहीं ध्रुव जुरेल ने भी नाबाद 115 रन बनाकर अपनी टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया था। पहली पारी में भारतीय गेंदबाजों का भी प्रदर्शन सराहनीय रहा था। मानव सुतार और प्रसिद्ध कृष्णा ने 3-3 विकेट अपने नाम किए थे, जबकि डेब्यू कर रहे सारांश जैन को 2 और मोहम्मद सिराज को 1 विकेट मिला था।

वैभव और यशस्वी जायसवाल के आक्रामक रवैये पर मांजरेकर ने चिन्ता जतायी

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने मैदान पर आक्रामक व्यवहार के लिए वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल पर निशाना साधा है।मांजरेकर ने कहा है कि इन दोनो का ही रवैया ठीक नहीं है जो इन्हें बदलना चाहिये। उन्होंने इन दोनो के आक्रामक व्यवहार पर चिन्ता भी जतायी है। मांजरेकर ने सोशल मीडिया पर आईसीसी और बीसीसीआई दोनों को टैग करते हुए स्पष्ट शब्दों में लिखा है कि यदि इन युवा खिलाड़ियों के इस तरह के व्यवहार पर अभी ध्यान नहीं दिया गया तो वे आगे भी ऐसा ही करेंगे। उनका मानना है कि यह प्रवृत्ति न तो इन युवा खिलाड़ियों के व्यक्तिगत भविष्य के लिए अच्छी है और न ही खेल के लिए। ये खेल भावना के विपरीत रहने वाले रास्ते पर जा रहे हैं। उनकी यह टिप्पणी यह भी संकेत देती है कि वे टीम प्रबंधन और क्रिकेट बोर्ड की जवाबदेही भी तय होनी चाहिये जिससे ऐसी घटनाओं पर केवल औपचारिक कार्रवाई से बढ़कर कुछ ठोस कदम उठाए जा सकें। मांजरेकर की यह पोस्ट आते ही सोशल मीडिया पर विवाद दो गया। उपयोगकर्ताओं ने इस पर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं, जिनमें से अधिकांश प्रशंसकों ने यशस्वी और वैभव का समर्थन किया है। प्रशंसकों फैंस का तर्क है कि यह अब 80 या 90 के दशक का क्रिकेट नहीं है। नए जमाने में टीम इंडिया आक्रामक क्रिकेट खेलती है और यह इसी का एक हिस्सा है। कुछ का तो यहां तक कहना है कि अपनी राय बनाने से पहले पूरी कहानी को समझना चाहिए। कोलंबो में एक टेस्ट मैच के दौरान यशस्वी जा श्रीलंकाई खिलाड़ी असिथा फर्नांडो से भिड़ गए थे। वहीं वैभव सूर्यवंशी भी श्रीलंका में ही एक ऐसी ही घटना में शामिल थे, जब वह इंडिया ए के लिए खेलते हुए श्रीलंका ए के खिलाड़ी के साथ तीखी बहस में उलझे थे।

सेरेना और अल्काराज अमेरिकी ओपन से बाहर हुए

न्यूयॉर्क। अनुभवी खिलाड़ी सेरेना सेरेना विलियम्स और उनके जोड़ीदार कार्लोस अल्काराज अमेरिकी ओपन टेनिस में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। वहीं सर्बिया के नोवाक जोकोविच और बेलारुस की आर्यका सबालेंका सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। सेरेना और अल्काराज को क्वार्टर फाइनल में स्विटजलैंड के फ्लावियो कोबोली और इटली की बेलिंडा बेंचिच की जोड़ी ने उन्हें 5-4(4), 4-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस हार के साथ ही सेरेना और अल्काराज अमेरिकी ओपन से बाहर हो गये हैं। वहीं कोबोली और बेलिंडा का सामना सेमीफाइनल में एलिना स्वितोलिना और गेल मोनफिल्स से होगा। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सेरेना और अल्काराज की जोड़ी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी। दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआत में कई गलतियां की जिसका लाभ कोबोली और बेंचिच ने उठाया। सेरेना के लिए चार साल बाद वापसी निराशाजनक रही। उन्होंने 2022 में अमेरिकी ओपन में ही पेशेवर टेनिस को अलविदा कहा था। आर्थर ऐश स्टेडियम में उनकी वापसी पर दर्शकों ने जोरदार तालियों और शोर के साथ उनका स्वागत किया। सेरेना ने कहा था कि उन्हें कभी नहीं लगा था कि वह इस कोर्ट पर फिर से लौटेंगी। क्वार्टर फाइनल से पहले, सेरेना और अल्काराज ने एरिन रूटलिफ और लॉयड ग्लासपूल की जोड़ी को 5-3, 4-1 से हराकर टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत की थी। पहले मुकाबले के दौरान दोनों के बीच काफी अच्छ तालमेल और सहजता देखने को मिली थी। 44 साल की सेरेना ने अपनी वापसी के दौरान अपने पुराने अंदाज की झलक भी दिखाई। उन्होंने मुकाबले में 120 मील प्रति घंटे (लगभग 193.1 किलोमीटर प्रति घंटे) की रफ्तार से ऐस लगाकर अपने पुराने अंदाज की झलक दिखाई, जिसने आर्थर ऐश स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को हैरान कर दिया। अल्काराज ने भी चोट के कारण अप्रैल के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धी मुकाबले में उतरते हुए शानदार वापसी की, उन्होंने फोरहैंड विनर के साथ पहले दौर का मुकाबला समाप्त किया।

टी20 में जडेजा के नाम नहीं है एक भी अर्धशतक

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा के नाम गेंदबाजी और बल्लेबाजी में कई रिकार्ड हैं। टी20 टूर्नामेंटों में अपने प्रदर्शन से उन्होंने कई बार भारतीय टीम को जीत दिलायी है। इसके बाद भी वह अपने पूरे टी20 करियर में एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाये हैं। जडेजा ने 2025 टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद इस प्रारुप से संन्यास ले लिया था। वहीं अगर इस प्रारुप में सबसे अधिक अर्धशतक की बात करें तो वह पाकिस्तान के बाबर आजम के नाम हैं। बाबर ने सबसे अधिक 42 अर्धशतक लगाये हैं। जडेजा ने अपने करियर में भारतीय टीम की ओर से 74 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले। 41 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए जडेजा ने 515 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 46 रन रहा। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 21.45 और स्ट्राइक रेट 127.16 रहा। उन्होंने अपने करियर में 39 चौके और 14 छक्के भी लगाए, लेकिन एक भी बार वह अर्धशतक नहीं लगा पये।

हालांकि, अगर उनके पूरे टी20 करियर पर नजर डालें तो तस्वीर थोड़ी अलग है। इंटरनेशनल क्रिकेट से बाहर फ्रेंचाइजी और घरेलू टी20 मैचों को मिलाकर जडेजा ने कुल 360 टी20 मैच खेले हैं। इन मैचों की 263 पारियों में उन्होंने 4251 रन बनाए हैं। यहां उनका बल्लेबाजी औसत 27.42 और स्ट्राइक रेट 131.08 रहा है। सबसे खास बात यह है कि इस दौरान उनके नाम 5 अर्धशतक दर्ज हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 77 रन है। यह दर्शाता है कि उनमें टी20 प्रारूप में अर्धशतक लगाने की क्षमता तो थी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निचले क्रम में बल्लेबाजी करने और कम मौके मिलने के कारण वे यह मुकाम हासिल नहीं कर पाए।

उंगली की चोट के कारण बाबर का इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध

लॉर्ड्स। इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम का खेलना संदिग्ध नजर आता है। इसका कारण बाबर का चोटिल होना है। उनकी उंगली की चोट अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुई है। इससे पाक टीम प्रबंधन) की चिंताएं बढ़ा दी हैं। पाक टीम इस सीरीज में पहल मैच हर गयी थी। ऐसे में ये मैच उनके लिए बेहद अहम है। वहीं अगर बाबर मैच नहीं खेलते हैं तो टीम की बल्लेबाजी कमजोर होगी। बाबर की उंगली में सूजन है, जिसके कारण उन्हें बल्ले को ठीक से पकड़ने तक में परेशानी आ रही है। यह चोट उन्हें इंग्लैंड दौरे से पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में लगी थी। केंट में काउंटीज एकादश के खिलाफ खेले गए एक तीन दिवसीय अभ्यास मैच में बल्लेबाजी के दौरान इसी उंगली पर दोबारा लग गयी थी जिससे ये चोट और बढ़ गयी। इसी कारण बाबर लीड्स में पहला टेस्ट नहीं खेल पाए थे, जिसमें पाकिस्तान को इंग्लैंड के हाथों एक पारी और 103 रनों से बड़ी हार झेलनी पड़ी थी। उस मैच में सलमान अली आगा ने टीम की कप्तानी संभाली थी पर पाक बल्लेबाज और गेंदबाजी दोनों ही ही विफल रहे थे। मोर्चों पर खराब प्रदर्शन ने सीरीज में पाकिस्तान को 0-1 से पीछे कर दिया है। सीरीज को बराबर करने और हार के सिलसिले को तोड़ने के लिए पाकिस्तान टीम प्रबंधन लॉर्ड्स टेस्ट में अपनी रणनीति में बदलाव करने पर विचार कर रहा है। माना जा रहा है कि लॉर्ड्स की पिच धीमी होगी और धीमे गेंदबाजों के लिए मददगार साबित हो सकती है, इसी को ध्यान में रखते हुए पाक टीम अपने दोनों स्पिनरों, अली उस्मान और साजिद खान को अंतिम एकादश में शामिल करने पर विचार कर रही है। लीड्स में पहले टेस्ट में मोहम्मद अब्बास, खुर्रम शहजाद और मोहम्मद अली की तेज गेंदबाजी तिकड़ी विफल रही थी। अली उस्मान ने लीड्स टेस्ट में 98 रन देकर 5 विकेट लिए थे, जिससे उन्होंने अपनी क्षमता साबित की थी।

क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक ओवर फेंकने वाले शीर्ष दो गेंदबाज है मुरलीधरन और कंबले

कोलंबो। श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम गेंदबाजी में कई रिकार्ड है। इन्हीं में एक सबसे अधिक ओवर फैंकने का रिकार्ड भी मुरलीधरन के नाम है। वहीं भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर रहे अनिल कुंबले का नाम दूसरे स्थान पर है। मुरलीधरन ने अपने 1992 से 2010 तक के करियर में कुल 133 टेस्ट मैचों में 7339.5 ओवर गेंदबाजी की। इन ओवरों में उन्होंने 800 टेस्ट विकेट लिए हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सर्वाधिक विकेट हैं, और उनका गेंदबाजी औसत 22.73 रहा। उनके ठीक बाद, भारत के कुंबले ने 1990 से 2008 के बीच 132 टेस्ट मैचों में 6808.2 ओवर फेंके। कुंबले ने अपने दमदार करियर में 619 विकेट हासिल किए और उनका औसत 29.65 रहा, जो उनकी निरंतरता को दर्शाता है। इस विशेष सूची में ऑस्ट्रेलिया के महान लेग स्पिनर शेन वॉर्न भी तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 1992 से 2007 तक 145 टेस्ट मैचों में 6784.1 ओवर डाले और 708 विकेट झटके। उनके बाद इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी के दिग्गज जेम्स एंडरसन का नाम आता है, जिन्होंने 2003 से लेकर अब तक 188 टेस्ट मैचों में 6672.5 ओवर फेंके हैं। एंडरसन ने इस दौरान 704 विकेट लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया के ऑफ स्पिनर नाथन लियोन भी इस सूची में अपनी जगह बनाए हुए हैं, जिन्होंने 2011 से अब तक 143 टेस्ट मैचों में 5853.1 ओवर फेंके हैं और 571 विकेट अपने नाम किए हैं।

18 सितंबर को होगी बीसीसीआई एजीएम, आईपीएल के अगले चेयरमैन सहित कई मामलों पर होगा फैसला

मुम्बई। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सालाना आम बैठक 18 सितंबर को होगी। इसमे कई मामलों पर फैसले लिए जाएंगे। इस बैठक में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के नये चेयरमैन के चुनाव को लेकर भी फैसला लिया जाएगा। इसके अलावा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की क्रिकेट संघ को बीसीसीआई की एसोसिएट सदस्यता प्रदान करने पर भी फैसला लिया जाएगा। बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि एजीएम की सूचना सभी 38 राज्य इकाइयों को भेज दी गई है।

एजीएम के दौरान, आईपीएल संचालन समिति के चेयरमैन पद के लिए चुनाव होगा। अभी अरुण धूमल इस पद पर हैं। इसके अतिरिक्त, संचालन समिति के दो अन्य निर्वाचित सदस्यों के लिए भी चुनाव होगा। बीसीसीआई के चुनाव अधिकारी एके ज्योति ने चुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इसके अनुसार, सदस्यों को अपने प्रतिनिधियों के नामांकन के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 31 अगस्त रखी गय है, जबकि वैध उम्मीदवारों की घोषणा 11 सितंबर को की जाएगी। हालांकि, इन तीनों पदों पर चुनाव निर्विरोध होने की प्रबल संभावना है, जिससे नियुक्तियां आसानी से हो सकेंगी।

मोर्केल ने स्लेजिंग को खेल का हिस्सा बताया , कृष्णा को बेहतरीन गेंदबाज बताया

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने श्रीलंका के साथ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में स्लेजिंग के आरोपों पर टीम का बचाव करते हुए कहा है कि खेल में में थोड़ी स्लेजिंग चलती है और ये कोई गंभीर मामला नहीं हैं। मोर्केल ने कहा कि खिलाड़ियों पर यहां की गर्मी और उमस कभी-कभी हावी हो जाती है, जो मैदान पर उनके व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। हालांकि उन्होंने खेल भावना और आचार संहिता के सम्मान पर भी जोर दिया और कहा कि प्रतिस्पर्धी के माहौल में थोड़ी बहुत नोकझोंक होती रहती है।

इस मैच में स्लेजिंग के कई मामले देखे गये हैं। पहले दिन भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल और श्रीलंकाई तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो के बीच तीखी बहस हुई थी, जिसके बाद दोनों खिलाड़ियों पर जुर्माना और एक-एक डिमेरिट अंक लगाया गया। दूसरे दिन श्रीलंका के स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने भी एक फैसले पर सवाल उठाये थे। वहीं तीसरे दिन भारतीय टीम के स्थानापन्न खिलाड़ी सरफराज खान ने श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डी सिल्वा और विकेटकीपर-बल्लेबाज निरोशन डिकवेला पर कुछ टिप्पणियां कीं। मोर्केल ने इन घटनाओं को दोनों टीमों के बीच होने वाली सामान्य बातें करार दिया और कहा कि खेल के जुनून में कभी-कभी ऐसा हो जाता है। , जो खेल में लड़ने और प्रतिस्पर्धा करने का जज्बा सामने लाती है।

वहीं मोर्कल ने तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की जमकर तारीफ की है। कृष्णा ने तीसरे दिन 14 ओवर में 47 रन देकर तीन विकेट लिए थे। मोर्कल ने कहा कि इस गेंदबाज ने बाहरी आलोचनाओं को नजरअंदाज करते हुए अपने खेल पर कड़ी मेहनत की और खुद को एक विश्वस्तरीय गेंदबाज के रूप में विकसित कर लिया है।

टेस्ट क्रिकेट में जिम्बाब्वे के फ्लावर के नाम है सबसे अधिक स्कोर का रिकार्ड

हरारे। जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज एंडी फ्लावर के नाम एक ऐसा रिकार्ड है जो अब तक कोई भी नहीं तोड़ पाया है। फ्लावर ने टेस्ट क्रिकेट में ये रिकार्ड 26 साल पहले बनाया था। फ्लावर ने साल 2000 में नागपुर में भारत के खिलाफ 444 गेंदों पर नाबाद 232 रन बनाए थे। फ्लावर ने अपनी उस पारी में 30 चौके और 2 छक्के लगाये थे। उन्होंने करीब 544 मिनट बल्लेबाजी करते हुए भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया था। संगाकारा ने अपनी पारी में 327 गेंदें खेलीं और 33 चौके तथा 3 छक्के लगाए। उनकी यह पारी न सिर्फ सर्वाधिक रन बनाने वाली रही, बल्कि धैर्य, एकाग्रता और लंबे समय तक क्रीज पर टिके रहने का अद्भुत उदाहरण भी पेश करती है। इस रिकॉर्ड को तोड़ने के सबसे करीब श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगाकारा पहुंचे थे। उन्होंने साल 2002 में पाकिस्तान के खिलाफ लाहौर में 230 रनों की शानदार पारी खेली थी पर वह मात्र तीन रन से एंडी फ्लावर के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ नहीं पाये थे

वहीं भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर महेन्द्र सिंह धोनी भी एक बार इस आंकड़े के बेहद करीब पहुंचे थे पर रिकार्ड नहीं तोड़ पाये। उन्होंने साल 2013 में चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 224 रन बनाए थे, जो किसी विकेटकीपर-बल्लेबाज द्वारा तीसरी सबसे बड़ी पारी है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट, ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जोहान्सबर्ग में 2002 में नाबाद 204 रन बनाये थे। गिलक्रिस्ट ने यह पारी केवल 213 गेंदों में खेली थी, जिससे उनकी आक्रामक पारी का अंदाजा लगाया जा सकता है। बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम भी इस विशिष्ट सूची में शामिल हैं। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ मीरपुर में नाबाद 219 रन बनाये थे।

इस प्रकार साल 2000 से लेकर अब तक, टेस्ट क्रिकेट में कई बेहतरीन विकेटकीपर-बल्लेबाज आए और उन्होंने यादगार पारियां खेलीं पर कोई भी फ्लावर का रिकार्ड नहीं तोड़ पाया। इसी कारण फ्लावर की भारत के खिलाफ खेली गई नाबाद 232 रनों की पारी आज भी टेस्ट क्रिकेट में विकेटकीपर-बल्लेबाज द्वारा सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का अटूट रिकॉर्ड बनी हुई है, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और धैर्य का बेजोड़ प्रमाण है।

फेडरर ने पेशेवर टेनिस में वापसी से इंकार किया

न्यूयॉर्क। पूर्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर ने पेशेवर टेनिस में वापसी से इंकार कर दिया है। फेडरर के अनुसार बढ़ती उम्र के कारण अब उनका शरीर प्रतिस्पर्धी के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा है कि उनका व्यस्त कार्यक्रम और शारीरिक स्थिति अब पहले जैसी नहीं रही है। फेडरर यहां अमेरिकी ओपन में एक प्रदर्शनी मैच के लिए पहुंचे थे। उनका कहना था कि इससे ये अनुमान नहीं लगाना चाहिये कि मैं वापसी कर रहा हूं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, जब फेडरर से पेशेवर टेनिस में वापसी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इसका सवाल ही नहीं उठता। साथ ही कहा कि टूर पर वापसी के लिए कई प्रतिबद्धताओं की जरुरत होती है, जिसमें डोपिंग टेस्टिंग पूल में शामिल होना आदि है, जबकि उनके पास न तो इसके लिए पर्याप्त समय है और न ही उनका शरीर अब पहले जैसा है।

फेडरर ने कहा, पूछने के लिए धन्यवाद। मुझे नहीं लगता था कि

यह सवाल पूछा जाएगा, लेकिन मुझे खुशी है कि आपने पूछा, जिससे अगर किसी को ऐसा लगा हो तो मैं स्पष्ट कर सकूं। खेलने के लिए पहले तो आपको डोपिंग पूल में शामिल होना पड़ता है। इसमें बहुत सारी बाधाएं हैं जबकि आजकल मैं बहुत व्यस्त हूं। मुझे प्रदर्शनी मैच खेलने के लिए भी मुश्किल से समय मिल पाता है, तो टूर के बारे में तो सवाल ही नहीं उठता।

उन्होंने कहाकि वह प्रतिस्पर्धी टेनिस से दूर अपनी वर्तमान जिंदगी से बहुत खुश हैं और एक प्रशंसक के तौर पर खेल को फॉलो करने का आनंद लेते हैं। उन्होंने आगे कहा, लेकिन मैं जैसा महसूस कर रहा हूं, उससे बहुत खुश हूं। मैं अब सिर्फ एक प्रशंसक हूं और मैच देखने का आनंद ले रहा हूं।गौरतलब है कि 45 वर्षीय फेडरर ने साल 2004 से 2008 तक लगातार पांच अमेरिकी ओपन खिताब जीते हैं। उन्होंने साल 2022 में संन्यास की घोषणा करने से पहले आखिरी बार 2019 में किसी ग्रैंड स्लैम में हिस्सा लिया था।

सिंधु और आयुष चाइना मास्टर्स में नजर नहीं आयेंगे

नई दिल्ली। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अगले माह की शुरुआत में होने वाले चाइना मास्टर्स सुपर 750 टूर्नामेंट में नजर नहीं आयेंगी। सिंधु के अलाव पुरुष एकल खिलाड़ी आयुष शेट्टी भी इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। चाइना ओपन अगले माह 1 सितंबर से शुरू हो रहा है। एशियाई खेलों से पहले बीडब्लयएफ विश्व टूर का यह एकमात्र बड़ा इवेंट है, जिसका आकर्षण इन खिलाड़ियों के नहीं होने से कम होगा।

हाल में हुई विश्व चैंपियनशिप में आयुष ने शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने पहले ही दौर में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी शी युकी को हैरानर कर दिया था। हालांकि, वह राउंड ऑफ 16 में इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से हार गए थे। वहीं सिंधु भी वर्ल्ड चैंपियनशिप में राउंड ऑफ 16 तक पहुंची थीं पर चीन की दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी वांग झी यी से उन्हें कड़े मुकाबले में हार झेलनी पड़ी थी। माना जा रहा है कि उस मैच से उन्हें जो थकान हुई है। उसी कारण वह चायना ओपन नहीं खेल रही है।

पुरुष एकल में आयुष के हटने के बाद अब लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत भारत की आर से उतरेंगे। लक्ष्य ने विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन किया था, जहां वह दूसरे दौर में अमेरिका के दुनिया के नंबर 92 खिलाड़ी गैरेट टैन से हारकर जल्दी बाहर हो गए थे। दूसरी ओर महिला एकल में मालविका बंसोद और आकर्षी कश्यप भी नहीं उतरेंगी। ऐसे में अब उन्नति हुड्डा, देविका सिहाग और तन्वी शर्मा भारत की ओर से पदक दावेदार रहेंगी।

जश्न-ए ईद मिलादुन्नबी पर भरवेली में उमड़ा आस्था का सैलाब

भव्य रैली का जगह-जगह हुआ स्वागत,प्रेम, भाईचारे और इंसानियत का दिया संदेश, नारे-ए-तकबीर और सलातो-सलाम की गूंज के बीच निकली विशाल रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जश्ने ईद मिलादुन्नबी की धूम न केवल जिला मुख्यालय बल्कि जिला नगर मुख्यालय के आसपास के गांव क्षेत्र में भी देखने को मिली। जहां जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भरवेली में भी जश्ने ईद मिलादुन्नबी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जश्न-ए ईद मिलादुन्नबी के पावन अवसर पर भरवेली में मुस्लिम समाज द्वारा उत्साह, अकीदत और धार्मिक उल्लास के साथ भव्य रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में समाजजन, बच्चे, युवा, बुजुर्ग, ग्रामीणजन एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। आकर्षक झंडों और धार्मिक संदेशों के साथ निकली रैली भरवेली के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जहां जगह-जगह लोगों ने गर्मजोशी के साथ रैली का स्वागत किया। इस दौरान पूरा क्षेत्र भाईचारे, एकता और धार्मिक आस्था के रंग में रंगा नजर आया।रैली के माध्यम से इस्लाम के आखिरी पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जीवन, उनकी शिक्षाओं और इंसानियत के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। रैली में शामिल लोगों ने आपसी भाईचारे, शांति, प्रेम, करुणा और मानवता की भावना को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

जगह-जगह हुआ शरबत, फल और प्रसाद का वितरण

रैली के दौरान भरवेली में जगह-जगह श्रद्धालुओं और रैली में शामिल लोगों के स्वागत की विशेष व्यवस्था की गई। सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के साथ स्थानीय नागरिकों ने शरबत, फल एवं प्रसाद का वितरण कर रैली का स्वागत किया। लोगों ने एक-दूसरे को जश्न-ए ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद देते हुए खुशियां साझा कीं।उधर रैली में शामिल बच्चों और युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। बुजुर्गों ने भी बड़ी संख्या में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाया। विभिन्न मार्गों से गुजरती रैली के दौरान सामाजिक सौहार्द और एकता का संदेश दिया गया।

यह प्रेम, शांति और भाईचारे का है पैगाम

आयोजकों ने कहा कि जश्न-ए ईद मिलादुन्नबी केवल एक धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि पैगंबर मोहम्मद साहब द्वारा दिए गए प्रेम, करुणा, शांति और इंसानियत के संदेश को अपने जीवन में अपनाने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि समाज में बढ़ती दूरियों को समाप्त कर आपसी सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करना आज समय की आवश्यकता है।

मोहम्मद साहब की शिक्षाओं पर अमल करने का लिया संकल्प

आयोजन के दौरान लोगों ने यह संकल्प भी लिया कि पैगंबर मोहम्मद साहब की शिक्षाओं पर अमल करते हुए गरीबों और जरूरतमंदों की सहायता करेंगे तथा समाज में प्रेम और सद्भाव का संदेश फैलाएंगे।

शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई रैली

भरवेली के विभिन्न मार्गों से होकर निकली यह भव्य रैली शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। रैली में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के साथ अन्य समाजों के ग्रामीणजन और सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल रहे। जगह-जगह हुए आत्मीय स्वागत ने आयोजन की भव्यता को और बढ़ा दिया।जश्न-ए ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर निकली इस रैली ने भरवेली क्षेत्र में आपसी प्रेम, भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत तस्वीर पेश की।

पैगंबर मोहम्मद साहब की शिक्षा मानवता का संदेश- इमरान

सामाजिक कार्यकर्ता इमरान खान ने भरवेली में आयोजित रैली के दौरान पैगंबर मोहम्मद साहब के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन इंसानियत और दुनिया की भलाई के लिए समर्पित किया। उन्होंने समाज को समानता, प्रेम, भाईचारे और जरूरतमंदों की मदद का संदेश दिया।उन्होंने कहा कि बेटियों के सम्मान और उनकी सुरक्षा का संदेश भी पैगंबर मोहम्मद साहब ने सदियों पहले दिया। इसके साथ ही पड़ोसियों के साथ अच्छा व्यवहार करने और उनकी जरूरतों का ध्यान रखने की शिक्षा दी। उन्होंने बताया कि पैगंबर मोहम्मद साहब ने गरीबों, जरूरतमंदों और भूखों की मदद को इंसानियत का महत्वपूर्ण कर्तव्य बताया तथा नस्लीय भेदभाव और काले-गोरे के अंतर को समाप्त कर सभी इंसानों की समानता का संदेश दिया।

सुशील कुमार वर्मा नगर पालिका परिषद बालाघाट के सांसद प्रतिनिधि मनोनीत

सांसद भारती पारधी ने जारी किया मनोनयन पत्र

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी ने सुशील कुमार वर्मा को नगर पालिका परिषद बालाघाट के लिए अपना सांसद प्रतिनिधि मनोनीत किया है। इस संबंध में सांसद की ओर से नगर पालिका परिषद बालाघाट के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को पत्र जारी किया गया है।सांसद श्रीमती भारती पारधी द्वारा 26 अगस्त 2026 को जारी पत्र में उल्लेख किया गया है कि सुशील कुमार वर्मा, पिता स्वर्गीय श्री एल. पी. वर्मा, निवासी वार्ड क्रमांक 20, अन्नपूर्णा मंदिर के पास, बालाघाट को नगर पालिका परिषद बालाघाट, जिला बालाघाट के लिए सांसद प्रतिनिधि मनोनीत किया जाता है।इस मनोनयन की सूचना नगर पालिका परिषद बालाघाट के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दी गई है। पत्र की एक प्रति कलेक्टर, जिला बालाघाट को भी सूचनार्थ भेजी गई है।सांसद भारती पारधी लोकसभा की स्थायी समिति—कोयला, खान और इस्पात तथा जनजातीय मामलों के मंत्रालय की सलाहकार समिति की सदस्य हैं। सुशील कुमार वर्मा के सांसद प्रतिनिधि के रूप में मनोनयन से नगर पालिका परिषद बालाघाट से संबंधित विषयों में सांसद और स्थानीय निकाय के बीच समन्वय की भूमिका को बल मिलने की उम्मीद है।

ग्राम सोनपुरी में निकली भव्य कांवड़ यात्रा, गूंजे हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारे

पद्मेश न्यूज। उकवा। सावन के पावन महीने में भगवान भोलेनाथ की भक्ति से सराबोर ग्राम सोनपुरी में प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी विशाल एवं भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ किया गया। भगवान शिव को जल अर्पित करने के उद्देश्य से निकाली गई इस कांवड़ यात्रा में ग्राम सोनपुरी सहित आसपास के विभिन्न ग्रामों से बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल हुए। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति से पूरा ग्राम 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयकारों से गूंज उठा और वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया।कांवड़ यात्रा के लिए सुबह करीब 8 बजे श्मशान घाट पर सभी शिवभक्त एकत्रित हुए। इसके बाद पारंपरिक रूप से डफली की धुन, ढोल-नगाड़ों और 'बोल बम' एवं 'हर-हर महादेव' के जयकारों के बीच भव्य कांवड़ यात्रा प्रारंभ हुई। यात्रा में बड़े-बुजुर्गों के साथ बड़ी संख्या में युवा एवं नन्हे शिवभक्त भी उत्साहपूर्वक शामिल हुए।कांवड़ यात्रा ने पूरे ग्राम का भ्रमण किया। इस दौरान जगह-जगह ग्रामीणों द्वारा शिवभक्तों का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं की सेवा के लिए ग्रामवासियों एवं भक्तों द्वारा विभिन्न स्थानों पर पानी, शीतल पेय, फल एवं जलपान की व्यवस्था की गई। सेवा और श्रद्धा का यह दृश्य पूरे आयोजन को और भी विशेष बना रहा।यात्रा के ग्राम भ्रमण के पश्चात सभी शिवभक्तों ने ग्राम के शिव मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ को जल अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

भगवान शिव के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। पूजा-अर्चना के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया।

श्रद्धा और एकता का दिखा अद्भुत संगम

कांवड़ यात्रा में ग्रामवासियों की एकजुटता और धार्मिक आस्था देखने को मिली। महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में सहभागिता करते हुए यात्रा को भव्यता प्रदान की। पूरे आयोजन में भक्ति, सेवा, उत्साह और सामाजिक एकता का सुंदर संगम देखने को मिला।इस अवसर पर अशोक कटरे, रामशंकर पंचतिलक, संदीप गजभिये, रविंद्र राऊत, भोजराज बिसेन, राजू उमरे, ढालसिंग बिसेन, डांसिंग अंपायर सुजल परते, आकाश पंचतिलक, गौरव कटरे, ऋषिकेश राऊत, ऋतिक, ऋषि, प्रेम, सोमेन्द्र, नोमेंद्र, गुलशन, पिंटू सहित बड़ी संख्या में शिवभक्त, समस्त महिला मंडल एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। सावन के इस पावन अवसर पर आयोजित विशाल कांवड़ यात्रा ने ग्राम सोनपुरी की धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और भाईचारे की सुंदर मिसाल प्रस्तुत की।

नक्सलियों का उन्मूलन-फिर भी पांच माह से वेतन को तरस रहे विशेष सहयोगी दस्ता के 690 जवान

जिले में नक्सल गतिविधियों का हुआ खात्मा

अभियान में अहम भूमिका निभाने वाले जवान आर्थिक संकट में

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में नक्सली गतिविधियों के उन्मूलन के बाद भी नक्सल विरोधी अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विशेष सहयोगी दस्ता (एस एस यू) के करीब 690 जवान पिछले पांच माह से वेतन के इंतजार में हैं। जान जोखिम में डालकर लंबे समय तक नक्सल विरोधी अभियान में पुलिस बल का साथ देने वाले इन जवानों के सामने अब वेतन नहीं मिलने से गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।स्थानीय युवाओं को नक्सल विरोधी अभियान से जोड़ने के उद्देश्य से विशेष सहयोगी दस्ता (स्स) का गठन किया गया था। इन जवानों की पांच वर्ष की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर भर्ती की गई है तथा उन्हें 25 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन दिए जाने का प्रावधान है। लेकिन पिछले पांच माह से भुगतान नहीं होने के कारण जवानों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

जंगलों में जोखिम उठाकर निभाई जिम्मेदारी

नक्सल विरोधी अभियान के दौरान एस एस यू के जवानों ने घने जंगलों में गश्त, नाइट पेट्रोलिंग, सर्च ऑपरेशन तथा खुफिया सूचनाएं जुटाने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में पुलिस बल का सहयोग किया। स्थानीय होने के कारण उन्हें क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों और जंगलों की अच्छी जानकारी थी। जिसका लाभ नक्सल विरोधी अभियानों में पुलिस को मिला। अभियान के दौरान कई जवानों को नक्सलियों की ओर से धमकियां मिलने की बात भी सामने आई थी। इसके बावजूद जवानों ने अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटे बिना पुलिस बल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर ड्यूटी निभाई।

पांच माह से भुगतान नहीं;उधारी से चल रहा परिवार

लगातार पांच माह से वेतन नहीं मिलने के कारण जवानों के परिवार आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं। एक एस एस यू जवान ने नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर बताया कि ड्यूटी पूरी ईमानदारी से निभा रहे हैं लेकिन घर चलाने के लिए अब उधार लेना पड़ रहा है। राशन और बच्चों की जरूरतों तक के लिए आर्थिक परेशानी उठानी पड़ रही है। जवानों का कहना है कि वे अपनी ड्यूटी और जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं लेकिन समय पर वेतन मिलना उनका अधिकार है। लंबे समय से भुगतान लंबित रहने के कारण परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है।

महिला जवान भी वेतन की प्रतीक्षा में

एस एस यू में महिला जवान भी शामिल हैं। इन महिला जवानों ने भी नक्सल विरोधी अभियान के दौरान अपनी जिम्मेदारियां निभाई हैं। अब पांच माह से वेतन नहीं मिलने के कारण उन्हें भी आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

नक्सल उन्मूलन में एस एस यू जवानों की महत्वपूर्ण रही भूमिका

बालाघाट जिले में नक्सलवाद के खिलाफ लंबे समय तक चले अभियान में स्थानीय स्तर पर गठित एस एस यू के जवानों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। अब जिले में नक्सली गतिविधियों का उन्मूलन हो चुका है और नक्सल विरोधी अभियान को बड़ी सफलता मिल चुकी है। ऐसे समय में इन जवानों के पांच माह के वेतन का लंबित रहना चर्चा का विषय बना हुआ है।

लंबित वेतन शीघ्र जारी करने की मांग

एस एस यू जवानों ने पुलिस अधीक्षक और जिला प्रशासन से पांच माह का लंबित वेतन शीघ्र जारी कराने की मांग की है। उनका कहना है कि नक्सलवाद के खिलाफ अभियान में उन्होंने पूरी निष्ठा के साथ अपनी सेवाएं दी हैं। अब शासन-प्रशासन को भी उनके लंबित मानदेय का भुगतान कर उनके परिवारों को राहत प्रदान करनी चाहिए।

जश्ने मिलादुन्नबी पर शानो-शौकत से निकला जुलूस ए मोहम्मदी

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। जश्ने मिलादुन्नबी के मुबारक अवसर पर किरनापुर में जुलूसे मोहम्मदी बड़े ही शानो-शौकत के साथ निकाला गया। स्थानीय जामा मस्जिद से निकला जुलूस नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गुजरा। जुलूस में बड़ी संख्या में समाजजन, युवा एवं बच्चे उत्साह के साथ शामिल हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में समाजजन उत्साहपूर्वक जुलूस में शामिल हुए और पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब की शिक्षाओं एवं भाईचारे का संदेश दिया। हाथों में भारतीय झंडा एवं धार्मिक झंडे लिए लोगों ने आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। जुलूसे मोहम्मदी के दौरान ग्राम पंचायत के सामने ग्राम पंचायत किरनापुर के पदाधिकारियों ग्राम पंचायत सरपंच धर्मकला भाई जे पी रामटेके, पंचायत सदस्य अंकुश पचभैया, राकेश शर्मा, जय प्रकाश रामटेके, महेश डोंगरे,शिव तारन, राकेश बोरकर, रमेश भाद्रे ,सहित अन्य ने जुलूस में शामिल लोगों का इस्तकबाल करते हुए फल वितरण किया । एवं कौमी एकता की शानदार मिशाल पेश की।इस दौरान लोगों का आत्मीयता के साथ स्वागत किया गया।जुलूस के नगर भ्रमण के दौरान पूरे क्षेत्र में उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। जश्ने मिलादुन्नबी के अवसर पर लोगों ने शांति, सद्भाव, प्रेम और भाईचारे की भावना के साथ पर्व मनाया।जश्ने मिलादुन्नबी को लेकर नगर में पूरे दिन उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। जुलूस के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक इंतजाम किए गए थे।

कीचड़, गड्ढों और अतिक्रमण से बदहाल रविवार बाजार की सब्जी गली

संकरी गलियों में खरीदारी करना बना परेशानी का सबब, आवारा पशुओं का भी जमावड़ा

पद्मेश न्यूज। बैहर। नगर का प्रमुख रविवार बाजार इन दिनों अव्यवस्थाओं से जूझ रहा है। बाजार की सब्जी गली में जगह-जगह गड्ढों में भरा पानी और कीचड़ राहगीरों तथा ग्राहकों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। बारिश के दौरान स्थिति और भी बदतर हो जाती है। संकरी गलियों के कारण दुकानदारों और ग्राहकों के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बनी रहती है।बाजार की गलियों में दुकानदारों द्वारा निर्धारित स्थान से आगे तक सामान फैलाकर दुकान लगाने से रास्ते और अधिक संकरे हो गए हैं। इसके अलावा कई स्थानों पर कचरे के ढेर भी दिखाई देते हैं। आवारा पशुओं की मौजूदगी से ग्राहकों की परेशानी और बढ़ जाती है। बाजार में खरीदारी करने आने वाले लोगों को सामान सुरक्षित रखने के साथ-साथ खुद को कीचड़ और पशुओं से बचाने की चुनौती का सामना करना पड़ता है। ग्राहकों का कहना है कि बाजार के अंदर जाने पर स्थिति लगातार खराब होती जाती है। कहीं गलियां बेहद संकरी हैं, तो कहीं टेढ़ी-मेढ़ी और ऊंची-नीची हैं। कई स्थानों पर जहां दुकानें लगनी चाहिए, वहां लोगों द्वारा स्थायी रूप से कब्जा कर आवास बना लिए जाने की बात भी सामने आ रही है। ऐसे में बाजार की मूल व्यवस्था प्रभावित हो रही है।दुकानदारों द्वारा निर्धारित सीमा से अधिक स्थान घेरकर दुकान लगाने की प्रवृत्ति भी बाजार की अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार मानी जा रही है। यदि नगर परिषद समय-समय पर दुकानदारों को समझाइश देने के साथ अतिक्रमण और स्वच्छता के संबंध में प्रभावी कार्रवाई करती, तो स्थिति इतनी खराब नहीं होती। नगरवासियों ने नवनियुक्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी हितेश हलमारे से अपेक्षा जताई है कि रविवार बाजार की स्थिति का निरीक्षण कर सफाई, जल निकासी, अतिक्रमण और आवारा पशुओं की समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। लोगों का कहना है कि व्यवस्थित और स्वच्छ बाजार से दुकानदारों के साथ-साथ ग्राहकों को भी राहत मिलेगी।

गुजरी चौक में गाड़ी साइड लेने को लेकर विवाद

कड़े से वार कर युवक का सिर फोड़ा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के गुजरी चौक में गाड़ी साइड लेने के मामूली विवाद को लेकर एक युवक के साथ जमकर मारपीट कर घायल कर दिया गया। हाथ में पहने कड़े से सिर पर वार कर दिया जिससे युवक का सिर फट गया। घायल युवक परहद शेख पिता रमजान शेख, 30 वर्ष वार्ड नंबर 9 गौली मोहल्ला, बालाघाट निवासी हैजिसका जिला अस्पताल में इलाज किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार परहद शेख दुकानदारी करता है। 25 अगस्त की शाम करीब 6 बजे वह गुजरी चौक घर का सामान खरीदने गया था। तभी गाड़ी साइड लेने को लेकर उसका सिंधी मोहल्ला निवासी प्रथम राजपूत से विवाद हो गया। प्रथम राजपूत उसे अश्लील गालियां देने लगा। परहद ने गाली देने से मना किया तो प्रथम आवेश में आ गया और हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी।मारपीट के दौरान प्रथम ने हाथ में पहने कड़े से परहद के सिर पर वार कर दिया।जिससे उसका सिर फट गया और खून निकलने लगा। इसके बाद भी प्रथम ने उसे जमीन पर गिराकर फिर से मारपीट की। घटना देख मौके पर भीड़ लग गई। वहां मौजूद अमर गजभिये नामक युवक ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। घायल अवस्था में परहद अपने दोस्त के साथ मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल पहुंचा। जहां उसका उपचार किया गया। जिला अस्पताल पुलिस चौकी ने घायल का बयान लेकर अस्पताल तहरीर आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली भेज दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रतीक्षालय में अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी

कचरा ढोने वाली ट्रैक्टर-ट्रॉली से शव अस्पताल पहुंचाने पर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज। बैहर। रविवार को बैहर बस स्टैंड स्थित प्रतीक्षालय में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। महिला की पहचान तत्काल नहीं हो सकी। बताया गया कि महिला के शरीर पर गर्म कपड़े थे।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को चिकित्सालय भेजने की व्यवस्था की। महिला के पास से ऐसा कोई दस्तावेज या पहचान संबंधी जानकारी नहीं मिली।जिससे उसकी पहचान हो सके।हालांकि शव को चिकित्सालय ले जाने के लिए नगर परिषद की कचरा परिवहन करने वाली ट्रैक्टर-ट्रॉली का उपयोग किए जाने को लेकर लोगों में नाराजगी देखने को मिली। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रैक्टर-ट्रॉली में कीचड़ और कचरा होने के कारण उसमें दुर्गंध आ रही थी। इसी वाहन में शव को कपड़े में लपेटकर चिकित्सालय ले जाया गया।मौके पर मौजूद लोगों ने शव को इस तरह ले जाने की व्यवस्था पर दुख और नाराजगी जताई। लोगों का कहना था कि मृत व्यक्ति के शव के प्रति भी सम्मान और गरिमा का ध्यान रखा जाना चाहिए। घटना के दौरान पुलिस और नगर परिषद की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठाए गए। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में ऐसी स्थिति में शवों को सम्मानजनक तरीके से अस्पताल पहुंचाने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

जंगली सूअर से टकराई मोटरसाइकिलवृद्धा गंभीर घायल

खैरलांजी के ग्राम नोनसा-अतरी के बीच हुआ हादसा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। थाना क्षेत्र में ग्राम नोनसा और अतरी के बीच मंगलवार दोपहर जंगली सूअर के अचानक सड़क पर आ जाने से एक मोटरसाइकिल उससे टकरा गई। हादसे में मोटरसाइकिल सवार 65 वर्षीय वृद्धा गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि उसके बेटे को मामूली चोटें आई हैं। घायल वृद्धा संपता बाई पति स्व. सूरज लाल बेसन 65 वर्ष ग्राम भानपुर थाना रामपायली निवासी को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संपता बाई अपने परिवार के साथ खेती-किसानी करती हैं। 25 अगस्त को दोपहर के समय वह अपने बेटे मोतीलाल बेसने के साथ मोटरसाइकिल से ग्राम कुम्हली जा रही थीं। इसी दौरान ग्राम नोनसा और अतरी के बीच अचानक एक जंगली सूअर मोटरसाइकिल के सामने आ गया। मोटरसाइकिल जंगली सूअर से टकरा गई।जिससे संपता बाई और उनका बेटा मोतीलाल सड़क पर गिर गए।हादसे में संपता बाई के सिर में गंभीर चोट आई। जबकि मोतीलाल को मामूली चोटें आईं। दोनों को 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। अधिक चोट होने के कारण संपता बाई को अस्पताल में भर्ती।किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने मोतीलाल का बयान लेकर इस मामले को आगे की कार्रवाई के लिए घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना खैरलांजी भिजवा दिया है।

आदिवासी अंचलों में नहीं थम रहा मासूम बच्चों की मौत का सिलसिला

फिर हुई एक और चार वर्षीय मासूम बच्चे की मौत

मौत के बाद फूटा आदिवासी समाज का आक्रोश, बंजारी तिराहे पर चक्काजाम, आदिवासी बच्चों की लगातार मौतों पर भड़का गुस्सा, स्वास्थ्य विभाग पर लापरवाही के आरोप, पोस्टमार्टम से पहले अंतिम संस्कार कराने के प्रयास का भी लगाया आरोप

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में आदिवासी बच्चों की लगातार हो रही मौतों को लेकर आदिवासी समाज का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। बुधवार तड़के मोहनपुर पंचायत के बैगाटोला में 4 वर्षीय मासूम लवकुश की मौत के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।नाराज आदिवासी समाज के लोगों ने बालाघाट-बैहर मार्ग पर बंजारी तिराहे के पास चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने बच्चों के इलाज और स्वास्थ्य सेवाओं में गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।हालांकि मामले को लेकर फिलहाल संबंधित अधिकारियों के बयान सामने नहीं आए हैं और ना ही इस मामले को लेकर उनसे संपर्क हो सका है। अधिकारी गण फोन उठाने में भी परहेज कर रहे हैं।जिससे आरोपो की स्थिति फिलहाल साफ नही हो पाई है।फिलहाल 4 वर्षीय लवकुश की मौत के बाद हुए चक्काजाम ने एक बार फिर जिले के आदिवासी अंचलों में बच्चों की स्वास्थ्य सेवाओं और लगातार हो रही मौतों के मामले को गंभीर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। आदिवासी समाज ने स्पष्ट किया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए स्वास्थ्य व्यवस्था में ठोस सुधार किए जाएं।

मौत की खबर मिलते ही फूटा जन आक्रोश

उधर मासूम बच्चे की मौत की खबर फैलते ही क्षेत्र में नाराजगी और बढ़ गई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जिले के आदिवासी अंचलों में लगातार बच्चों की मौत की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन इसके बावजूद स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था को लेकर अपेक्षित सुधार नहीं दिखाई दे रहा है। समाज के लोगों ने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से इस गंभीर समस्या पर तत्काल ध्यान देने की मांग की।

पोस्टमार्टम से पहले अंतिम संस्कार कराने के प्रयास ?

उधर प्रदर्शनकारियों और परिजनों ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि 4 वर्षीय लवकुश का पोस्टमार्टम कराए बिना ही जबरन अंतिम संस्कार कराने का प्रयास किया गया। इस आरोप को लेकर आदिवासी समाज के लोगों में भारी नाराजगी देखी गई।प्रदर्शनकारियों का कहना है कि लगातार बच्चों की मौत के मामलों को देखते हुए प्रत्येक घटना की गंभीरता से जांच होना आवश्यक है। उनका आरोप है कि यदि पोस्टमार्टम और अन्य आवश्यक जांच प्रक्रिया पूरी किए बिना अंतिम संस्कार कराया जाता है तो मौत के वास्तविक कारणों की निष्पक्ष जांच प्रभावित हो सकती है।

हैदराबाद में रोजगार की तलाश में हैं माता-पिता

स्थानीय लोगो से मिली जानकारी के अनुसार मृतक बच्चे के माता-पिता रोजगार की तलाश में हैदराबाद गए हुए हैं। परिजनों और रिश्तेदारों का आरोप है कि माता-पिता को अपने बच्चे की अंतिम विदाई और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में शामिल होने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया। इस बात को लेकर भी समाज के लोगों में नाराजगी है।आदिवासी समाज के लोगों का कहना है कि माता-पिता के पहुंचने से पहले अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को लेकर जल्दबाजी नहीं की जानी चाहिए थी। उन्होंने पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

लगातार बच्चों की मौत के मामलों के बीच स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि आदिवासी और दूरस्थ क्षेत्रों में बच्चों को समय पर और बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। समाज के लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने तथा जरूरत पड़ने पर गंभीर बच्चों को तत्काल बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की मांग की।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बच्चों की लगातार हो रही मौतों को सामान्य घटनाओं के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। इसके पीछे स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, समय पर उपचार न मिलना अथवा अन्य किसी कारण की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जानी चाहिए।

बालाघाट-बैहर मार्ग पर प्रभावित हुआ यातायात

आदिवासी समाज द्वारा किए गए चक्काजाम के कारण बालाघाट-बैहर मुख्य मार्ग पर यातायात प्रभावित होने की सूचना है। मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बाधित होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारी मौके पर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को बुलाने और अपनी मांगों पर ठोस कार्रवाई का आश्वासन देने की मांग पर अड़े रहे।

विभाग की ओर से नही हो सकी पुष्टि

उधर मृतक बच्चे की मौत के वास्तविक कारणों तथा प्रदर्शनकारियों द्वारा प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पर लगाए गए आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस संबंध में विस्तृत जानकारी अथवा आधिकारिक बयान सामने आने के बाद स्थिति और स्पष्ट होगी।

उग्र आंदोलन की भी दी चेतावनी

उधर आदिवासी समाज ने स्वास्थ्य विभाग पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, बच्चों की मौतों के कारणों का पता लगाने और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की मांग की है। समाज ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने यह भी मांग की है कि बच्चे के शव को दोबारा निकालकर माता-पिता की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया जाए और फिर अंतिम संस्कार किया जाए।

सम्बधितों पर दर्ज की जाए एफआईआर, हो कार्यवाही- दिनेश धुर्वे

आदिवासी विकास परिषद जिलाध्यक्ष दिनेश धुर्वे ने लगातार आदिवासी बच्चों की मौत के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग को दोषी बताते हुए, जिम्मेदारों को तत्काल बर्खास्त कर कार्रवाई करने और बिना माता-पिता के पहुंचे, जबरदस्ती बच्चे के अंतिम संस्कार करने के मामले में सम्बधितों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

अधिकारियों ने नही उठाया फोन कॉल

पूरे मामले को लेकर जब हमने ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ)निमेष गौतम और जिला चिकित्सा एवं मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप से मामले को लेकर संपर्क करने का प्रयास किया। लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका तो वही दूरभाष क्रमांक (निमेष गौतम 7974176187, और सीएचएमओ 9424978190) पर भी संपर्क करने का प्रयास किया गया।लेकिन उन्होंने फोन कॉल रिसीव नहीं की ,जिसके चलते फिलहाल इस मामले ओर आरोपो की पुष्टि नहीं हो पाई है।

ट्रेन की चपेट में आया सांड, इंजन में फंसकर हुई मौत

करीब 2 घंटे रुकी रही इतवारी-बालाघाट ट्रेन, परेशान यात्रियों ने पैदल नापा रास्ता
बूढ़ी रेलवे क्रासिंग के समीप हुआ हादसा, ट्रेन संख्या 68714 पहले से ही चल रही थी लेट

पदमेश न्यूज। बालाघाट। बुधवार को इतवारी से बालाघाट आ रही पैसेंजर ट्रेन एक बड़े हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गई। बूढ़ी रेलवे क्रासिंग के समीप अचानक एक सांड ट्रेन की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सांड इंजन के नीचे फंस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ट्रेन को तत्काल रोकना पड़ा, जिससे करीब 2 घंटे तक रेल यातायात बाधित रहा और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। उधर काफी जद्दोजहद के बाद सांड को काटकर निकाला गया जिसके बाद लोगो ने राहत की सांस ली।इस कार्य को करने में कर्मचारियों को करीब 2 घंटे का समय लग गया जिसके बाद ट्रेन अपने गंतव्य बालाघाट रेलवे स्टेशन की ओर आगे बड़ी।उधर करीब 2 घण्टे ट्रेन खड़ी यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा, कुछ यात्री अपना अपना सामान लेकर पैदल ही अपने घर का रास्ता नापते हुए नजर आए, तो कुछ यात्रियों ने अपने घर से वाहन, व किराए के ऑटो बुलाकर आगे का सफर पूरा किया।

पहले से ही 1 घण्टा देरी से चल रही थी ट्रेन

बताया जा रहा है कि ट्रेन संख्या 68714 इतवारी-बालाघाट पैसेंजर पहले से ही अपने निर्धारित समय से करीब एक घंटे की देरी से चल रही थी। ऐसे में बूढ़ी रेलवे क्रासिंग के समीप हुए इस हादसे के बाद ट्रेन को और अधिक समय तक खड़ा रहना पड़ा। इंजन में फंसे सांड को बाहर निकालने के लिए रेलवे कर्मचारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।उधर ट्रेन के लंबे समय तक एक ही स्थान पर खड़े रहने से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई। कई यात्री इंतजार करने के बजाय ट्रेन से उतरकर पैदल ही अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गए। वहीं कुछ यात्रियों ने अपने परिचितों और परिजनों को फोन कर वाहन बुलाए, जबकि कई लोगों ने ऑटो बुक कर आगे का सफर तय किया। घटना के कारण ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल भी बना रहा। यात्रियों का कहना था कि ट्रेन पहले से ही देरी से चल रही थी और हादसे के बाद करीब 2 घंटे तक रुकने से उनकी परेशानी और बढ़ गई।उधररेलवे कर्मचारियों द्वारा इंजन में फंसे मृत सांड को काटकर बाहर करने के बाद ट्रेन को पुन: गंतव्य के लिए रवाना किया गया। हालांकि इस घटना के चलते ट्रेन अपने निर्धारित समय से और अधिक विलंब से बालाघाट पहुंची।

आरपीएफ कर रही मामले की जांच- चौधरी

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बालाघाट रेलवे स्टेशन प्रबंधक के एम चौधरी ने बताया कि इतवारी से चलकर बालाघाट की ओर आने वाली लोकल ट्रेन काफी विलंब से स्टेशन पहुंची है उन्होंने बताया कि वारासिवनी से चलकर ट्रेन बालाघाट आ रही थी, लेकिन बूढ़ी चौकी के समीप एक सांड ट्रेन की चपेट में आकर इंजन में फस गया था, जिससे ट्रेन करीब 2 घंटा मौके पर ही खड़ी रही। ऐसी स्थिति में ट्रेन को आगे बढ़ाया नहीं जा सकता था यदि ट्रेन को आगे बढ़ाया तो ट्रेन पलट भी सकती थी, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। इसीलिए सांड को काटकर बाहर निकाला गया। उसके बाद ट्रेन आगे बढ़ाई गई है। हमने मामले की सूचना आरपीएफ को दे दी है जो मामले की जांच कर आगामी कार्यवाही करेगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट